रांची
सोमवार, 20 जुलाई, 2026
आषाढ, शुक्ल पक्ष, षष्ठी, संवत् 2083
स्थापित: 1991, संस्थापक : बलबीर दत्त
वर्ष: 35, अंक: 244, मूल्य: ₹3
पृष्ठ: 1, कुल पृष्ठ: 12

देशप्राण

सच की ताकत

सत्यस्य शक्तिः सर्वोपरि

contact@deshpran.in | Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran | @deshpran | @deshpran | Desh Pran | www.deshpran.com

सुविचार

अवसर की प्रतीक्षा में मत बैठों। आज का अवसर ही सर्वोत्तम है।

इतिहास के पन्नों में

20 जुलाई

स्मृति दिवस

बटुकेश्वर दत्त

जन्म : 18 नवम्बर, 1910 ई.
मृत्यु : 20 जुलाई, 1965 ई.

बटुकेश्वर दत्त भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक थे। देश ने सबसे पहले 8 अप्रैल, 1929 को उन्हें उस समय जाना, जब वे भगतसिंह के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम विस्फोट के बाद गिरफ्तार किए गए। उन्होंने आगरा में स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित करने में उल्लेखनीय कार्य किया था। सन 1924 में कानपुर में बटुकेश्वर दत्त की भगतसिंह से भेंट हुई थी। 8 अप्रैल, 1929 ई. को भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दर्शक दीर्घा से केन्द्रीय असेम्बली के अन्दर बम फेंककर धमाका किया। बम इस प्रकार बनाया गया था कि, किसी की भी जान न जाए। बम के साथ ही लाल पर्चे की प्रतियाँ भी फेंकी गईं, जिनमें बम फेंकने का क्रान्तिकारियों का उद्देश्य स्पष्ट किया गया था।

➡ मुंबई, लखनऊ, राजस्थान समेत देशभर में भारी विरोध प्रदर्शन ➡ छात्रों के समर्थन में खुलकर आए विपक्ष व कई संगठन

सरकार के लिए चुनौतियों भरा रहा रविवार

सर्वदलीय बैठक में गरमाया माहौल, बागियों को न्यौता मिलने से नाराज विपक्ष का वॉकआउट

✦ एनसीपीआई को बगैर मान्यता बैठक में शामिल करने पर भड़का विपक्ष

✦ तृणमूल, झामुमो, शिवसेना, आप, द्रमुक, नेश्नल कांफ्रेस व लेफ्ट ने दर्ज कराया विरोध

✦ संसद के सुचारू संचालन के लिए सरकार ने की विपक्षी पार्टियों से अपील

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.): संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में नवगठित नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को आमंत्रित किए जाने को लेकर विपक्षी दलों ने सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनत्र कड़गम, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वाम दलों और शिवसेना (यूबीटी) सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने कुछ मिनट के लिए बैठक से वॉकआउट किया। बाद में सभी नेता लौटकर बैठक में शामिल हुए। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की।

रविवार को संसद भवन एनेक्सी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर और सांसद शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के दौरान विधायी कार्यों और सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए सभी दलों के बीच सहमति बनाना था।

बैठक की शुरूआत में ही तृणमूल कांग्रेस ने एनसीपीआई को आमंत्रित किए जाने पर कड़ा विरोध जताया। विपक्षी दलों का कहना था कि नवगठित पार्टी को अभी तक लोकसभा में आधिकारिक मान्यता नहीं मिली है और इस संबंध में अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है। विपक्ष ने इसे संसदीय परंपराओं के विपरीत बताते हुए कुछ मिनट के लिए बैठक का बहिष्कार किया और बाद में चर्चा में शामिल हो गया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक और अन्य विधायी कार्य सदन के समक्ष रखेगी।

जंतर-मंतर पर उमड़ा समर्थकों का जनसौलाब, आज संसद मार्च

✦ छात्रों का आरोप - पुलिस ने तीन बार की बलपूर्वक हटाने की कोशिश

✦ आधी रात छात्रों की 'सुरक्षा' के लिए पहुंचे सांसद चंद्रशेखर ने सुबह तक दिया 'पहरा'

✦ संसद मार्च में शामिल होगी आप, सपा व आजाद समाज पार्टी

नई दिल्ली : आज भारतीय संसद (लोकसभा और राज्यसभा) का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। मानसून सत्र के इस पहले ही दिन देश की राजधानी दिल्ली में भारी हलचल देखने को मिलने वाली है। दिल्ली के ऐतिहासिक धरना स्थल जंतर-मंतर पर पिछले एक महीने से चल रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' के आंदोलन व भूख हड़ताल कर रहे प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने एक बड़े विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

उन्होंने 20 जुलाई को संसद सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद भवन तक एक विशाल पैदल मार्च निकालने का आवाहन किया है। इस मार्च में शामिल होने के लिए देश भर से नागरिकों, समर्थकों और विभिन्न संगठनों से भारी संख्या में दिल्ली पहुंचने की भावुक अपील की गई है। इस बड़े आंदोलन और भारी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना के मद्देनजर दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह अलर्ट पर है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी की व्यापक एडवाइजरी:वहीं दूसरी ओर नई दिल्ली रेंज में संभावित ट्रैफिक जाम, भारी वाहनों की आवाजाही व सुरक्षा प्रतिबंधों को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता के लिए एक बेहद विस्तृत और महत्वपूर्ण ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

'वंदेमातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक आज राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली : केन्द्रीय गृहमंत्री सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत 'वंदेमातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश करेंगे। इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान तथा राष्ट्रगान में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। राज्यसभा की कल की कार्यसूची में इसकी जानकारी दी गई है। विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 को संशोधित करेगा। यह विधेयक राष्ट्रगीत वंदेमातरम को भी राष्ट्रगान की ही तरह सम्मान देने के उद्देश्य से लाया जायेगा। अपमान करने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसमें गायन से जुड़ी अनिवार्यता के भी प्रावधान हैं। दूसरी ओर लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल उच्चतम न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाए जाने से जुड़े विधेयक को पेश करेंगे। इसका उद्देश्य देश की शीर्ष अदालत में जजों की संख्या को 33 से 37 करना है। संसद का मानसून सत्र कल से आरंभ होने जा रहा है। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीडिया के समक्ष सभी दलों से कार्यवाही को सुचारू चलाने की अपील करते हुए अपना वक्तव्य देंगे। मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में 'फादर अमीर' के नाम से जाने जाने वाले कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी को श्रद्धाजली दी जाएगी।

सीबीआई की 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.): केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित मेसर्स गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार कंपनी पर केनरा बैंक से फंड आधारित और गैर-फंड आधारित विभिन्न वित्तीय सुविधाएं हासिल करने के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देनदारियों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और वित्तीय विवरणों में हेराफेरी कर अधिक ऋण सुविधा प्राप्त की। इसके अलावा ऋण राशि का दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल करने के साथ खातों को एवरग्रीनिंग (नए ऋण से पुराने ऋण को नियमित दिखाना) के जरिए बैंक को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई ने यह तलाशी विशेष सीबीआई न्यायाधीश, भुवनेश्वर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर शनिवार को की। जांच के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कंपनी की तीन विनिर्माण इकाइयों में तलाशी ली गई। सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

धनबाद में फिर भू-धंसान, बुद्दू बाबू बंगला बस्ती के छह घर जमींदोज

धनबाद : धनबाद के रामकनाली ओपी क्षेत्र स्थित बुद्दू बाबू बंगला बस्ती में रविवार को एक बार फिर भू-धंसान की घटना हुई। लगातार हो रही बारिश के बीच हुए भू-धसान में करीब छह घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। हालांकि, पूर्व में इस इलाके को खाली करा दिए जाने के कारण घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र लंबे समय से भूमिगत कोयला खनन से प्रभावित रहा है। कुछ महीने पहले भी इसी बस्ती में बड़े पैमाने पर भू-धसान हुआ था, जिसमें कई मकान जमीन में समा गए थे।

सोनम वांगचुक को हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नही

✦ मामले की अगली सुनवाई 24 को

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर करीब बीस दिनों तक अनशन पर बैठने वाले सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की याचिका पर कोई भी अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। रविवार को जस्टिस मिनी पुष्करणा की स्पेशल बेंच ने केंद्र सरकार से सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य संबंधी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

गीतांजलि की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोनम वांगचुक को उनकी पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास इलाज कराने का अधिकार है। तब कोर्ट ने कहा कि सरकारी डॉक्टरों पर संदेह क्यों कर रहे हैं। इस पर सिब्बल ने कहा कि मैं सरकारी डॉक्टर पर संदेह नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ ये चाहता हूं कि सोनम वांगचुक और उनके परिवार को उनके पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास भेजा जाए। कपिल सिब्बल ने कहा कि सोनम वांगचुक की निगरानी के लिए पुलिस तैनात है। उनकी पत्नी और परिवार को मिलने तक नहीं दिया जा रहा है और इंतजार कराया जा रहा है।

वहीं केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि सरकार किसी की जान बचाने के कर्तव्य से बंधी हुई है। सोनम वांगचुक को कुछ होता है तो इसके परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स और सफदरजंग में राष्ट्रपति और दूसरी बड़ी हस्तियां इलाज के लिए आती हैं। सुनवाई के दौरान मौके पर मौजूद एम्स के एक डॉक्टर ने कहा कि उन्हें हमारे ऊपर विश्वास नहीं है। केवल भरोसे का सवाल है। तब कपिल सिब्बल ने कहा कि वहां पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे। क्या वो मरीज का इलाज कर रहा थे।

संताली फिल्म 'आंगेन' को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

➡ मुख्यमंत्री ने निर्देशक को दी बधाई

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को संथाली फिल्म आंगेन के निर्देशक रवि राज मुर्मू को 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' की श्रेणी में 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से युवा फिल्म निमार्ता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री सोरेने ने कहा कि ₹मैं रवि राज मुर्मू को इस शानदार उपलब्धि पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि झारखण्ड के लोगों और संताली भाषा के लिए भी गर्व की बात है। उन्होंने अपनी फिल्म 'आंगेन' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर संथाली भाषा, संस्कृति और कहानियों की समृद्धि को बेहद खूबसूरती से प्रदर्शित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान झारखण्ड से उभरती हुई बेहतरीन रचनात्मक प्रतिभाओं को दर्शाता है।

जनगणना पदाधिकारियों के तबादले पर मार्च तक रोक

रांची : झारखंड में जनगणना 2027 के लिए नियुक्त जनगणना पदाधिकारियों के तबादले पर 31 मार्च 2027 तक के लिए रोक लगा दी गयी है। राज्य सरकार ने इससे संबंधित आदेश सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और उपायुक्तों को भेज दिया है। सरकार की ओर से भेजे गये आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय गृह सचिव ने 31 मार्च 2027 तक जनगणना पदाधिकारियों के तबादले नहीं करने का आदेश दिया है। राज्य में भारत की जनगणना 2027 के लिए जनगणना पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इनका तबादला 31 मार्च 2027 तक नहीं करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा जारी निर्देश के तहत राज्य की प्रशासनिक सीमाओं (जिला, प्रखंड, पंचायत की सीमा) में भी 31 मार्च 2027 तक कोई बदलाव नहीं किया जायेगा।

➡ जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले का जवाब बताया

अमेरिका का ईरान पर लगातार 8वीं रात हमला

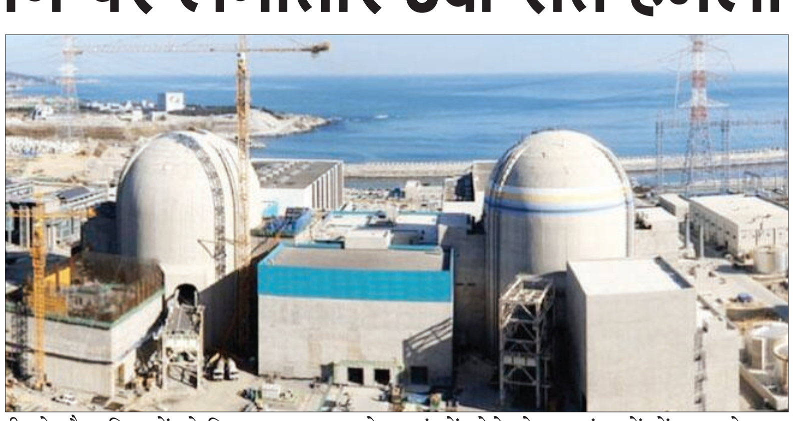

तेहरान/वॉशिंगटन, 19 जुलाई (हि.स.): राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर अमेरिकी सेना ने शनिवार को लगातार आठवीं रात ईरान पर हवाई हमले किए। यह कार्रवाई जॉर्डन में एक अमेरिकी सैन्य बेस पर हुए ईरानी हमले का जवाब है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सिटकॉम) की तरफ से एक्स पर साझा किए गए संदेश में बताया गया है कि आज शाम 6 बजे कमांडर-इन-चीफ के आदेश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले शुरू किए। इन हमलों का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल शिपिंग के लिए बाधक बने ईरान की क्षमता को और कम करना है। साथ ही इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) बलों को सजा देना है जिन्होंने कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए।

ताजा हमले में अमेरिका ने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से दक्षिणी ईरान के तटीय शहर सिरीक, हाजीआबाद, बंदर अब्बास और केश्म द्वीप के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इससे पहले अमेरिका ने ईरान में लगातार हमले कर पिछले कुछ दिनों में ईरान के कई पुल, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बिजली ग्रिड और एक वॉटर प्लांट को तबाह कर दिया। ईरान ने भी अमेरिकी हमले के खिलाफ पलटवार किया करते हुए खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान की सेना ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और पांचवें बेड़े के कमांड सेंटरों पर ड्रोन व बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इराक के इरबिल शहर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने हवाई हमलों से बचने के लिए अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय किया है।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि 27 जून से 18 जुलाई के बीच अमेरिकी हवाई हमलों में 50 लोगों की मौत हुई है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

22 जुलाई तक बीएलओ को अपने भरे हुए फॉर्म उपलब्ध कराएं मतदाता : के. रवि कुमार

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी प्रक्रिया है, इसमें प्रत्येक स्टेकहोल्डर के सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं, बीएलए 2, बीएलओ, निर्वाचन से जुड़े हर स्तर पदाधिकारियों द्वारा आपसी सहभागिता से तीव्र गति से कार्य की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन्यूमरेशन फेज का कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म भेजने एवं उनके भरे हुए एवं हस्ताक्षर किए हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को संग्रहित कर डिजिटलाइज करने का कार्य किया जा रहा है।

कुमार रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मतदाता सूची में एएसडीडीएफ सूची के अंतिम प्रकाशन हेतु सभी मतदान केंद्रों पर 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए-2 कि बैठक एवं चुनाव पाठशाल का आयोजन किया जा रहा है। वैसे मतदाता जो अपना फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को जमा करेंगें केवल उनका ही नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूचि के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में शामिल होगा।

कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को समय पर संपन्न करने के लिए विभाग द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। रविवार तक विशेष कैंप एवं बीएलओ द्वारा 65.64 प्रतिशत कुल 1,73,70,620 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य संपन्न कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं द्वारा भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को वापस जमा होते ही उसे डिजिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि जल्द से जल्द अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर दें जिससे उसे समय रहते डिजिटाइजेशन किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभी भी शहरी मतदाताओं के द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने की गति धीमी है। इसे गति देने एवं अधिक से अधिक बच्चे हुए मतदाताओं को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की सहूलियत और शत्-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 20 जुलाई को राज्य के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में शहरी मतदाता अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा किए। जो बचे हुए मतदाता हैं, जिन्हें किसी कारण से अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुए हैं वे इसे विशेष कैम में जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

कुमार ने कहा कि वर्तमान में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर 97.81 प्रतिशत कुल 2,58,82,942 मतदाताओं तक बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। बचे हुए मतदाता अपने बीएलओ से अवश्य संपर्क कर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें।

झारखंड में बारिश में सुधार, अब तक सामान्य से 37 प्रतिशत कम बारिश

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : राजधानी रांची सहित राज्य भर में हाल के दिनों में बारिश में सुधार देखने को मिला है। 01 जून से 19 जुलाई तक राज्य भर में ३८०.६ मिलिमीटर के मुकाबले २४०.६ मिमी रिकॉर्ड की गई है जो सामान्य से 37 प्रतिशत कम है। वहीं इस दौरान यह आंकड़ा 12 जुलाई तक 40 प्रतिशत था।

जुलाई के दूसरे हफ्ते में हुई अच्छी बारिश के कारण राज्य भर में कृषि कार्यों में तेजी आई है। वहीं मौसम विभाग ने 20 और 21 जुलाई को राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के राजदह में 76.8 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36.4 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके में 20.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और दोपहर बाद कांके क्षेत्र में भारी बारिश दर्ज की गई।

वहीं, रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.6 और न्यूनतम 25.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

खबरकोना

छात्रों का संसद मार्च के समर्थन में एकजुटता सभा आज

पिस्का नगड़ी : ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट व झारखंड नवनिर्माण दल रांची के तत्वाधान में 22 दिनों से दिल्ली के जंतर मंतर में पर्यावरण विद्य सोनम वांगचुक व छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक के लिए जिम्मेवार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफा की मांग को लेकर अनशन व धरने का कार्यक्रम चल रहा है जिस पर केंद्र सरकार द्वारा किसी तरह का कोई संज्ञान अभी तक नहीं ली गई है। वहीं दमनकारी नीति अपनाते हुए पर्यावरण विद्य सोनम वांगचुक को हिरासत में ले लिया गया है। जो तानाशाही रवैया को दशार्ता है। 20 जुलाई 2026 को छात्रों द्वारा आयोजित संसद मार्च के समर्थन मे पार्टी द्वारा रांची जिला के नगड़ी चेकनाका चौक के पास दिन के 12 बजे से एकजुटता नुक्कड़ सभा आयोजित की गई है। नुक्कड़ सभा में मुख्य रूप से पार्टी के झारखंड प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह भाग लेंगे। इनके अलावा स्थानीय पार्टी के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। जिसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी गई है।

उरुगुटू निवासी अजय शहदेव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन

बुढ़मू : उरुगुट्टू निवासी लाल अजय नाथ शाहदेव का आकस्मिक निधन शनिवार की शाम सड़क दुर्घटना में पंडरा थाना क्षेत्र में हो गई थी। रविवार को मृतक का अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। शव यात्रा में कांके विधायक सुरेश बैठा,भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश,भाजपा के मंडल अध्यक्ष विकास मुंडा समेत सैंकड़ों लोग शामिल हुए। वहीं माँ शारदीय दुर्गा पूजा समिति भांटबोडया के तत्वाधान में शोक सभा का आयोजन किया गया। मौके पर मृतक लाल अजय नाथ शाहदेव के आकस्मिक निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर लाल अमनशाहदेव,परिबा साहु,जनार्दन साहु, जयप्रकाश सिंह,सुभाष पुरी, संदीप साहु, कलेश्वर महतो समेत अन्य मौजूद थे।

पेलकाडीह गांव के दो घरों में आग, लाखों की क्षति

तमाड़ : प्रखंड क्षेत्र के हाड़ामलोहर पंचायत अंतर्गत पेलकाडीह गांव के रंग लाल महतो और कृतिवास महतो के घर में आग लग जाने से लाखों रुपये की क्षति हो गई. घटना शाम लगभग 7:00 बजे की बतायी जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है की रंग लाल महतो की की प्रतिदिन की तरह देर शाम दिया दिखाकर घर के एक कोने में रख दी. थोड़ी देर में देखते ही देखते पुआल की छत पर आग पकड़ लिया। आग की लपेट इतनी जबरदस्त थी कि देखते ही देखते पूरे घर को अपने लपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए पूरे गांव के सैकड़ो लोगों को आग बुझाने मे लग गये। इस दौरान दमकल गाड़ी को टोल फ्री नम्बर 101पर फोन किया गया परंतु किसी ने भी फोन नहीं उठाया। दोनों परिवार के घर पर रख गृह सामग्री तथा धान और नगदी जल कर राख हो गई। सबसे ज्यादा छती रंगलाल महतो का छती हुआ, उनके घर का लगभग 20 / 22 कुंटल धान के अलावे सोना गहना के साथ जमीन जायदाद के कागजाद जल गया। इधर ग्रामीणों ने तत्काल विभाग से दोनों परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

सालगाडीह में नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस का होगा आयोजन

तमाड़ : प्रखंड क्षेत्र के गागरसतीया स्थित पुष्पक होटल में विश्व आदिवासी दिवस मानने को लेकर उधारकांत मुंडा की अध्यक्षता में रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें विभिन्न गांव के आदिवासी सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस सालगाडीह मैदान में धुम धाम से मनाने का निर्णय लिया गया। जिसमें समस्त आदिवासियों का महा जुटान होगा। इस कार्यक्रम मे सांसद विधायक पूर्व विधायक सांसद को भी आमंत्रण देने का निर्णय लिया गया । वैसे बच्चे जो इस बर्ष मैटिक इन्टर मे टॉपर हुए है। बैसे बच्चो को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल आयोजन के लिए विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति का गठन किया गया । अध्यक्ष उदारकांत मुन्डा सिंह मुंडा सचिन हीरा मुंडा कोषाध्यक्ष पूर्ण चंद्र मुंडा उपाध्यक्ष मुकेश मुंडा उपाध्यक्ष रामसाय मुंडा उपाध्यक्ष रंजन मुंडा उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुंडा उपाध्यक्ष कन्हाई पातर महासचिव रागा सिंह मुंडा सचिव बुधन लाल मुंडा संयुक्त सचिव पार्वती देवी सह सचिव अर्जुन मुंडा विशेष सचिव सहदेव सिंह मुंडा उमेश सिंह मुंडा केंद्रीय कार्यकारिणी समिति शिशुपाल मुंडा रामेश्वर मानकी,जगन्नाथ मुंडा,महेश मुंडा संरक्षक देव नन्दन मुंडा, जगन्नाथ मानकी लक्ष्मण सिंह मुंडा एवं मीडिया प्रभारी अनिल सिंह मुन्डा का चयन किया गया।

आल इंडिया बैंक पेंशन एंड रिटायरमेंट फेडरेशन ने दिया समावेशी विकास पर जोर

बुढ़मू : बैंकों के राष्ट्रीयकरण और उससे जुड़े समावेशी विकास, सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष का आयोजन रांची जिले के बुढ़मू के कोटारी स्कूल परिसर में आल इंडिया बैंक पेंशन एंड रिटायरमेंट फेडरेशन के तत्वाधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बैंक से रिटायर्ड पदाधिकारियों द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें जन-हित संबंधित कई गतिविधियाँ कर ग्रामीणों को जोड़ा गया। कार्यक्रम की शुरूआत सैंपलिंग पौधरोपण से हुई, जिसमें सैकड़ों फलदार पेड़—विशेषकर आम व अमरूद के पौधे—वितरित किए गए और स्कूल परिसर में अशोक का पौधरोपण भी किया गया। आयोजकों ने कहा कि इससे न केवल पर्यावरण स्वच्छ रहेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को लंबे समय में आर्थिक लाभ भी मिलेगा। समारोह में प्रखंड के उप प्रमुख हरदेव साहू, एथलिट्स गोल्ड मेडलिस्ट सीता मुंडा, जनक मुंडा व महेंद्र मुंडा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों को धोती-साड़ी वितरित कर उनका सम्मान किया गया, जिससे सामाजिक संवेदनशीलता और एकजुटता का संदेश मिला। उपस्थित लोगों को स्वच्छ वातावरण, सामुदायिक विकास और वृद्धों के सम्मान पर भी संबोधित किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह पहल राष्ट्रीयकरण के मूल उद्देश्यों—ग्रामीण व कमजोर वर्गों तक बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण—को स्थानीय स्तर पर लागू करने की दिशा में एक छोटा मगर महत्वपूर्ण कदम है। उपस्थित ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम से पर्यावरण के साथ-साथ समुदाय की आर्थिक संभावनाएँ भी मजबूत होंगी।

अर्जुन मुंडा ने आदिवासी महिला की मौत पर सीएम से की उच्चस्तरीय जांच की मांग

देश प्राण संवाददाता

खूंटी , 19 जुलाई : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने खूंटी प्रखंड के बगडू गांव निवासी आदिवासी महिला बुधन पूर्ति की बिरसा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर (बिरसा अस्पताल) में कथित चिकित्सीय लापरवाही के कारण हुई मौत को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक विस्तृत पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

पत्र में कहा गया है कि यह घटना केवल एक परिवार की व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनशीलता, जवाबदेही और आदिवासी समाज के प्रति संवैधानिक दायित्वों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। इसमें उल्लेख किया गया है कि झारखंड की पहचान आदिवासी अस्मिता, सामाजिक न्याय और पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों से जुड़ी रही है, जहां आदिवासी समाज के जीवन, स्वास्थ्य और सम्मान की रक्षा राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

पत्र के अनुसार, यदि उपचार के दौरान महिला को गलत ब्लड ग्रुप का रक्त चढ़ाए जाने के कारण उनकी मृत्यु हुई है, तो यह केवल चिकित्सीय लापरवाही नहीं, बल्कि जीवन रक्षा के दायित्व में गंभीर चूक का मामला है। ऐसे मामलों से स्वास्थ्य संस्थानों के प्रति लोगों का विश्वास भी प्रभावित होता है, विशेषकर आदिवासी और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों का।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में यह भी कहा गया है कि राज्य के आदिवासी बहुल और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे में चिकित्सीय लापरवाही से होने वाली मौतें स्थिति को और गंभीर बना रही हैं।

पत्र में अक्टूबर 2025 में पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में थैलेसीमिया पीड़ित पांच जनजातीय बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटना का भी उल्लेख करते हुए कहा गया है कि ऐसी घटनाएं स्वास्थ्य व्यवस्था में संस्थागत सुधार और प्रभावी निगरानी तंत्र की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई पर कार्यशाला

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके में रविवार को सीबीएसई के डिस्ट्रिक्ट लेवल डिलीवरी कार्यक्रम के तहत विद्यालयों के लिए 'कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की समझ' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने कंप्यूटेशनल थिंकिंग, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों पर अपने अनुभव और शोध साझा किए।

कार्यशाला का उद्घाटन विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. सुभाष चंद्र यादव, बीआईटी मेसरा के सहायक प्रोफेसर के. श्रीधर पटनायक, एसआर डीएवी के प्राचार्य डॉ. तापस घोष तथा डॉ. प्रतीक विश्वास ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर परमजीत कौर ने कहा कि बदलते समय के साथ सकारात्मक परिवर्तनों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुके हैं। इनके विवेकपूर्ण उपयोग से विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान की क्षमता और रचनात्मकता का विकास होता है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर भी बल दिया।

मुख्य वक्ता प्रो. सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि कंप्यूटेशनल थिंकिंग जटिल समस्याओं का तार्किक और व्यवस्थित समाधान खोजने की प्रक्रिया है, जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन समाधानों को प्रभावी रूप से लागू करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भविष्य की शिक्षा और रोजगार के बदलते परिदृश्य में इन दोनों विषयों की समझ विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सीमा चंद्रिका तिवारी ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बारिश से गिरा जर्जर मकान, भाजपा नेताओं ने किया निरीक्षण

खूंटी : लगातार हो रही बारिश के कारण जरियागढ़ निवासी अम्बिका प्रसाद शर्मा का जर्जर मकान शनिवार की रात गिर गया। घटना की सूचना मिलने पर रविवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सीमा देवी और भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी जगरनाथ साहू ने घटनास्थल पहुंचकर क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण किया। साथ ही पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। निरीक्षण के दौरान विनय गुप्ता ने संबंधित प्रशासनिक पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को शीघ्र सरकारी सहायता, उचित मुआवजा और आवश्यकता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत करने की मांग की। भाजपा नेताओं ने प्रशासन से त्वरित सर्वेक्षण कर राहत सामग्री, आर्थिक सहायता और सुरक्षित आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि प्रभावित परिवार को जल्द राहत मिल सके।

मारवाड़ी युवा मंच ने 101 पौधे लगाकर लोगों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

देश प्राण संवाददाता

खूंटी, 19 जुलाई : पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ मारवाड़ी युवा मंच, खूंटी नगर शाखा की ओर से रविवार को डोड़मा स्थित प्रवीण जैन के क्रशर प्लांट परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के 101 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका सुशीला देवी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि लगाए गए पौधों का सही ढंग से संरक्षण किया जाए, तो वे भविष्य में स्वच्छ वातावरण और बेहतर जीवन का आधार बन सकते हैं।

अभियान में बच्चों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आर्या, आरना, कृतांत, वेदान्तिका, आज्ञा और कृष ने पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

मारवाड़ी युवा मंच की संयोजिकाओं निक्की जैन, प्रियंका जैन, रश्मि जैन और रिंकू जैन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

मंच के अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि एक पौधा केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मंच के पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, अंकित जैन, सचिव गौरव जैन, कोषाध्यक्ष प्रिंस अग्रवाल, नूपुर अग्रवाल, मुकुल पिपुरिया, शिल्पी अग्रवाल, पूजा जैन, अशोक जैन सहित मंच के अनेक सदस्य एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नवनिर्मित घुमकुड़िया भवन का गृह प्रवेश व झंडागड़ी समारोह संपन्न

देश प्राण संवाददाता

पिस्का नगड़ी, 19 जुलाई : नगड़ी प्रखंड की सपारोम पंचायत स्थित रोहतास नगर में रविवार को रोहतास नगर सरना समिति के तत्वावधान में नवनिर्मित बहुउद्देशीय घुमकुड़िया भवन का गृह प्रवेश सह झंडागड़ी समारोह सरना रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में सरना धर्मावलंबी, ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल हुए।

पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व राज्यसभा सदस्य समीर उरांव, मुख्य अभियंता संजय कुजूर, प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप तथा नगड़ी मंडल अध्यक्ष रीतेश राज ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। इसके बाद पाहन ने विधिवत सरना ध्वज की स्थापना की और समिति अध्यक्ष रोजा उरांव ने फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान सरना भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं तथा अतिथियों का पारंपरिक गमछा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि घुमकुड़िया भवन आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रोजा उरांव ने की, संचालन जीत पाहन उरांव तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बैजयंती उरांव ने किया। समारोह में हेमंत मिंज, रंजीत भगत, गणेश उरांव, प्रदीप भगत, गोपाल भगत, शंकर उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रांची में पहली बार इस्कॉन की तीन दिवसीय रथ यात्रा शुरू, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : रांची में इस्कॉन की ओर से पहली बार आयोजित तीन दिवसीय भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव का शुभारंभ रविवार को भक्ति और उल्लास के माहौल में हुआ। लेक एवेन्यू, कांके रोड स्थित इस्कॉन मंदिर से निकली रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन, भजन और नृत्य के साथ पूरे उत्साह से रथ यात्रा में भाग लिया।

रथ यात्रा के शुभारम्भ से पूर्व भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मंगल आरती एवं विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जयंतनाथ शाहदेव और उनके पुत्र जीतेश नाथ शाहदेव ने परंपरा के अनुसार स्वर्ण झाडू से मार्ग का प्रतीकात्मक रूप से शुद्धिकरण किया। आरती के उपरांत रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी झाडू लगाकर भगवान की सेवा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ रथ यात्रा में शामिल हुए।

रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। संकीर्तन मंडलियों ने भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। भक्तों ने भगवान को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किए और आरती में भाग लेकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मार्ग में ₹हरे कृष्ण, हरे राम₹ के जयघोष गूंजते रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी और बूंदी प्रसाद का भी वितरण किया गया।

इस्कॉन के महाप्रबंधक मधुसूदन मुकुंद दास ने बताया कि रांची में पहली बार आयोजित इस रथ यात्रा को श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इससे भी अधिक भव्य स्तर पर रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद ने लगभग 60 वर्ष पूर्व अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में पहली बार रथ यात्रा की शुरूआत की थी। आज इस्कॉन के माध्यम से विश्व के 150 से अधिक देशों में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाली जाती है।

महाप्रबंधक ने कहा कि पुरी धाम के गजपति महाराज की सहमति से इस्कॉन इंडिया आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से लेकर बहुदा रथ यात्रा तक देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राओं का आयोजन करता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष रांची में भी पहली बार यह आयोजन किया गया। रविवार को इस्कॉन ईस्ट कैलाश (दिल्ली), औरंगाबाद, गोरखपुर, चेन्नई सहित देश के अनेक इस्कॉन केंद्रों में भी रथ यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक सुरेश बैठा, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, उपमहापौर नीरज कुमार, लेक एवेन्यू सोसाइटी के सचिव मुकेश काबरा, अध्यक्ष विकास सिंह, वसंत बिहार के सचिव राजेश अग्रवाल, अर्जुन जालान, श्रवण जजोदिया, रवींद्र मोदी, अंचल किंगर, अनिल मोदी, रामावतार राजगढ़िया, विनोद मोदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, संकीर्तन, प्रवचन और प्रसाद वितरण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगर भ्रमण के साथ कालीबाड़ी की मां विपत्ततारिणी की प्रतिमा का विसर्जन

देश प्राण संवाददाता

खलारी/डकरा, 19 जुलाई : खलारी के महावीरनगर स्थित कालीबाड़ी में श्री श्री विपत्ततारिणी पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मां विपत्ततारिणी पूजा रविवार को भक्तिभाव, श्रद्धा और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गई। पूजा के दौरान पूरे परिसर में मां विपत्ततारिणी की आराधना से जुड़े मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

पूजा के अंतिम दिन रविवार सुबह मां विपत्ततारिणी का विधिवत पूजन एवं आरती की गई। इसके बाद हवन संपन्न हुआ तथा खीर और खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया। पूजा उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। खलारी कोयलांचल एवं पिपरवार क्षेत्र से सैकड़ों श्रद्धालु पूजा में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर महिलाओं ने मां को सिंदूर अर्पित कर भावभीनी विदाई दी। सुहागिन महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की और सिंदूर खेला किया। वहीं मां का वरण के बाद मां विपत्ततारिणी की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया और स्थानीय तालाब में विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए।

संपूर्ण पूजा-अर्चना पंडित नवकुमार बनर्जी, डॉ. एस.के. घोषाल एवं आचार्य विश्वजीत घोषाल के सान्निध्य में संपन्न हुई।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक दिनेश पांडेय 'घंटू', संयोजक डॉ. चंद्रशेखर रत्ना, अध्यक्ष नवकुमार बनर्जी, उपाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता, सचिव समर कुमार सेन, सह सचिव संतोष कुमार गुप्ता एवं अमन कुमार, कोषाध्यक्ष आचार्य विश्वजीत घोषाल सहित सदस्य उमेश कुमार, कोयल दास, राहुल आचार्य, सुप्रिया घोषाल, विभाष भट्टाचार्य, आरती पांडेय, सोनाली बनर्जी, पद्मा सेन, अल्पना रत्ना, रीता देवी, काली बनर्जी, रीता सिंह, वृंदा देवी सहित कार्यसमिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

टीवी चैनलों की किचकिच को खबर नहीं कहते।
अपने दिमाग को कूड़ादान मत बनाइए
सच्ची खबरों के लिए अखबार उठाइए
देश प्राण सच की ताकत
Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran | @deshpran | @deshpran | Desh Pran | contact@deshpran.in | www.deshpran.com

पहाड़ी मंदिर पहुंचे डीसी, भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रविवार को आगामी सावन पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहाड़ी बाबा मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर समिति के सदस्यों को समयबद्ध ढंग से सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सावन माह में लाखों श्रद्धालु पहाड़ी बाबा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें दर्शन, पूजा-अर्चना और अन्य सुविधाओं के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सीढ़ी मार्ग, शौचालय निर्माण, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, पेवर ब्लॉक बिछाने के कार्य, विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने कहा, पहाड़ी बाबा रांचीवासियों की आस्था के केंद्र हैं। सावन पर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसलिए सभी निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। सुरक्षित एवं सुगम सीढ़ी मार्ग, पर्याप्त शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और विश्राम की सुविधाएं हमारी प्राथमिकता हैं।

उपायुक्त ने श्रद्धालुओं और दुकानदारों से भी विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि सावन पर्व के दौरान मंदिर परिसर में शीशे की किसी भी प्रकार की पूजन सामग्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। श्रद्धालुओं से पूजा में शीशे या धातु की वस्तुओं का उपयोग नहीं करने तथा दुकानदारों से ऐसी सामग्री की बिक्री नहीं करने का आग्रह किया गया।

निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से पहाड़ी बाबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि पहाड़ी बाबा का आशीर्वाद सभी रांचीवासियों पर बना रहे।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को सावन पर्व से पहले सभी विकास कार्य पूरे करने, श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल, प्रकाश और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सीढ़ी मार्ग एवं मुख्य रास्तों को सुरक्षित और सुगम बनाने, सुरक्षा, स्वच्छता एवं भीड़ प्रबंधन की प्रभावी योजना तैयार करने तथा कार्यों की नियमित समीक्षा कर कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पहाड़ी मंदिर समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, पुलिस अधीक्षक (शहर) पारस राणा, पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय, जिला नजारत अपर समाहर्ता डॉ. सुदेश कुमार, कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी एवं मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सरकार को बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रहा है विपक्ष : किशोर शाहदेव

मुख्य संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज के बयान को पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों की कमी हो गई है, इसलिए वे प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर होने वाली देरी को भी राजनीतिक रंग देकर सरकार को बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। जमशेदपुर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन सरकार ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों को अविलंब मानदेय भुगतान के निर्देश दिए गए हैं।

शाहदेव ने कहा कि होमगार्ड जवानों के हितों की असली दुश्मन खुद भाजपा है। रघुवर दास के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने पांच साल तक इन जवानों का शोषण किया और जब भी इन्होंने अपने हक की मांग की, इन पर लाठियां बरसाई गईं। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने वर्ष 2024 में झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश का सम्मान करते हुए न सिर्फ होमगार्ड जवानों का दैनिक मानदेय बढ़ाया, बल्कि उनकी सेवा शर्तों को भी बेहतर करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए।

कांग्रेस नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस दल की केंद्र सरकार ने देश के जवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए अग्निवीर जैसी संवेदनहीन योजना थोप दी, वह आज झारखंड में होमगार्ड जवानों की हमदर्द बनने का ढोंग कर रही है। राफिया नाज को बयानबाजी करने से पहले केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों में संविदा कर्मियों की बदहाली पर आत्ममंथन करना चाहिए।

मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड की आधी आबादी और वंचित तबके को सीधे आर्थिक मजबूती देने वाली इन जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है। गठबंधन सरकार हर गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग और महिला तक उनका हक पहुंचा रही है। कुछ जगहों पर वेरिफिकेशन और तकनीकी कारणों से जो शिकायतें आ रही हैं, उन्हें दुरुस्त किया जा रहा है, न कि किसी की पेंशन बंद की गई है।

खबरकोना

लायंस क्लब ऑफ रांची का 67वां पदस्थापन समारोह

रांची : लायंस क्लब ऑफ रांची का 67वाँ पदस्थापन समारोह हर्ष एवम उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सत्र 2026-27 के लिए डॉ पूनम सखुजा के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी को पूर्व जिलापाल राहुल वर्मा ने शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था के रूप में लायंस इंटरनेशनल को जाना जाता है। क्लब के पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों एवम कार्य से अवगत कराया। पदस्थापन समारोह समिति के संयोजक श्याम सुंदर शर्मा ने सभी आगत अतिथियों एवम विभिन्न क्लबों से आए पदाधिकारियों का स्वागत किया। क्लब सचिव डॉ प्रदीप कुमार क्लब की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप बंका ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। लायन लेडी ऑफ ईयर वीणा बंका, लेडी लायन ऑफ ईयर मंजू कुमार, सर्वोत्तम कमेटी चेयरमैन राजेश चौधरी, लायन ऑफ ईयर मनीष गरोड़िया। मुख्य अध्यक्ष जिलापाल 322अ लायन शुभ्रा मजुमदार ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि लायन वाद के उद्देश्यों को मूर्त रूप देने के लिए तीनों महिलाएँ पदाधिकारी कृत संकल्प हैं। डॉ। पूनम सखूजा के नेतृत्व में लायनिज्म को मुस्कान के साथ आगे बढ़ाना है। स्वामी परिपूर्णा नंद जी आचार्य चिनमय मिशन ने लायंस क्लब ऑफ रांची को मानवता सेवा के प्रति कृतसंकल्प होने का आह्वान किया। उपजिलापाल द्वितीय लायन सुजीत कुमार ने बधाइयाँ दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ हरमिंदर वीर सिंह एवम सिमलजीत कौर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मंजू तिवारी ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलापाल विनोद गद्यान, सिद्धार्थ मजुमदार, राजेश चौधरी, अरुण कुमार सिंह, डॉ देवेन्द्र सिंह, शांतनु तिवारी, टी पी बर्नवाल, विजय कुमार पांडेय, राजेश मोर, सुकृत तिवारी, परविंदर सिंह, अजय अग्रवाल, धर्मेंद्र सिन्हा, प्रकाश अरोड़ा, आशीष मेमानी उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली पर उठाया सवाल, कहा- दिल्ली में बैठी भाजपा सरकार को छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं

मुख्य संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने देश की वर्तमान परीक्षा प्रणाली और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज देश के नौजवानों और छात्र-छात्राओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इस भ्रष्ट कुव्यवस्था से पीड़ित युवा पूरी तरह से लोकतांत्रिक और अहिंसात्मक तरीके से सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं।

प्रदीप यादव ने रविवार को रांची स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस में कहा कि यह बेहद कड़वा सच है कि पेपर लीक के कारण देश में दो दर्जन से अधिक होनहार छात्र-छात्राओं ने तंग आकर खुदकुशी कर ली है। लेकिन, सत्ता के नशे में चूर देश के प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को न तो इन परिवारों का दर्द महसूस हो रहा है और न ही युवाओं के आक्रोश की गूंज सुनाई दे रही है। प्रधानमंत्री इन गंभीर हालातों से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठे हैं।

सरकारी रिकॉर्ड्स का हवाला देते हुए श्री यादव ने बताया कि वर्ष 2014 से लेकर अब तक देश में विभिन्न महत्वपूर्ण परीक्षाओं के 152 पेपर लीक हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक फैली इस बीमारी से करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद आज तक किसी भी बड़े दोषी को सजा नहीं मिल सकी है और न ही सरकार ने इस पर कोई जवाबदेही तय की है। नीट परीक्षा के पेपर लीक के बाद जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, सरकार के किसी नुमाइंदे ने उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल तक जानने की जहमत नहीं उठाई।

प्रदीप यादव ने कहा कि हर साल करोड़ों छात्र दिन-रात 8 से 10 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन यह भ्रष्ट व्यवस्था उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर देती है। दिल्ली में बैठी भाजपा सरकार को छात्रों के भविष्य की तनिक भी चिंता नहीं है। उनकी एकमात्र प्राथमिकता यह है कि कैसे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसे देश के बड़े शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अपने विचारधारा के लोगों को बिठाया जाए।

उन्होंने कहा कि देश और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्रों के इस दर्द को समझा है और उनकी आवाज को बुलंद करने का काम किया है। देहरादून और राजस्थान में सरकार ने उनके कार्यक्रमों को रोकने और स्थान रद्द करने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन युवाओं का राहुल गांधी पर अटूट विश्वास है। राहुल जी ने साफ कर दिया है कि वे राजनीति करने नहीं, बल्कि शिक्षा जगत से भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था को खत्म कर छात्रों की इस लड़ाई को धार देने आए हैं। उनके इस आह्वान पर हजारों छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रमों में शिरकत की है।

इससे पहले छात्रों की गूंज कार्यक्रम के संयोजक कुमार राजा ने बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान देश के 28 शहरों में 40 दिनों तक चलाया जा रहा है। इसके पहले और दूसरे सप्ताह के कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। इस अभियान के तहत छात्रों से संवाद, मैराथन दौड़, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई हैं। इसी कड़ी में आज मशाल जुलूस निकालकर छात्रों का संदेश सरकार तक पहुंचाया जा रहा है।

संवाददाता सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अभिलाष साहू, महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव और कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा भी उपस्थित थे।

21 जुलाई से भव्य वार्षिक सेल शुरू, 50 प्रतिशत तक की छूट का सुनहरा अवसर

रांची : खरीदारी के शौकीनों के लिए बड़ी खुशखबरी है। शहर के शू बाजार, ख्याति द बुटीक एवं अंश ज्वेलरी में मंगलवार, 21 जुलाई 2026 से भव्य वार्षिक सेल की शुरूआत हो रही है। इस विशेष सेल में ग्राहकों को चुनिंदा उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक की आकर्षक छूट का लाभ मिलेगा। फैशन, गुणवत्ता और किफायती कीमतों का यह विशेष आयोजन सीमित अवधि के लिए रहेगा। शू बाजार में पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए स्पोर्ट्स शूज, कैजुअल शूज, फॉर्मल शूज, सैंडल, चप्पल सहित प्रीमियम फुटवियर का विशाल संग्रह रियायती कीमतों पर उपलब्ध रहेगा। वहीं ख्याति द बुटीक में महिलाओं के लिए डिजाइनर साड़ियाँ, सूट, कुर्तियाँ, गाउन, ड्रेस मटेरियल, पार्टी वियर तथा नवीनतम फैशन परिधानों की विस्तृत श्रृंखला विशेष छूट के साथ ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। इसके अलावा अंश ज्वेलरी में आकर्षक कृत्रिम आभूषण, ब्राइडल कलेक्शन, नेकलेस सेट, झुमके, चूड़ियाँ, अंगूठियाँ एवं अन्य फैशनेबल आभूषणों पर भी शानदार रियायत दी जाएगी। ग्राहक अपनी पसंद के उत्पाद बेहतरीन गुणवत्ता और किफायती कीमतों में खरीद सकेंगे। आयोजकों के अनुसार यह सेल त्योहारों, शादी-विवाह, पारिवारिक समारोहों तथा दैनिक उपयोग की खरीदारी को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई है, ताकि ग्राहक एक ही स्थान पर अपनी सभी जरूरतों का सामान उचित मूल्य पर प्राप्त कर सकें।

युवाओं की भागीदारी से ही अल्पसंख्यकों के अधिकार होंगे मजबूत : आबिद अली

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : रांची जिला यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस के तत्वावधान में अंजुमन प्लाजा, मेन रोड, रांची स्थित सभागार में अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव अयूब अली ने की।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि एवं झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने कहा कि, हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने कई सराहनीय एवं जनहितकारी कार्य किए हैं, जिसका हम स्वागत करते हैं। किंतु अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे आज भी लंबित हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड का गठन, अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, मौलाना आजाद उर्दू-फारसी विश्वविद्यालय की स्थापना तथा अल्पसंख्यक आयोग एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर सरकार को अधिक गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। शिक्षा, संगठन और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता ही समाज की तरक्की का आधार है तथा युवाओं को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित मॉब लिंचिंग निरोधक कानून को शीघ्र लागू कर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाना चाहिए, ताकि सभी नागरिकों की सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव एवं कानून के शासन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद सगीर अंसारी ने कहा कि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं में गठित शासी निकायों को तत्काल निरस्त करने तथा परिषद की कार्यशैली की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। अध्यक्षीय संबोधन में अयूब अली ने युवाओं से शिक्षा, संगठन एवं संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने वारिस अंसारी को रांची जिला यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस का जिला अध्यक्ष तथा मोहम्मद आरिफ अंसारी को रांची महानगर यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस का महानगर अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की।

मानदेय को लेकर महिला होमगार्ड के रोने की घटना चिंताजनक, सरकार जवाब दे : राफिया नाज

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में ड्यूटी के दौरान पांच महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण एक महिला होमगार्ड के फूट-फूटकर रो पड़ने की घटना को झारखंड सरकार की संवेदनहीनता का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक महिला होमगार्ड की पीड़ा नहीं, बल्कि राज्य के हजारों होमगार्ड जवानों की बदहाल स्थिति को उजागर करती है।

रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में राफिया नाज ने कहा कि अस्पताल परिसर में महिला होमगार्ड ने यह कहते हुए अपनी व्यथा व्यक्त की कि यदि मानदेय नहीं मिला तो परिवार का गुजारा मुश्किल हो जाएगा। गंभीर बीमारी के बावजूद इलाज कराने में असमर्थता जताना इस बात का प्रमाण है कि सरकार अपने सुरक्षा कर्मियों की मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इसी महीने जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में मानदेय नहीं मिलने और आर्थिक तंगी से परेशान एक महिला होमगार्ड ने आत्महत्या का प्रयास किया गया था। इसके बावजूद सरकार ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार के लिए होमगार्ड जवानों का सम्मान और उनका जीवन प्राथमिकता में नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्ष 2024 में झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद सरकार ने होमगार्ड जवानों का दैनिक मानदेय बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में जवानों का भुगतान महीनों से लंबित है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि यदि न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जा रहा है, तो लंबित मानदेय का जिला-वार विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा।

राफिया नाज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने होमगार्ड जवानों को सेवा सुरक्षा, सम्मान और स्थायी रोजगार की दिशा में ठोस पहल का भरोसा दिया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि जवान अपने ही मेहनताने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। न उन्हें समय पर भुगतान मिल रहा है और न ही उनके भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट नीति बनाई गई है।

राफिया नाज ने कहा कि होमगार्ड जवानों की स्थिति राज्य सरकार की व्यापक प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर मंईयां सम्मान योजना में लाभार्थियों के नाम जोड़ने और हटाने को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर विधवा, दिव्यांग और वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी भी समय पर भुगतान नहीं मिलने से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग और होमगार्ड अपने अधिकारों के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है।

भाजपा प्रवक्ता ने मांग की कि सभी होमगार्ड जवानों का लंबित मानदेय तत्काल जारी किया जाए, न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप संशोधित मानदेय का नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए, होमगार्ड जवानों की सेवा सुरक्षा के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए और चुनाव के दौरान किए गए वादों को शीघ्र पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिस सरकार में वर्दी पहनकर राज्य की सुरक्षा करने वाला जवान अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए रोने को मजबूर हो जाए, उस सरकार के संवेदनशील होने के सभी दावे स्वतः समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जवाबदेही और न्याय चाहती है।

रांची में साइबरपीस ईस्पोर्ट्स लीग 9.0 संपन्न, सितंबर में होगी रु 2 लाख पुरस्कार राशि वाली नेशनल लीग 10.0

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा वर्ष 2027 में रियाद में पहले ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स के आयोजन की घोषणा के बाद ईस्पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। इसी दिशा में भारत में जिम्मेदार गेमिंग, साइबर सुरक्षा और डिजिटल जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइबरपीस ने रांची स्थित द लेवल 7, साइबरपीस कैफे में आयोजित साइबरपीस ईस्पोर्ट्स लीग (सीईएल) 9.0 का सफलतापूर्वक समापन किया। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली गेमर्स ने हिस्सा लिया और विजेता, उपविजेता तथा द्वितीय उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

यह टूर्नामेंट केवल प्रतिस्पर्धी गेमिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा, जिम्मेदार गेमिंग, निष्पक्ष खेल, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल लचीलेपन के प्रति भी जागरूक किया गया। आयोजन का उद्देश्य सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदार डिजिटल गेमिंग संस्कृति को बढ़ावा देना था। साइबरपीस की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शिवांगी रॉय ने कहा कि ओलंपिक मंच पर ईस्पोर्ट्स की मान्यता गेमिंग जगत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते ईस्पोर्ट्स के साथ साइबर सुरक्षा, डिजिटल विश्वास और जिम्मेदार गेमिंग की संस्कृति विकसित करना भी उतना ही जरूरी है। उनके अनुसार, साइबरपीस ईस्पोर्ट्स लीग के माध्यम से संगठन केवल बेहतर खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल नागरिक भी तैयार कर रहा है। इस अवसर पर साइबरपीस नेशनल ईस्पोर्ट्स लीग 10.0 की घोषणा भी की गई। यह प्रतियोगिता 19 और 20 सितंबर 2026 को रांची में आयोजित होगी, जिसमें आरएस2 लाख का पुरस्कार पूल रहेगा। इसमें देशभर के प्रमुख गेमर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, विश्वविद्यालयों और ईस्पोर्ट्स संगठनों के भाग लेने की उम्मीद है। साइबरपीस का लक्ष्य ईस्पोर्ट्स और साइबर सुरक्षा को साथ जोड़कर युवाओं को सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदार डिजिटल भविष्य के लिए तैयार करना है।

केसरवानी वैश्य सभा ने किया विश्रामपुर अनुमंडलीय थाना परिसर में पौधारोपण

देश प्राण संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू), 9 जुलाई : केसरवानी वैश्य सभा द्वारा विश्रामपुर अनुमंडलीय थाना परिसर में रविवार को पौधारोपण किया गया।

पौधारोपण की शुरूआत थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे,एसआई शैलभ कुमार व डॉ पतांजलि केशरी ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों ने थाना परिसर में कई फलदार,इमारती व औषधीय पौधा लगाया। थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है।

उन्होंने लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में एक भी पौधा लगाता है तो वृक्षों की संख्या करोड़ों में हो जायेगी। जिससे वातावरण स्वतः शुद्ध हो जायेगा। डॉ पतांजलि केशरी ने कहा कि पर्यावरण में आ रहे नकारात्मक बदलावों को पौधारोपण से ही रोका जा सकता है। मौके पर एसएआई श्याम राम, संजय कुमार दुबे,प्रदीप केशरी,राम लखन केशरी,संजय केशरी, राजेश प्रसाद केशरी, परमेश्वर केशरी,राकेश केशरी, राजू केशरी, आदित्य केशरी,दिनेश चंद्रवंशी, कौशल बक्सराय दूना,अनीस अंसारी आदि मौजूद थे।

ईटबांध में जमीनी विवाद ने लिया हिंसक रूप, दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज

हुसैनाबाद(पलामू),15 जुलाई : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ईटबांध गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में कई लोग घायल हो गए। यह घटना 17 जुलाई को बताई जा रही है। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए हुसैनाबाद थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच में जुट गई है।पहले पक्ष की ओर से कलावती देवी ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि उनके पति विनोद यादव खेत में भैंस चरा रहे थे। इसी दौरान रामप्रवेश यादव, सुरेंद्र यादव और वीरेंद्र यादव खेत की मेड़ काट रहे थे। विरोध करने पर रामप्रवेश यादव ने कथित तौर पर कुदाल से विनोद यादव के सिर पर हमला कर दिया, जबकि अन्य लोगों ने लाठी-डंडे से मारपीट की। घटना में गंभीर रूप से घायल विनोद यादव को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से रामप्रवेश यादव ने भी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वे अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी विनोद यादव, बैजनाथ यादव, अवधेश यादव, संतोष यादव, शंभु यादव, सुरेंद्र यादव और धर्मेंद्र यादव ने लाठी-डंडा एवं धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर हुसैनाबाद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ में जेएसएससी परीक्षा कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न

✦ परीक्षा केन्द्र निरीक्षण करने पहुंचे रामगढ़ डीसी और एसपी

देश प्राण संवाददाता

रामगढ़, 19 जुलाई : जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर जेएसएससी द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हुआ। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए थे। इसी क्रम में उपायुक्त ऋतुराज ने पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार के साथ जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर चल रही परीक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास, सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त केंद्र अधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से परीक्षा संचालन से संबंधित जानकारी ली तथा आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा का आयोजन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं कदाचार मुक्त वातावरण में कराया जाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने परीक्षा केंद्रों एवं आस पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय, पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए परीक्षा का सफलता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार सहित अन्य शामिल थे।

खबरकोना

ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंबेडकर पार्क के पास छापेमारी किया। छापेमारी में 24 वर्षीय राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से छह पुड़िया में बंद कूल 2.68 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद किया गया। राहुल कुमार पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले दर्ज है। इसकी जानकारी एसआई श्री राम शर्मा ने दी।

केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट ऑर्गेनाइजेशन ने आरोप लगा कर सात सदस्यों की सदस्यता समाप्त की

मेदिनीनगर : केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ऑर्गेनाइजेशन झारखंड की वार्षिक आमसभा में संगठन के सात सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। आमसभा में संबंधित मामले से जुड़े पत्राचार, नोटिस, उपलब्ध साक्ष्य और संगठन के पंजीकृत संविधान के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा के बाद बहुमत से यह फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य व शासी निकाय सदस्य सतीश कुमार तिवारी ने की। प्रदेश सचिव रमेश कुमार शुक्ला ने पूरे घटनाक्रम, नोटिस और उपलब्ध प्रमाण आमसभा के समक्ष प्रस्तुत किए।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संबंधित सदस्यों पर वित्तीय अनियमितता, संगठनात्मक अनुशासनहीनता, निलंबन के बावजूद समानांतर गतिविधियां संचालित करने, संगठन के बैंक खाते के संचालन को प्रभावित करने का प्रयास तथा संविधान में स्पष्ट अधिकार नहीं होने के बावजूद सचिव के अधिकार समाप्त करने और कार्रवाई की घोषणाएं करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।आमसभा ने सभी तथ्यों और दस्तावेजों पर विचार करने के बाद जिन सातों सदस्यों की सदस्यता समाप्त की गई है। उनमें पूर्व अध्यक्ष मृत्युंजय शर्मा पूर्व कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल अमिताभ मिश्रा विपुल भूषण पवन कुमार जितेंद्र कुमार प्रिंस कुमार सभी पूर्व कार्यकारी सदस्य रहे हैं।

प्रवीण तिवारी की निर्देशित फिल्म *बाज इन बिहार* का प्रदर्शन 26 मई को मेदिनीनगर में किया जाएगा

मेदिनीनगर : बाज इन स्टेट के निर्माता प्रवीण तिवारी ने आज एक स्थानीय होटल में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी की डाल्टनगंज के मोहन सिनेमा हॉल में बाज इन स्टेट का प्रदर्शन 24 जुलाई 2026 को किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान तिवारी ने कहा कि फिल्म बिहार में शराबबंदी को लेकर बनाई गई है। शराबबंदी के बाद भी कैसे कम पढ़े-लिखे बेरोजगार युवक शराब व्यवसाय से जुड़कर अपना लोगों का जीवन बर्बाद कर रहे हैं। इस पिक्चर के माध्यम से समाज को नशाखोरी से होने वाले नुकसान को दिखाया गया है। तिवारी ने कहा कि इस फिल्म के सभी कलाकार पलामू जिला के हैं और इस फिल्म की पूरी शूटिंग पलामू, लातेहार के अधिकांश हिस्सों में की गई है। कुछ भाग की शूटिंग बिहार के औरंगाबाद जिले में भी की गई है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों की चर्चा करते हुए कहा कि पलामू के कलाकार की एक्टिंग काफी सराहनीय एवम उत्कृष्ट है। अगर इन्हें मौका मिले यह नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। प्रेस वार्ता में डायरेक्टर प्रवीण तिवारी के अलावा प्रोड्यूसर नवीन तिवारी, असिस्टेंट डायरेक्टर आयुष सहाय सहित फिल्में काम करनेवाले कई कलाकार एवं स्टाफ भी उपस्थित थे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस : रामदेव यादव

मेदिनीनगर : पलामू जिला कांग्रेस कमिटी के जिला संगठन प्रभारी रामदेव यादव ने सुआ गांव का दौरा कर ग्रामीणों के साथ संवाद किया तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि सभी पात्र मतदाता समय पर अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे।रामदेव यादव ने कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना संवैधानिक अधिकार और लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। कांग्रेस गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही है ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों ने पहले ही आम जनता को महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से जूझने पर मजबूर कर दिया है। अब लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने की कोशिशें भी चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक को सजग रहकर अपने मताधिकार की रक्षा करनी होगी।

पलामू में नवपदस्थापित ट्रैफिक इंचार्ज रूद्रानंद सरस का किया गया अभिनंदन और स्वागत

देश प्राण संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू),19 जुलाई : पलामू के नवपदस्थापित ट्रैफिक इंचार्ज रूद्रानंद सरस का सम्मानपूर्वक अभिनंदन व स्वागत लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष व झारखंड प्रदेश डीजल ई-रिक्शा ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश महासचिव राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर राकेश कुमार सिंह ने माल्यार्पण कर पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिह्न भेंट कर रूद्रानंद सरस का स्वागत किया। साथ ही उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।मौके पर राकेश सिंह ने कहा कि उन सभी को पूर्ण विश्वास है कि ट्रैफिक प्रभारी रूद्रानंद सरस के नेतृत्व में पलामू की ट्रैफिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ व व्यवस्थित होगी। आम जनता को यातायात संबंधी समस्याओं से निश्चित रूप से राहत मिलेगी। पूर्व में भी उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसे पलामू की जनता कभी भूल नहीं सकती। उनके अनुभव, कार्यकुशलता व जनहितकारी सोच से जिले की यातायात व्यवस्था नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी नवपदस्थापित ट्रैफिक इंचार्ज को शुभकामनाएं दी व बेहतर कानून व्यवस्था व सुगम यातायात संचालन की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश डीजल ई- रिक्शा ऑटो चालक महासंघ के पलामू अध्यक्ष रमाकांत दुबे, मदन सिंह मंटू तिवारी, दीपक पासवान, रिंकू शुक्ला, मनजीत तिवारी, नरेश राम सहित कई उपस्थित थे।

ईशा देओल ने 'तिरंगा वाले' शौकत खान को किया सम्मानित मिला आइकॉनिक पर्सनालिटी ऑफ इंडिया 2026 अवार्ड

देश प्राण संवाददाता

गढ़वा,19 जुलाई : झारखंड के गढ़वा जिले के समाजसेवी और तिरंगा वाले के नाम से प्रसिद्ध शौकत खान को शनिवार शाम पटना के होटल ताज में आयोजित एक समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने आइकॉनिक पर्सनालिटी ऑफ इंडिया 2026 सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें नेशनल सोशल सर्विस एक्सीलेंस अवार्ड से भी नवाजा गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद शौकत खान ने इसे गढ़वा जिले की जनता, जरूरतमंदों की दुआओं और मीडिया के सहयोग को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके सामाजिक सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा।

उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक बीआईबी के डायरेक्टर आलोक सिंह, श्रीकांत सिंह और पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। शौकत खान पिछले 13 वर्षों से भारतीय सेना और शहीदों के सम्मान में ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान के तहत राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह का आयोजन करते आ रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से वे अब तक तीन लाख से अधिक लोगों को राष्ट्रीय ध्वज भेंट कर चुके हैं, जिसके कारण उन्हें तिरंगा वाले शौकत खान के नाम से देशभर में पहचान मिली। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उन्होंने गढ़वा में निःशुल्क कपड़ा बैंक, सत्तू बैंक, चावल बैंक और पुस्तक बैंक की स्थापना की। दावा किया जाता है कि पिछले दस वर्षों में इन पहलों के माध्यम से दस लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों की सहायता की गई है।

शौकत खान को अब तक देशभर में 200 से अधिक सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें झारखंड के राज्यपाल के हाथों आइकॉन ऑफ झारखंड सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। उनके सामाजिक कार्यों में उनके बेटे साजिद खान, पत्नी और बेटियों का भी महत्वपूर्ण योगदान बताया जाता है।

बिजली विभाग की लापरवाही से मिस्त्री की गई जान, शटडाउन के बाद भी चालू हुई 11 हजार वोल्ट लाइन

तरहसी (पलामू),19 जुलाई : पलामू जिल्द के तरहसी प्रखंड के सेलारी पंचायत अंतर्गत सुखरो टोला में शनिवार की शाम ट्रांसफार्मर मरम्मत कार्य के दौरान 11 हजार वोल्ट विद्युत लाइन में करंट प्रवाहित होने से बिजली मिस्त्री सत्येंद्र महतो (38) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने विद्युत विभाग के ग्रिड ऑपरेटरों पर गंभीर लापरवाही और जानबूझकर लाइन चालू करने का आरोप लगाते हुए दोषियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

मृतक सत्येंद्र महतो तरहसी थाना क्षेत्र के परसावां गांव के निवासी थे। स्वजनों के अनुसार, सुखरो टोला में ट्रांसफार्मर के ऊपर 11 हजार वोल्ट लाइन पर मरम्मत कार्य शुरू करने से पूर्व परसाई पावर सब-स्टेशन (पीएसएस) से शनिवार शाम करीब सात बजे विधिवत शटडाउन लिया गया था। शटडाउन मिलने के बाद ही सत्येंद्र महतो पोल पर चढ़कर मरम्मत कार्य कर रहे थे। इसी दौरान बिना शटडाउन वापस लिए अचानक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई, जिससे वे तेज करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के स्वजन सुधीर कुमार मेहता ने आरोप लगाया कि यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि बेहद गंभीर और संदिग्ध घटना है। उनका कहना है कि जब तक शटडाउन वापस नहीं किया गया था, तब तक लाइन चालू नहीं की जानी चाहिए थी। इसके बावजूद लाइन चालू कर दी गई, जिससे परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य असमय काल के गाल में समा गया। स्वजनों ने परसाई पीएसएस के ग्रिड ऑपरेटर अजय पासवान एवं अजीत महतो की भूमिका पर सवाल उठाते हुए दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने, मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी तथा उचित मुआवजा देने की मांग की है। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आक्रोश जताया।

डॉ. जे. शरण ने किया निःशुल्क शुगर एवं बीपी जांच शिविर का आयोजन

देश प्राण संवाददाता

मेदिनीनगर,19 जुलाई : जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत डॉ. जे. शरण जांच घर एवं स्कैनिंग सेंटर द्वारा प्रत्येक रविवार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क शुगर एवं ब्लड प्रेशर (बीपी) जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस पहल का उद्देश्य आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।इन शिविरों में शुगर एवं बीपी की जांच पूर्णतः निःशुल्क की जा रही है।

साथ ही उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की जा रही है। लोगों को यह भी बताया जा रहा है कि समय पर जांच और जागरूकता के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

इस जनसेवा अभियान के अंतर्गत अब तक गांधी मैदान, पुलिस लाइन, आंबेडकर पार्क, गायत्री मंदिर क्षेत्र, पहाड़ी मोहल्ला तथा जी.एल.ए. कॉलेज सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में आज सप्त मातृका देवी मंदिर, भट्ठी मोहल्ला में निःशुल्क शुगर एवं बीपी जांच शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

संस्थान की ओर से बताया गया कि यह अभियान पूर्णतः जनसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं निवारक स्वास्थ्य देखभाल को समर्पित है। भविष्य में भी प्रत्येक रविवार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं सेवाएं पहुंचाई जा सकें।

जपला रेलवे स्टेशन पर अज्ञात वृद्ध साधु की मौत

हुसैनाबाद(पलामू): हुसैनाबाद अनुमंडल अंतर्गत जपला रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार को एक अज्ञात वृद्ध साधु मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे प्रशासन ने तत्काल डालटनगंज जीआरपी को इसकी जानकारी दी। सूचना पर पहुंची जीआरपी की टीम ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त वृद्ध साधु पिछले कुछ समय से जपला रेलवे स्टेशन परिसर में ही रह रहे थे। वे आसपास के क्षेत्रों में भिक्षा मांगकर अपना जीवन-यापन करते थे। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर जब उन पर पड़ी तो वे मृत अवस्था में पड़े मिले। इसके बाद मामले की सूचना रेलवे प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हुआ और जीआरपी को बुलाया गया। रेल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया तथा पहचान कराने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

22 जुलाई को भाजयुमो का प्रस्तावित जेपीएससी कार्यालय घेराव कार्यक्रम को लेकर भाजयुमो की बैठक आयोजित

✦ रांची में 22 जुलाई को जेपीएससी कार्यालय घेराव में पलामू भाजयुमो की रहेगी बड़ी भागेदारी

देश प्राण संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू),19 जुलाई : रांची में 22 जुलाई को भाजयुमो का प्रस्तावित जेपीएससी कार्यालय घेराव को लेकर भाजयुमो पलामू के नेताओं व कार्यकताओं की बैठक रविवार को हुई। इसकी अध्यक्षता भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू के जिला अध्यक्ष डॉ विपुल गुप्ता ने की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यकताओं की भागीदारी, आवागमन, संगठनात्मक दायित्वों व विभिन्न मंडलों से अधिकाधिक संख्या में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला के सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से आह्वान किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में रांची पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। युवा वर्ग की अपेक्षाओं एवं प्रतियोगी छात्रों से जुड़े मुद्दों को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से उठाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संगठन ने सभी कार्यकताओं से अनुशासन, संगठन की गरिमा तथा शांतिपूर्ण सहभागिता बनाए रखने का आग्रह किया। सभी पदाधिकारियों ने 22 जुलाई के कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। साथ ही इसकी तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का निर्णय लिया।

मौके पर जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष विजयनंद पाठक, कार्यक्रम के जिला प्रभारी रघुवीर यादव, प्रदेश मंत्री विश्वजीत पाठक, प्रदेश आईटी सेल आशीष भारद्वाज, किसान मोर्चा के कार्यक्रम समन्वयक जितेंद्र तिवारी, युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रियरंजन शर्मा, जिला महामंत्री अजय सिंह, लाल यादव, नितेश सिंह, गोपाल सोनी, रंजीत पासवान, राजीव रंजन, प्रधान सक्सेना, प्रकाश राय, सैकड़ों की संख्या में या मोर्चा के कार्यकर्ता साथी उपस्थित थे ।

खुरपका-मुंहपका से बचाव को निःशुल्क टीकाकरण अभियान शुरू

हैदरनगर (पलामू): हैदरनगर प्रखंड के मोकहर कला पंचायत में पशुपालन विभाग द्वारा खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से बचाव के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्घाटन पंचायत की मुखिया नाजमा खातून ने किया। इस अवसर पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह राजपूत, एआई चिकित्सक संतन यादव, मैत्री अनुज कुमार सिंह ने पशुपालकों को अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि खुरपका-मुंहपका एक अत्यंत संक्रामक रोग है, जिससे गाय एवं भैंस जैसे दुधारू पशुओं को गंभीर नुकसान हो सकता है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर निःशुल्क टीकाकरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम गांव-गांव और घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण कर रही है। सरकार के नए डिजिटल प्रावधान के तहत टीकाकरण से पहले पशु के कान में टैग होना अनिवार्य है।

अजय कुमार मिश्रा गिरिडीह जिला राजीव गांधी विचार समिति के जिलाध्यक्ष मनोनीत

मेदिनीनगर,19 जुलाई: झारखंड प्रदेश राजीव गांधी विचार समिति के अध्यक्ष हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट ने वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेस विचारधारा के प्रतिबद्ध कार्यकर्ता अजय कुमार मिश्रा को राजीव गांधी विचार समिति, गिरिडीह जिला का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर उन्हें विधिवत मनोनयन-पत्र प्रदान किया गया। मनोनयन के अवसर पर श्री मिश्र ने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के विचार, नैतिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और लोकतांत्रिक मूल्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि अजय कुमार मिश्रा लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं तथा जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संगठनात्मक क्षमता और कर्मठता उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए उपयुक्त बनाती है। मिश्र ने विश्वास व्यक्त किया कि अजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गिरिडीह जिला इकाई राजीव गांधी के प्रगतिशील विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ शिक्षा, सामाजिक समरसता, युवा जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनकल्याण से जुड़े रचनात्मक कार्यक्रमों को नई गति देगी तथा संगठन को मजबूत आधार प्रदान करेगी।

राजद का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न, श्रम मंत्री ने लिया भाग, संगठन की मजबूती पर विचार-विमर्श

लातेहार,19 जुलाई: रविवार को जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन रोड में अवस्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन एवं कौशल विकास मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि लातेहार जिले में राजद का जनाधार प्रारंभ से ही और वर्तमान में संगठन का जनाधार लगातार तेजी से बढ़ रहा है. उन्?होने कहा कि कार्यकताओं की लंबे समय से यह इच्छा रही है कि लातेहार सीट पर राजद अपने चुनाव चिह्न पर प्रत्याशी मैदान में उतारे. उन्होंने कार्यकताओं की भावना से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराने का भरोसा दिलाया. कार्यकताओं ने एक स्वर में आगामी विधानसभा चुनाव में लातेहार विधानसभा सीट से राजद का अधिकृत प्रत्याशी उतारने की मांग रखी. देवघर विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है. विश्रामपुर विधायक नरेश सिंह ने कहा कि राजद सामाजिक न्याय, गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी है और कार्यकताओं की मेहनत से संगठन लगातार मजबूत हो रहा है. पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का आह्वान किया. महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रश्मि प्रकाश ने कार्यकताओं से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

केवा आयुर्वेदिक केंद्र का शुभारंभ, 200 से अधिक ग्रामीण हुए शामिल

स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्थानीय रोजगार सृजन पर दिया गया जोर

✦ केवा आयुर्वेद एवं ग्लोबल ह्यूमन राइट्स वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित

देश प्राण संवाददाता

हजारीबाग,19 जुलाई: केवा आयुर्वेद एवं ग्लोबल ह्यूमन राइट्स वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से बोकारो जिले के बहादुरपुर में केवा पवन आयुर्वेदिक केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता शहादत अंसारी उपस्थित रहे। वहीं हेल्थ ट्रेनर अविनाश भारती ने आयुर्वेद के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा रोगों से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विवेक कुमार मिश्रा, पवन ठाकुर, जमाल वारिस, कुर्बान अंसारी, डॉ. जमाल, शिव सिंह, इलियास अंसारी, नौशाद अंसारी, लक्ष्मी देवी, मीना देवी, उषा देवी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 200 से अधिक ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेकर आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

आयुर्वेदिक केंद्र के संचालक पवन जी ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का स्वागत करते हुए कहा कि इस केंद्र के माध्यम से लोगों को बेहतर आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परामर्श और सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भी पूरे उत्साह के साथ आयुर्वेद के प्रति अपनी रुचि दिखाई और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की।

वक्ताओं ने कहा कि संस्था का उद्देश्य स्वस्थ भारत मिशन को जन-जन तक पहुंचाना है। इसी लक्ष्य के तहत देश के प्रत्येक पंचायत, गांव, प्रखंड, जिला एवं राज्य में केवा आयुर्वेदिक क्लिनिक एवं सप्लाई सेंटर स्थापित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। साथ ही युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, पैर टूटा

बड़कागांव: थाना क्षेत्र में अज्ञात चार पहिया वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान विनय कुमार (पिता- भुनेश्वर राम), निवासी सोनबरसा गांव के रूप में हुई है। वह एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना से विस्थापित गांव सोनबरसा का निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनय कुमार अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने घर आर एन्ड आर कॉलोनी ढेंगा बड़कागांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अम्बे माइन के समीप लंगातु पुल के पास एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनके दाहिने पैर में गंभीर चोट लगी और पैर टूट गया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सदर अस्पताल) पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों द्वारा आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज के कैंटीन इंचार्ज का संदिग्ध हालत में मिला शव, दो दिन में दूसरी मौत, शहर में सनसनी

हजारीबाग: हजारीबाग में लगातार दो दिनों के भीतर हुई दो संदिग्ध मौतों ने पूरे शहर को दहला कर रख दिया है। ताजा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित डेंटल कॉलेज का है, जहाँ कैंटीन इंचार्ज की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 38 वर्षीय विकास कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के दैहर थाना अंतर्गत भुसावल गांव का निवासी था। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह डेंटल कॉलेज डेमोटांड़ प्रबंधन को कैंटीन इंचार्ज के कमरे में शव होने की सूचना मिली। आनन-फानन में इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। करीब 11 बजे सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।घटनास्थल का बारीकी से मुआयना करने के बाद थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर गहराई से जांच कर रही है। फिलहाल कॉलेज प्रबंधन और मृतक के करीबी लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि मौत के असली कारणों का खुलासा हो सके। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

खबर कोना

छात्रा तन्वी उपाध्याय ने नीट (यूजी) 2026 परीक्षा में पाई सफलता

हजारीबाग: सीबीएसई से संबद्ध जैक एंड जिल स्कूल, हजारीबाग की पूर्व छात्रा तन्वी उपाध्याय, पुत्री दिनेश उपाध्याय, ने प्रतिष्ठित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विद्यालय, अपने परिवार तथा पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है। तन्वी उपाध्याय ने सत्र 2022-24 के दौरान जैक एंड जिल स्कूल में पढ़ाई की। अपनी मेहनत, लगन और लगातार प्रयास के दम पर उन्होंने यह सफलता हासिल की है। उनकी यह उपलब्धि विद्यालय में मिलने वाली अच्छी शिक्षा, अनुशासित वातावरण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। विद्यालय के निदेशक ने तन्वी को बधाई देते हुए कहा, तन्वी उपाध्याय की सफलता यह सिद्ध करती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हमें अपनी इस प्रतिभाशाली छात्रा पर गर्व है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि वह चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ देकर समाज का नाम रोशन करेगी। विद्यालय के सचिव ने अपने संदेश में कहा, तन्वी की यह उपलब्धि वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जैक एंड जिल स्कूल सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों और उत्कृष्ट परिणामों के लिए प्रतिबद्ध रहा है। पूर्व में भी हमारे विद्यार्थीयों ने विद्यालय का नाम रौशन किया है और भविष्य में भी विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहेंगे। जैक एंड जिल स्कूल परिवार की ओर से तन्वी उपाध्याय एवं उनके अभिभावकों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल चिकित्सकीय जीवन एवं निरंतर प्रगति की कामना की गई।

मुर्गी फार्म में बिजली चोरी पकड़ाई, 53 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना, प्राथमिकी दर्ज

हुसैनाबाद(पलामू): हुसैनाबाद में बिजली विभाग की टीम ने बिजली चोरी रोकथाम अभियान के तहत एक मुर्गी फार्म में छापेमारी कर बिजली चोरी का मामला पकड़ा है। मामले में विभाग ने 53,538 रुपये का जुर्माना लगाते हुए हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कनीय विद्युत अभियंता सुधीर बांडो द्वारा हुसैनाबाद थाना में दिए गए आवेदन के अनुसार, सहायक विद्युत अभियंता राम प्रसाद महतो के नेतृत्व में विभागीय टीम ने जपला स्थित चिक टोली, गुलाबा स्टेडियम के समीप सैयद काजिम हसनैन जयदी के व्यावसायिक परिसर (मुर्गी फार्म) का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि परिसर में बिना वैध विद्युत कनेक्शन एवं बिना अधिकृत मीटर के मुख्य एलटी लाइन में पीवीसी तार जोड़कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था।निरीक्षण के दौरान परिसर में लगा मीटर संख्या 1819906 (इंडोटेक) उपभोक्ता संख्या बीएचटी22 के नाम पर दर्ज मिला, जिसे विभाग ने संबंधित परिसर के लिए अमान्य बताते हुए बिजली चोरी का मामला दर्ज किया है। बिजली विभाग के अनुसार अवैध रूप से बिजली उपयोग किए जाने से झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को 53,538 रुपये की राजस्व क्षति हुई है। इसी राशि का आर्थिक दंड आरोपित करते हुए भारतीय विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत आरोपी के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। छापेमारी दल में सहायक विद्युत अभियंता राम प्रसाद महतो, कनीय विद्युत अभियंता सुधीर बांडो, संतोष कुमार सिंह, राजकुमार यादव, बबन कुमार एवं अशोक कुमार मेहता सहित विभाग के मानव दिवस कर्मी शामिल थे।

मेदिनीनगर जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा छह में नामांकन को लेकर 31 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिले के मेधावी व आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्र-छात्राओं के लिए गुणवत्तापूर्ण व निशुल्क आवासीय शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। मेदिनीनगर के जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6 में नामांकन के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा -2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक व पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उक्त जानकारी देते हुए विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस वर्ष अधिक से अधिक विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों व बालिकाओं के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में जिले के सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना अपने बच्चों का आवेदन शीघ्र पूरा कर लें।चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026 को किया जाएगा। परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा-6 में प्रवेश मिलेगा। यहां विद्यार्थियों को निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रावास, भोजन, पुस्तकें, गणवेश व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। ऑनलाइन आवेदन https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs/ www.navodaya.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन ने जिले के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे इस जानकारी को अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचाएं। इससे कोई भी पात्र एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल जानकारी के अभाव में इस अवसर से वंचित न रह जाए।

ईटखोरी में 60 लाख के जेवरात चोरी का उद्भेदन, उड़ीसा के गुलगुलिया गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

देश प्राण संवाददाता

चतरा, 19 जुलाई: इटखोरी बाजार में 12 जुलाई को ज्वेलरी व्यवसायी दिलीप सोनी की बाइक की डिक्की से करीब 60 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चोरी करने के मामले का चतरा पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में उड़ीसा के जाखापुर थाना क्षेत्र के दशमनिया गांव निवासी दीपक प्रधान को गिरफ्तार किया है, जो कुख्यात गुलगुलिया गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया गया है।

पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपी दीपक प्रधान का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी चोरी, छिनतई तथा बाइक की डिक्की से सामान उड़ाने की कई घटनाओं में शामिल रहा है। प्रारंभिक जांच में उसके चतरा जिले के पत्थलगड़ा और जोरी थाना क्षेत्र में भी ज्वेलरी कारोबारियों को निशाना बनाने की बात सामने आई है।

एसपी ने बताया कि आरोपी ने वारदात से पहले कई दिनों तक व्यवसायी की दुकान की रेकी की। वह ग्राहक बनकर दुकान पहुंचा और सस्ते दाम पर चोरी का सोना बेचने का झांसा देकर व्यवसायी की गतिविधियों, आने-जाने के समय और जेवरात ले जाने के तरीके की पूरी जानकारी जुटाई। इसके बाद सुनियोजित ढंग से बाइक की डिक्की से लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए।

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह का सरगना उड़ीसा का आकाश प्रधान है, जो गिरोह के सदस्यों को अपराध करने के लिए मासिक भुगतान करता था। गिरोह के युवकों को हैदराबाद में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था, जहां उन्हें बिना नुकसान पहुंचाए बाइक और कार की डिक्की खोलने, रेकी करने, भीड़ में पहचान छिपाने और वारदात के बाद तेजी से फरार होने की तकनीक सिखाई जाती थी। प्रशिक्षण के बाद उन्हें विभिन्न राज्यों में सक्रिय किया जाता था।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से चांदी जैसे पांच जोड़ी पायल, दो जोड़ी बिछिया, दो स्मार्टफोन, बिना नंबर प्लेट की टीवीएस अपाचे-160 मोटर साइकिल तथा एक काले रंग की पल्सर बाइक बरामद की है। छापेमारी अभियान का नेतृत्व इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने किया, जिसमें थाना पुलिस, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है : हर्ष

देश प्राण संवाददाता

हजारीबाग, 19 जुलाई: शहर के इमली कोठी स्थित एचजेडबी आरोग्यम कुणाल महिला एवं बाल चिकित्सालय द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को आधुनिक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को आयोजित निःशुल्क महिला एवं बाल स्वास्थ्य शिविर में लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस शिविर में 120 महिलाओं एवं 150 से अधिक बच्चों सहित कुल 270 मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्राप्त किया।

शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रीमा वर्मा एवं डॉ. एस. कुमारी ने महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य, मासिक धर्म संबंधी समस्याओं, हार्मोनल असंतुलन, एनीमिया, हड्डियों के स्वास्थ्य, संक्रमण, रजोनिवृत्ति से जुड़ी समस्याओं तथा अन्य स्त्री रोगों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

वहीं बाल रोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ डॉ. डी. के. गुप्ता एवं डॉ. प्रकाश चंद्र ने बच्चों के पोषण, शारीरिक एवं मानसिक विकास, टीकाकरण, मौसमी बीमारियों और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर अभिभावकों को आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। शिविर के दौरान चिकित्सकों ने महिलाओं एवं बच्चों में समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर विशेष जोर देते हुए स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, स्वच्छता और बीमारी की समय पर पहचान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक किया। जिन मरीजों को विस्तृत जांच अथवा आगे उपचार की आवश्यकता थी, उन्हें अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी गई।स्वास्थ्य शिविर में शामिल सभी मरीजों के लिए अस्पताल द्वारा सभीपैथोलॉजी जांचों पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि एक स्वस्थ समाज की आधारशिला स्वस्थ महिलाएं और स्वस्थ बच्चे हैं। हमारा उद्देश्य केवल उपचार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना भी है।

पुंदौल गांव में ताला तोड़कर होटल में की गई चोरी

बड़कागांव: बड़कागांव थाना क्षेत्र के चंदौल पंचायत अंतर्गत पुंदौल स्थित बड़कीबागी पैक्स गोदाम के सामने कन्हैया कुमार प्रजापति के होटल में बीती रात तोड़कर चोरी कर देने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में मुक्त भोगी कन्हैया कुमार प्रजापति ने बड़कागांव थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि मेरा दुकान बड़की बागी पैक्स गोदाम के सामने होटल है जिसमें रात्रि को अज्ञात चोरों के द्वारा दरवाजा तोड़कर दुकान की सारी सामान ले गया। सामग्री चोरी में डेढ़ पेटी रिफाइंड तेल, 10 केजी बेसन, एक पेटी थम्सअप, मिक्चर बिस्किट आदि सामान शामिल है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पंचायत समिति सदस्य सुनीता देवी घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जायजा ली एवं प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है।

विश्वकर्मा शिल्पकार मेला से समाज में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : विकास राणा

देश प्राण संवाददाता

हजारीबाग, 19 जुलाई: झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कमेटी के द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक दिनाँक 19 जुलाई 2026 दिन रविवार को स्थानीय विधानसभा सभागार, राँची में आयोजित किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने किया तथा मंच संचालन प्रदेश प्रधान महासचिव संतन शर्मा ने किया।

इस कार्यक्रम में झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य 24 जिला के जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, जिला कोषाध्यक्ष सहित विश्वकर्मा समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि राज्य स्तरीय विश्वकर्मा शिल्पकार मेला 20 सितम्बर से 24 सितम्बर 2026 (पाँच दिवसीय) को राँची के हरमू मैदान में आयोजित किया जायेगा। झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज द्वारा एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य सभी जिला मुख्यालय में जिला सम्मलेन का आयोजन का निर्णय झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा राज्य स्तरीय विश्वकर्मा शिल्पकार मेला 20 सितम्बर से 24 सितम्बर 2026 (पाँच दिवसीय) को राँची के हरमू मैदान में आयोजित किया जायेगा जिसमें विश्वकर्मा समाज के पेशे एवं रोजगार से जुड़े सभी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा इससे विश्वकर्मा समाज के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

झारखण्ड के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाकर एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोगों को राजनीति में आगे आने की जरुरत है।

सड़क हादसा, बाइक-ट्रक की टक्कर में तीन घायल

गोला: रामगढ़ बोकारो मार्ग के मुख्य पथ पर ग्राम तोयर के समीप दशरथ चौक के पास शनिवार देर रात को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। तेज रफ्तार ट्रक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार उदय मांझी, मंगल मांझी तथा एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी गोला पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जाता है कि सभी घायल चोकाद पंचायत के फुलझरिया गांव के निवासी हैं।

विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर हुआ कार्यक्रम

विधायक ने भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बीएलओ के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

✦ बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं त्रुटिरहित अद्यतन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई

देश प्राण संवाददाता

हजारीबाग, 19 जुलाई: झारखंड में चल रहे विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आज हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने विधायक जनसेवा कार्यालय में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और सभी बूथ लेवल अधिकारियों बी एल ओ के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं त्रुटिरहित अद्यतन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सभी को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नामों का निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार विलोपन किया जाए।

उन्होंने सभी बी एल ओ एवं संबंधित अधिकारियों से पूर्ण समर्पण, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने का आग्रह करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी के संयुक्त प्रयासों से विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान सफल होगा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक सशक्त बनेगी।

होटल में संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर पहुंची पुलिस, युवक-युवती को लिया हिरासत में

हजारीबागः शहर के कनहरी रोड स्थित एक होटल में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर रविवार को स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध जताया। सूचना पर कोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और होटल के एक कमरे से एक युवक और युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाना ले गई। पुलिस होटल का रजिस्टर भी अपने साथ ले गई। घटना के दौरान होटल के बाहर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए और कार्रवाई की मांग करते रहे। स्थानीय निवासी वीरेंद्र प्रसाद मेहता ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। उनका आरोप है कि इससे पहले भी इसी होटल से स्थानीय लोगों की सूचना पर युवक-युवतियों को पकड़ा गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है और ऐसे मामलों से सामाजिक माहौल प्रभावित होता है।

सिंदवारी पंचायत भवन, आर एंड आर कॉलोनी में पुनर्निर्माण की उठी मांग

देश प्राण संवाददाता

बड़कागांव,19 जुलाई: एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के विस्तार के साथ ही कई गांवों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। परियोजना से सिंदवारी, सोनबरसा, चुरचू, नगड़ी, बरवाडीह एवं उरुब गांव के लोग पूर्ण रूप से विस्थापित हो चुके हैं। इन गांवों के ग्रामीण अब विभिन्न पुनर्वास स्थलों पर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं, लेकिन वर्षों पुरानी उनकी पहचान और प्रशासनिक अस्तित्व आज भी सिंदवारी पंचायत भवन से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में सिंदवारी पंचायत भवन उसी स्थान पर स्थित है, जो परियोजना विस्तार क्षेत्र में आने के कारण जल्द ही ध्वस्त कर दिया जाएगा। ऐसे में पंचायत भवन के समाप्त होने से विस्थापित ग्रामीणों के सामने अपनी पहचान, प्रशासनिक सुविधा और सामाजिक एकता को बचाए रखने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

इसी मुद्दे को लेकर रविवार को सिंदवारी पंचायत भवन परिसर में मुखिया भाग्यवंती देवी की अध्यक्षता तथा पंकज कुमार के संचालन में विस्थापित ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विस्थापित परिवारों के लोग शामिल हुए और पंचायत भवन के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि यदि पंचायत भवन का अस्तित्व समाप्त हो जाता है तो इस पंचायत के विस्थापित लोगों को सरकारी योजनाओं, पंचायत स्तरीय कार्यों तथा विभिन्न प्रमाण-पत्रों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि वर्षों पुरानी इस पंचायत की पहचान भी समाप्त हो जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि सिंदवारी पंचायत से विस्थापित अधिकांश परिवार वर्तमान में आर एंड आर कॉलोनी ढेंगा एवं उसके आसपास पुनर्वासित हैं। ऐसे में पंचायत भवन का पुनर्निर्माण आर एंड आर कॉलोनी में कराया जाना सबसे उपयुक्त विकल्प होगा।

इससे पंचायत का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा तथा विस्थापितों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा। पंचायत कार्यालय से जुड़े कार्यों के लिए ग्रामीणों को दूर-दराज के क्षेत्रों का चक्कर लगाना पड़ सकता है। पंचायत से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होगी।

सुप्रीम फटकार

गाजियाबाद की चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को इलाज देने से इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर उच्चतम न्यायालय की तीखी टिप्पणी ने सभी देशवासियों का अपनी ओर ध्यान खींचा है। पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सामाजिक संवेदनशीलता पर ऐसे मामले सामने आने पर गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं। एक तरह से देखें तो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने जिस स्पष्टता से कहा कि 'यदि आपने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया तो अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने का कोई अधिकार नहीं है।' वह उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो अपने पेशे को केवल व्यवसाय समझ बैठे हैं या जो जिम्मेदारी उन्हें मिली है, उससे जुड़ा वह कार्य जिम्मेदारीपूर्वक पूर्ण करना नहीं चाहते।

इस घटना में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। परिजन उसे उपचार के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, किंतु दोनों ने भर्ती करने से मना कर दिया। जब तक बच्ची को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद यह भी सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने भी तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। जनाक्रोश के बाद मामला दर्ज हुआ और प्रारंभिक रिपोर्ट में पॉक्सो तथा भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं भी तत्काल नहीं जोड़ी गईं। अर्थात एक बच्ची के साथ अपराध होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और पुलिस, दोनों अपने प्रथम दायित्व का निर्वहन करने में विफल रहे। क्या देश में घटी ये घटना अपवाद है? यदि गहराई से देखें तो बिल्कुल नहीं, न जानें ऐसी कितनी ही घटनाएं हमारे समाज में घट रही हैं, तभी तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'क्राइम इन इंडिया-2023' रिपोर्ट देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के 4.45 लाख से अधिक मामले दर्ज होना बता रही है। अर्थात औसतन प्रतिदिन लगभग 1,220 महिलाएं किसी न किसी अपराध का शिकार होती हैं।

वहीं बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1.60 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट' (पॉक्सो अधिनियम) के अंतर्गत लगभग 65 हजार मामले शामिल थे। इसका अर्थ है कि औसतन हर दिन लगभग 175 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध दर्ज होते हैं। जिसमें यह संख्या तब है जब कि यौन अपराधों के अनेक मामले सामाजिक दबाव, भय और बदनामी की आशंका के कारण दर्ज ही नहीं हो पाते!

पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के बाद प्रत्येक पुलिस अधिकारी के लिए यौन अपराध की शिकायत तत्काल दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2013) में स्पष्ट कर चुका है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कानूनी दायित्व है। इसके बावजूद अनेक मामलों में पुलिस प्रारंभिक स्तर पर समझौते, दबाव या अनावश्यक जांच के नाम पर शिकायत दर्ज करने में देरी करती है तो निश्चित तौर पर इसमें पुलिस भी दोषी है। एक तरह से देखें तो गाजियाबाद की घटना में भी यही स्थिति सामने आई है, इसलिए ये घटना एक सबक है।

वास्तव में अब सरकारों को चाहिए कि वे नीतिगत सुधार के लिए आगे आएं। देश के सभी निजी अस्पतालों के लिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि वे यौन अपराध पीड़ितों के उपचार से इनकार करने पर जुर्माना भरेंगे। साथ ही लाइसेंस निलंबन और आपराधिक कार्रवाई का भी सामना करेंगे। प्रत्येक जिले में वन स्टॉप सेंटर की कार्यक्षमता बढ़ाए जाने की आवश्यकता ध्यान में आती है। देश में आज 1000 के अंदर नहीं 2000 से अधिक वन स्टॉप सेंटर की आवश्यकता है। इसी प्रकार एक जरूरत उन अधिकारियों या संस्थानों की लापरवाही के खिलाफ भी खड़े होने की है, जोकि इस तरह अपनी जिम्मेदारियों से भागनेवाला कार्य करते हैं। यहां यह भी समझें कि गाजियाबाद की यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें पूरे तंत्र की परतें खुलती हुई दिख रही हैं। ऐसे में उच्चतम न्यायालय ने डॉक्टरों को कठोर शब्दों में फटकार लगाकर स्पष्ट किया है कि चिकित्सा का पेशा वास्तव में सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। अब आवश्यकता इस संदेश के सार्वजनिक होने की है, ताकि अस्पतालों की कार्यसंस्कृति, पुलिस की प्राथमिक कार्रवाई, निगरानी आयोगों की सक्रियता और शासन की जवाबदेही का स्थायी आधार बने।

क्या शिक्षा सुधार की नई आवाज बनेंगे वांगचुक?

महेन्द्र तिवारी

सोनम वांगचुक का नाम भारत में केवल एक इंजीनियर, नवोन्मेषक या पर्यावरण कार्यकर्ता के रूप में नहीं जाना जाता, बल्कि ऐसे नागरिक के रूप में भी जाना जाता है जिसने शिक्षा, समाज और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है। वर्ष 2018 में उन्हें रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लद्दाख में शिक्षा सुधार के लिए उनके प्रयासों ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई और फिल्म '3 इडियट्स' का लोकप्रिय पात्र फुंसुख वांगडू भी काफी हद तक उनके व्यक्तित्व से प्रेरित माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने लद्दाख के पर्यावरण, स्थानीय संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े कई शांतिपूर्ण आंदोलन किए। अब

वांगचुक के आंदोलन को लेकर मतभेद भी कम नहीं हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह आंदोलन सीमित दायरे में रहा और इसे व्यापक जनसमर्थन नहीं मिला। कुछ आलोचक इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास भी करते हैं। वहीं समर्थकों का तर्क है कि किसी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ की संख्या से नहीं मापी जा सकती।

वे नई दिल्ली के जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। इसके बावजूद उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीर संवाद नहीं होता, तब तक वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

सोनम वांगचुक का यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे उन लाखों युवाओं की चिंता से जोड़कर देखा जा रहा है जो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते प्रश्नों ने विद्यार्थियों के बीच असुरक्षा और निराशा का वातावरण बनाया है। वांगचुक का कहना है कि यदि शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पर युवाओं का भरोसा कमजोर होगा तो देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। उनका आग्रह है कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी हो, जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और ऐसी संस्थागत व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उनका आंदोलन इन्हीं मुद्दों पर व्यापक जनचर्चा की मांग करता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में भूख हड़ताल का इतिहास नया नहीं है। महात्मा गांधी ने इसे नैतिक शक्ति और आत्मबल का माध्यम बनाया था। स्वतंत्र भारत में भी अनेक सामाजिक आंदोलनों ने इस पद्धति का उपयोग किया है। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर विभिन्न क्षेत्रीय आंदोलनों तक भूख हड़ताल ने समय-समय पर सरकारों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि प्रत्येक आंदोलन की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी आंदोलन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि अतीत में ऐसे आंदोलनों के क्या परिणाम रहे। प्रत्येक दौर की चुनौतियां भिन्न होती हैं और लोकतंत्र में नए प्रश्नों के लिए नए समाधान खोजने पड़ते हैं।

सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार से संवाद की अपील की है। कुछ नेताओं ने उनसे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अनशन समाप्त करने का आग्रह भी किया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर पहुंचकर उनसे मिले हैं। दूसरी ओर लेखकों, कलाकारों, फिल्मकारों और अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करते हुए सरकार और वांगचुक दोनों से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए यह उचित नहीं होगा कि एक सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता रहे और समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल न हो।

इस पूरे घटनाक्रम में मीडिया की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि मुख्यधारा के मीडिया ने इस आंदोलन को अपेक्षित महत्व नहीं दिया, जबकि अन्य का कहना है कि समाचार-पत्रों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर इसकी पर्याप्त चर्चा हुई है। वस्तुतः लोकतंत्र में मीडिया की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं, बल्कि समाज के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर संतुलित विमर्श प्रस्तुत करना भी है। शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और युवाओं के भविष्य जैसे विषय किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे विषयों पर तथ्यपरक और संतुलित चर्चा ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान होती है।

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। प्रत्येक वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इनमें से अनेक विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। यदि परीक्षा प्रणाली पर लगातार प्रश्न उठते हैं तो इसका सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं युवाओं के मनोबल पर पड़ता है। परीक्षा रद्द होने, पेपर लीक होने या भर्ती में देरी जैसी घटनाएं केवल प्रशासनिक समस्याएं नहीं होतीं बल्कि वे युवाओं के विश्वास को भी प्रभावित करती हैं। इसीलिए अनेक विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और संस्थागत जवाबदेही को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

वांगचुक के आंदोलन को लेकर मतभेद भी कम नहीं हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह आंदोलन सीमित दायरे में रहा और इसे व्यापक जनसमर्थन नहीं मिला। कुछ आलोचक इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास भी करते हैं। वहीं समर्थकों का तर्क है कि किसी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ की संख्या से नहीं मापी जा सकती। इतिहास में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जब छोटे समूहों द्वारा उठाए गए प्रश्नों ने आगे चलकर बड़े सामाजिक और नीतिगत परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह समर्थन और असहमति दोनों को सम्मानपूर्वक स्थान देता है।

इस संदर्भ में पर्यावरणविद जी डी अग्रवाल का उदाहरण भी कई बार सामने लाया जाता है। उन्होंने गंगा संरक्षण के लिए लंबा अनशन किया था और अंततः उनका निधन हो गया। उनके समर्थकों का मानना है कि उनकी कई महत्वपूर्ण मांगों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए कुछ लोग आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि कहीं सोनम वांगचुक के मामले में भी ऐसी दुःखद स्थिति उत्पन्न न हो। हालांकि प्रत्येक आंदोलन की परिस्थितियां अलग होती हैं और सरकार, न्यायपालिका तथा समाज की भूमिका भी समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए ऐसी तुलना करते समय सावधानी आवश्यक है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। जब किसी सामाजिक कार्यकर्ता की मांगें लाखों युवाओं की चिंताओं से जुड़ने लगें, तब सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत का मार्ग खुला रहना चाहिए। संवाद से ही समाधान निकलते हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत होता है। दूसरी ओर आंदोलनकारियों के लिए भी यह आवश्यक है कि वे अपने संघर्ष को शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में बनाए रखें। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सोनम वांगचुक लगातार अहिंसक आंदोलन, लोकतांत्रिक संवाद और संस्थागत सुधार की बात करते रहे हैं। उन्होंने आगामी दिनों में संसद मार्च की भी घोषणा की है ताकि शिक्षा सुधार और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रश्न राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती से उठाया जा सके।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सुधार एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। इसमें केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं बल्कि शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल सुरक्षा, भर्ती प्रक्रियाएं, प्रशासनिक पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही जैसे अनेक आयाम शामिल हैं। किसी एक आंदोलन से इन सभी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है, लेकिन ऐसे आंदोलन समाज और सरकार का ध्यान उन प्रश्नों की ओर अवश्य आकर्षित करते हैं जिन्हें लंबे समय तक अनदेखा किया जाता रहा हो। यदि इस अवसर का उपयोग व्यापक सुधारों के लिए किया जाए तो इसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिल सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि इस पूरे विषय को राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित न रखा जाए। छात्रों का भविष्य, शिक्षा की विश्वसनीयता और संस्थागत सुधार किसी एक दल या विचारधारा का विषय नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रश्न है। सरकार, विपक्ष, शिक्षाविद, विशेषज्ञ, छात्र संगठन और नागरिक समाज यदि मिलकर शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और उत्तरदायी बनाने की दिशा में काम करें तो यह आंदोलन सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन सकता है। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह शांतिपूर्ण असहमति को सुनने की क्षमता रखे और जनभावनाओं को नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़े।

भारत के बढ़ते कदम और ट्रंप का टैरिफ हथियार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व राजनीति में इन दिनों आर्थिक मोर्चे पर भी उतनी ही आक्रामक लड़ाई चल रही है, जितनी कि किसी युद्ध के मैदान की आवश्यकता रहती है। कभी प्रतिबंध, कभी तकनीकी नियंत्रण, कभी वित्तीय दबाव और अब टैरिफ, वस्तुतः ताकतवर देश हर आर्थिक हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ा उदाहरण हमारे सामने ब्राजील पर अमेरिका का अचानक 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाना है।

एक तरह से कहें तो यह उन सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है, जोकि अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करना चाहती हैं। भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है, इसलिए जो संभावना बन रही है, वह यही है कि अमेरिका ने जैसे सेक्शन-301 प्रावधानों का उपयोग कर ब्राजील की बड़ी अर्थव्यवस्था पर अपनी कार्रवाई की, वैसे ही वह भारत के साथ भी कर सकता है। अतः भारत को अपने भविष्य के संभावित आर्थिक दबावों के प्रति बहुत सतर्क रहने की जरूरत है।

यह तो अच्छा है जो आज का भारत बीस वर्ष पहले वाला नहीं है। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। वह ब्रिक्स का प्रभावशाली सदस्य है। इंडो-पैसिफिक में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हुई है। रूस से लेकर पश्चिम एशिया तक उसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित विदेश नीति अपनाई है। यही स्वायत्तता एक तरह से देखें तो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, किंतु यही कुछ महाशक्तियों की असहजता का कारण भी है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को देखें तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है, उनके लिए टैरिफ राजनीतिक और सामरिक दबाव का सबसे प्रभावी हथियार है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने चीन, कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय संघ और भारत सहित अनेक देशों पर टैरिफ लगाकर यह संकेत दिया था कि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है। ट्रंप स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से टैरिफ की प्रशंसा कर चुके हैं। इसलिए यदि भविष्य में उनकी सरकार फिर से कठोर व्यापारिक नीति अपनाती है, तो भारत को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उनमें यही दिखता है।

दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्पष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है।

भारत के संदर्भ में सबसे संवेदनशील एक विषय फिर रूस से कच्चे तेल की खरीद भी है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है। भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा और इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिला। अब अमेरिका में ऐसे प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है। भारत और चीन जैसे देश इस चर्चा के केंद्र में हैं। यह संकेत पर्याप्त है कि अमेरिका आर्थिक दबाव की नीति को आगे बढ़ाने के विकल्प खुले रखना चाहता है।

वैसे भी भारत आज विश्व की सबसे युवा कार्यशक्ति, विशाल घरेलू बाजार, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं और निरंतर बढ़ती वैश्विक साख के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे राष्ट्र की प्रगति को सिर्फ टैरिफ के सहारे लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता।

यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कई यूरोपीय देशों के लिए अलग दृष्टिकोण दिखाई देता है, जिसमें कि भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अब अकेले राजनीतिक कूटनीति से काम नहीं चलेगा, उसे अपनी आर्थिक कूटनीति को भी बहुत मजबूत बनाना होगा। यदि किसी एक देश का निर्णय भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है, तो इसका समाधान यही है कि भारत अपने निर्यात बाजार का तेजी से विस्तार करे, जैसा कि इन दिनों एफटीए के रूप में हम देख भी रहे हैं। फिर किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह एक बाजार पर निर्भर न रहे।

एक बार को यदि एतिहासिक संदर्भ में इस पूरे प्रकरण को देखें तो ध्यान में आता है कि बाहरी दबाव अकसर उन राष्ट्रों को और अधिक मजबूत बना देते हैं जो दूरदर्शिता के साथ अपनी नीतियां तय करते हैं। 1998 के परमाणु परीक्षण से लेकर कई बार के वैश्विक दबावों के उदाहरण हमारे सामने हैं। कहना होगा कि आज भी परिस्थितियां वैसी ही पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। यदि भविष्य में अमेरिका टैरिफ को दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है, तो भारत के सामने इसका सबसे बड़ा जवाब यही होगा कि वह अपनी आर्थिक क्षमता को और अधिक मजबूत बनाए।

वैसे भी भारत आज विश्व की सबसे युवा कार्यशक्ति, विशाल घरेलू बाजार, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं और निरंतर बढ़ती वैश्विक साख के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे राष्ट्र की प्रगति को सिर्फ टैरिफ के सहारे लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता। चुनौती अवश्य आएगी, इसलिए यह समय अपनी तैयारी का है। यदि भारत अपनी आर्थिक कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक व्यापारिक साझेदारियों को और मजबूत करता है, तो कोई भी बाहरी दबाव उसकी विकास यात्रा को रोक नहीं सकेगा। फिर संत तुलसीदास जी अपने रचित ग्रंथ रामचरितमानस के (बालकांड) में कह ही गए हैं-

सुभ अरु असुभ सलिल सब बहई।
सुरसरि कोउ अपुनीत न कहई॥
समरथ कहुँ नहिं दोषु गोसाईं।
रबि पावक सुरसरि की नाईं॥

इसका विस्तृत अर्थ यही है कि जिस प्रकार गंगाजी में पवित्र और अपवित्र (सभी तरह का) जल बहता है, फिर भी कोई गंगा को दूषित या अपवित्र नहीं कहता; सूर्य संसार की अच्छी-बुरी हर चीज को प्रकाशित करता है और अग्नि सभी चीजों को जलाकर भी स्वयं पवित्र रहती है, उसी प्रकार सामर्थ्यवान (समर्थ) व्यक्ति पर कोई दोष नहीं लगता।

आत्मबोध

कृष्ण का दिल

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं जिनसे जुड़ी मान्यताएं लोगों को हैरान कर देती हैं। इन्हीं में से एक है ओडिशा के पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर। इस मंदिर को चार धामों में से एक माना जाता है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। जगन्नाथ मंदिर सिर्फ अपनी भव्य रथयात्रा के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऐसी रहस्यमयी मान्यता के लिए भी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, जिसके अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का दिव्य हृदय आज भी भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा के भीतर सुरक्षित है। यह मान्यता सदियों से चली आ रही है और मंदिर की सबसे पवित्र परंपराओं में गिनी जाती है.

हालांकि इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन करोड़ों श्रद्धालु इसे अपनी अटूट आस्था का हिस्सा मानते हैं। यही कारण है कि हर बार नवकलेवर के दौरान इस दिव्य तत्व को लेकर विशेष धार्मिक प्रक्रिया पूरी की जाती है।

श्रीकृष्ण के हृदय से जुड़ी क्या है मान्यता

पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपना देह त्याग किया, तब उनका अंतिम संस्कार किया गया। कहा जाता है कि उनके शरीर का एक दिव्य भाग पूरी तरह अग्नि में नहीं जला। इसे भगवान का हृदय या ब्रह्म तत्व माना जाता है। आगे चलकर यही दिव्य तत्व पुरी पहुंचा और भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा के भीतर स्थापित किया गया। इस मान्यता का उल्लेख लोक कथाओं और धार्मिक परंपराओं में मिलता है, जिस पर आज भी श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है।

क्या होता है ब्रह्म पदार्थ

जगन्नाथ मंदिर की परंपरा में इस दिव्य तत्व को ब्रह्म पदार्थ या ब्रह्म तत्व कहा जाता है. इसकी वास्तविक प्रकृति क्या है, यह आज भी एक रहस्य बना हुआ है। इसे देखने या सार्वजनिक रूप से दिखाने की अनुमति किसी को नहीं होती। मंदिर की परंपराओं के अनुसार यह भगवान की दिव्य शक्ति का प्रतीक माना जाता है और इसे अत्यंत गोपनीय तरीके से सुरक्षित रखा जाता है। **(जारी)**

साभार : बीबीसी

लो सुनो ...

वांगचुक की मांगों पर चर्चा होनी चाहिए, जिन्हें दिल्ली पुलिस इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। सरकार को उनकी सहनशक्ति की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। उनकी मांगों पर हां या ना कहें, लेकिन बातचीत करने में क्या बुराई है?

अन्ना हजारे (सामाजिक कार्यकर्ता)

कुछ खास ...

वीकेंड मैरिज

वीकेंड मैरिज में कपल्स एक-दूसरे से प्यार करते हैं और शादीशुदा होते हैं, लेकिन शादी के बाद भी अलग-अलग घरों में रहते हैं। वीकेंड मैरिज में कपल्स एक साथ नहीं रहते हैं। इसमें कपल्स सिर्फ हफ्ते में सिर्फ वीकेंड के दो दिन यानी शनिवार और रविवार को साथ रहते हैं। इन दिनों में ही कपल्स साथ घूमते हैं, बातें करते हैं और रिश्ते को मजबूत करते हैं। वीकेंड मैरिज में कपल्स हर दिन साथ नहीं रहते हैं। इस मैरिज में कपल्स अपने करियर, दोस्तों और पर्सनल लाइफ को भी टाइम देते हैं। हालांकि वीकेंड मैरिज में कुछ कपल्स एक ही घर में रहते हैं, लेकिन फिर भी अपनी-अपनी जिंदगी अलग तरीके से जीते हैं। इस तरह के रिलेशनशिप को अलगाव की शादी भी कहा जाता है जिसमें कपल केवल वीकेंड पर मिलते हैं। आजकल की जनरेशन अपनी पर्सनल लाइफ और करियर को बहुत जरूरी मानते हैं. जिसमें कपल्स चाहते हैं कि शादी के साथ-साथ उन्हें खुद के लिए भी टाइम मिले। इसके चलते वीकेंड मैरिज को कई लोग काफी फॉलो कर रहे हैं। इस मैरिज का ट्रेंड धीरे-धीरे दुनियाभर के कई शहरों में आम होता जा रहा है।

डिजिटल दुनिया

पवन चंदना और नागा भरत ने रच दिया इतिहास

स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार को श्रीहरिकोटा स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारत का पहला निजी निर्मित कक्षीय रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च कर इतिहास रच दिया। यह निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में भारतीय कंपनी की बड़ी छलांग है। इस उपलब्धि के पीछे कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार चंदना और उनके दोस्त और नागा भरत डाका की मेहनत है।

पवन कुमार चंदना का जन्म 1991 में तेलंगाना के हैदराबाद में हुआ था। शुरूआत में वे गणित में इतने कमजोर थे कि स्कूल में मुश्किल से पास हुए थे। उनके पिता ने उन्हें निराश नहीं होने दिया। उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) प्रवेश परीक्षा के लिए कोचिंग में दाखिला दिलाया। चंदना ने अपने पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण की और 2007 में आईआईटी खड़गपुर में दाखिला लिया, जहां उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक-एमटेक की दोहरी डिग्री पूरी की। 2012 में चंदना ने कॉलेज से निकलते ही सीधे इसरो में नौकरी शुरू कर दी। वेतन मामूली था, लेकिन उन्हें काम इतना पसंद था कि उन्होंने अपना पूरा करियर वहीं बिताने का सपना देखा। चंदना ने 2018 में इसरो छोड़ दिया और जून, 2018 में स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना की।

स्थापना के 2 साल बाद जुलाई, 2020 में कंपनी ने रमन-1 का निर्माण और परीक्षण किया। जब भारत ने 2021 में अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला तो स्काईरूट सबसे पहले आगे आई। उसने इसरो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 18 नवंबर, 2022 को कंपनी ने विक्रम-एस लॉन्च किया, जो भारत का पहला निजी तौर पर निर्मित सबऑर्बिटल रॉकेट था। इसके पास देश की सबसे बड़ी रॉकेट निर्माण यूनिट है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या : 52413/1991 (टाइटल कोड : JHAHIN00860), पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या : RN/260/2020-22. अध्यक्ष व प्रधान संपादक: बलबीर दत्त. दत्त आउटरीच प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक रोहित दत्त* द्वारा 4/A, तारा टावर, होटल महाराजा के सामने, रेडियम रोड, कचहरी चौक, रांची – 834001 से प्रकाशित तथा एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के समीप, काठीटांड़, रातू, रांची – 835222 से मुद्रित. फोन नंबर: 0651 2361181, 0651 2361182. ईमेल: contact@deshpran.in (*पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार).

भाषा की राजनीति - राजनीति की भाषा

प्रश्न

विवेक रंजन श्रीवास्तव

शब्द को ब्रह्म कहा गया है। शब्द केवल ध्वनि नहीं रहे, वे मनुष्य की नियति लिखने लगे। सत्ता ने तलवार से पहले शब्दों पर अधिकार करना सीखा, क्योंकि तलवार शरीर को घायल करती है, शब्द चेतना को। इसलिए जहाँ भी राजनीति जन्म लेती है, वहाँ भाषा उसके सबसे विश्वसनीय सेनापति की तरह खड़ी दिखाई देती है। और जहाँ भाषा अपनी सहजता खो देती है, वहाँ समझ लेना चाहिए कि राजनीति ने उसकी उँगली थाम कर उसका दुरुपयोग करना शुरू कर दिया है।

भाषा किसी वृक्ष की तरह होती है। उसकी जड़ें लोक में होती हैं, तना संस्कृति में और शाखाएँ भविष्य की ओर फैलती हैं। राजनीति उस वृक्ष पर अपने झंडे बाँध देना चाहती है।

वह चाहती है कि हर पत्ता उसकी विचारधारा की दिशा में हिले, हर फूल उसकी विजय का रंग धारण करे। किंतु भाषा का स्वभाव हवा जैसा होता है । उसे बाँधा नहीं जा सकता। वह नदी की भांति ,अंततः उसी दिशा में बहती है जहाँ मनुष्य की साँस बची रहती है, जहाँ प्रवाह के लिए वांछित वैचारिक तथा भाषाई विस्तार की लोक व्यवहार की, उपयोगिता और संप्रेषण की संभावना की गहराई होती है।

राजनीति का पहला कौशल शब्दों के अर्थ बदलना है। वह पराजय को रणनीति, समझौते को दूरदर्शिता, विरोध को षड्यंत्र और प्रचार को जनमत कहने से भी नहीं हिचकती है। धीरे-धीरे शब्द अपने पुराने वस्त्र उतार देते हैं और नए अर्थों का परिधान पहन लेते हैं। शब्दकोश मौन रहता है, पर समाज का मानस बदल जाता है। यही राजनीति की सबसे सूक्ष्म विजय होती है। जब भाषा सच नहीं बोलती, बल्कि

सच का अभिनय करने लगती है।

चुनाव का मौसम वस्तुतः भाषा का सबसे बड़ा उत्सव नहीं, उसकी सबसे कठिन परीक्षा होता है। भाषा और क्षेत्रीयता की भावनाओं को हथियार बनाना राजनीति जानती है। विपक्ष के प्रति भद्दे शब्द, फूलों की वर्षा की तरह बरसाये जाते हैं। किंतु उनके भीतर जब तक काँटों का अनुशासन छिपा रहता है,वे लोक मर्यादित भाषा में रहे आते हैं। वादे कविता की तरह सुनाई देते हैं, आरोप व्यंग्य की तरह और घोषणाएँ भविष्यवाणी की तरह। जनता हर बार शब्दों की चमक में अपना कल खोजती है, जबकि राजनीति जानती है कि मतदाता की स्मृति क्षणिक होती हैं। इसलिए वह हर चुनाव में नई भाषा गढ़ती है, जैसे गिरगिट कामाफ्लाज कर अवसर के अनुरूप नया रंग धारण करता रहता है।

भाषा की अपनी भी राजनीति है। कोई भाषा राजभवनों तक पहुँच जाती है, कोई लोकगीतों में ही जीवन काट देती है। कोई बोली विद्यालय के द्वार पर ही ठिठक जाती है, तो कोई संसद के गलियारों में अधिकारपूर्वक चलती है। यह केवल व्याकरण का अंतर नहीं, सत्ता के लिए वोटो के वितरण का मानचित्र बनाया जाता है। भाषा का सम्मान दरअसल मनुष्य के सम्मान का दूसरा नाम है। जिस दिन किसी बोली को तुच्छ कहा जाता है, उसी दिन उसके बोलने वाले मनुष्यों की गरिमा भी घायल हो जाती है।

आज यह खेल और भी महीन हो गया है। पहले शब्द भाषणों से निकलते थे, अब वे स्क्रीन से फिसलते हैं। हैशटैग नए नारे हैं, मीम नए व्यंग्य और ट्रोल नई भीड़। सच और झूठ के बीच की दूरी अब शब्दों की नहीं, उनकी गति की हो गई है। जो पहले लोगों के दिलों दिमाग तक पहुँच जाता है, वही अक्सर सत्य मान लिया जाता है। इसलिए राजनीति होड़ करती है। भाषा अब बाजार भी है, युद्धभूमि भी और प्रयोगशाला भी, जहाँ हर दिन अर्थों के नए रसायन तैयार किए जा रहे हैं।

फिर भी राजनीति की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह भाषा का उपयोग तो कर सकती है, स्वामित्व नहीं पा सकती। समय सबसे कठोर संपादक है। वह भाषणों की चकाचौंध से चमकीले वाक्य मिटा देता है और केवल वही शब्द बचाकर रखता है जिनमें मनुष्य की करुणा, न्याय और सत्य की धड़कन होती है। इसी कारण इतिहास में असंख्य नारे धूल हो गए, पर कबीर की उलटबाँसियाँ, तुलसी की चौपाइयाँ, प्रेमचंद की भाषा और दिनकर का ओज आज भी जीवित हैं। साहित्य का शब्द संसार सत्ता के लिए नहीं, समय के लिए रचा जाता है।

वास्तव में भाषा और राजनीति का संबंध दर्पण और चेहरे जैसा है। राजनीति जितनी बार अपना चेहरा बदलती है, भाषा उतनी ही बार नया प्रतिबिंब रचती है। किंतु दर्पण की एक ईमानदारी होती है, वह अंततः चेहरा वैसा ही दिखा देता है जैसा वह है। इसलिए किसी राष्ट्र की असली शक्ति उसकी सेनाओं या संसदों से अधिक, उसकी भाषा की नैतिकता में निहित होती है। जिस दिन शब्द भय से मुक्त होकर सत्य का उच्चारण करने लगते हैं, उसी दिन लोकतंत्र का वास्तविक सूर्योदय होता है और जिस दिन भाषा केवल सत्ता की प्रतिध्वनि बनकर रह जाती है, उसी दिन सभ्यता का सांध्यकाल आरंभ हो जाता है। इसलिए साहित्यकार की समाज के प्रति जवाबदारी बहुत ज्यादा होती है।भाषा को राजनीति के गंदे खेल से बचाना केवल व्याकरण को बचाना नहीं, मनुष्य की स्वतंत्र आत्मा को बचाना है। (युवराज फीचर्स)

व्यंग्य

धंधा मंदा कीजिए

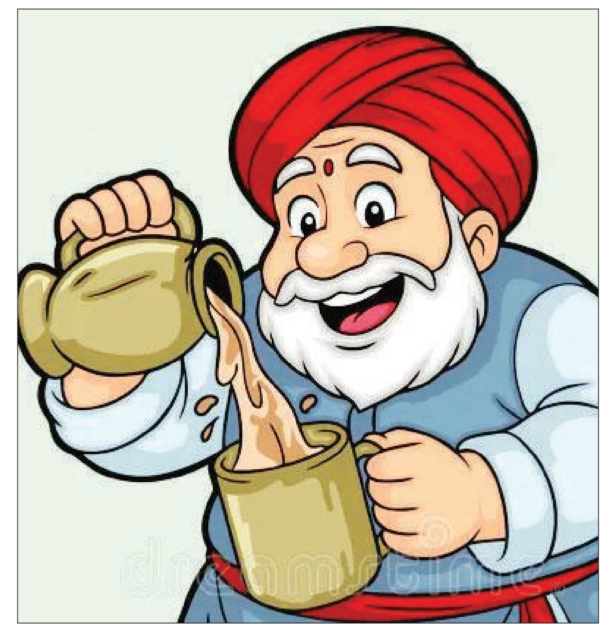

रहमत लाल इस क्षेत्र में लम्बे समय से सक्रिय हैं। ड्यूटी से आने के बाद वे शादी-विवाह कराने के सिलसिले मेंअक्सर इधर-उधर फेरी लगाकर सम्बन्ध जोड़ने का काम करते थे। इस काम में उन्हें महारत हासिल थी। हालाँकि इस काम में और लोग भी लगे थे, लेकिन रहमत लाल उन सब में सबसे अव्वल थे।

कारण यह था कि कुछ लोग जहाँ पैसे की माँग करते थे, ये पैसा नहीं लेते थे। इसी वजह से ये अपवाद थे और विवादों से हमेशा दूर रहते थे। सफलता की सीढ़ी चढ़ते हुए प्रतिष्ठा का आवरण ओढ़कर ये आगे बढ़ रहे थे। इन्होंने इस क्षेत्र में झूठ बोलकर रिश्ता जोड़ने जैसी कोई गलत हरकत कभी नहीं की। इसलिए इनके काम में बरकत होती रही। यानी अपने मिशन में ये हमेशा आगे बढ़ते रहे।

हर साल तकरीबन सौ से ज्यादा रिश्ते तय करके येआम जीवन में सफलता का परचम लहरा रहे थे। जबकि दूसरे लोगों का कहना था कि झूठ का सहारा लिए बिना गुजारा नहीं है। उनका तर्क था कि जब हम दूसरों का टेंशन अपने सिर पर लेकर चल रहे हैं,तो भूखे पेट भजन न होय गोपाला वाली तर्ज. पर पहले बढ़िया माल झटकना पड़ता है, तब जाकर बात आगे बढ़ती है।

अगर रिश्ता मन-मुताबिक न हुआ,तो कभी-कभी दोनों पक्षों की तरफ से बढ़िया पिटाई भी हो जाती थी। इसलिए कमाई के चक्कर में झट और पट का फॉमूर्ला अपनाकर दूसरे शिकार की तलाश करना और डोज लेकर आगे बढ़ना ही उनका काम था। अतः इस क्षेत्र में वे बढ़िया माल पीट रहे थे।

जबकि रहमत लाल बहुत ही ईमानदार और साफ-सुथरे चरित्र के स्वामी थे। समाज के नामी-गिरामी लोगों में उनका नाम शुमार था।ये जो शादी तय कराते, उल्टा इनके घर से हजार-दो हजार रुपए लग जाते थे। इसके लिए इन्हें तनिक भी मलाल नहीं होता था। जब दोनों तरफ से निमंत्रण-पत्र मिलता,तो उसमें उपहार के तौर पर जो मिलता वह अलग था।दोनों पार्टियां इन्हें जबरन पैसा देना चाहतीं, लेकिन ये नहीं लेते थे। इसलिए लोग कम से कम इतना जरूर कर देते कि इनका खर्च न हो।

शादी होने के बाद दोनों पक्षों की तरफ से शर्ट-पैंट का कपड़ा और मिठाई मिलती थी। कपड़ा आमतौर पर निमंत्रण वाला ही होता था। ऐसा नहीं कि मनपसंद कपड़ा दुकान से खरीदकर पैसा पार्टी दे। इक्के-दुक्के लोग ऐसा करते भी थे।

रहमत लाल उस तरह का कपड़ा नहीं सिलवाते थे, क्योंकि जितने का कपड़ा होता, उससे ज्यादा सिलाई में चला जाता। मोहल्ले वाले जब कपड़े के लिए कहते,तो वे हाथों-हाथ उसे लेकर फटाफट सिलवाकर पहन लेते थे। उन्हें लगता,चलो कपड़ा खरीदने की जहमत से तो राहत मिली।

रहमत लाल हर एंगल से सोच-समझकर,ठोक-पीटकर ही रिश्ता तय करवाते थे।फिर भी अपवाद में एक-दो मामले निकल ही जाते थे। जहाँ विवाद बढ़ता,तो दोनों पक्षों को बुलाकर सुलह कराने का भरसक प्रयास करते।लेकिन इतना करने के बावजूद कोई न कोई सुना ही देता था।

परिणाम ये होता कि कभी-कभी दोनों पक्ष आपस में न लड़कर रहमत लाल पर ही टूट पड़ते। एक तोअपना समय देकर रिश्ता तय कर रास्ता मुकम्मल किया,और उसमेंअगर कोई दोष आ जाए तो सारा दोष इन्हीं पर आ जाता।

यदि आपसी विवाद या मतभेद उभरे,तो संयम से सोच-समझकर सुलह करनी चाहिए।तीसरे के आने से वह कलह का रूप ले लेता हैऔर केस आगे बढ़ जाता है।इसमें जो सही भूमिका निभाता है,वही दोनों तरफ की बात सुनता हैऔर गालियां भी खाता है।एक ने ऐसा कह दिया-आप बिना पेंदे के लोटा हैं।ऐसा उन्हें दोनों तरफ से सुनना पड़ता था।

जब मैंने यह सुना तो कहा-आप इतना अच्छा नेक काम कर रहे हैं।काम के साथ-साथ समय और पैसाअपना खर्च कर दूसरों का टेंशन लेकर रिश्ता तय करवाते हैं,फिर भी बदनाम। तोआज से इस काम कोअंजाम देने पर विराम लगाइए। धंधा मंदा कीजिए अब।

जीवनदान

बाल कथा

डॉ अंजु वेद

तुषार की कॉलोनी के मुख्य गेट पर एक अधमरा-सा कुत्ता कोने में पड़ा था। कुत्ते की पीठ पर मक्खियाँ भिनभिना रही थीं। उसके कान स्थिर पड़े थे और पूँछ एकदम सुन्न, उसमें कोई हरकत नहीं थी। आने-जाने वालों को लग रहा था वह मर चुका है। किसी ने उसकी ओर नहीं देखा। तुषार दसवीं कक्षा में पढ़ता है और इसी कॉलोनी में रहता है। वह रोजाना इसी समय स्कूल से वापस आता है इसलिए गेट पर गार्ड और प्रतिदिन इस समय वहाँ से आने जाने वाले कुछ लोग उसे पहचानते हैं। स्कूल बस से उतरते ही उसकी नजर उस कुत्ते पर पड़ी। उसे माँ की सीख याद आई। माँ ने कहा था- कुत्तों से दूर रहना... आजकल कॉलोनी में इनकी संख्या बढ़ती जा रही है... इनसे बचकर निकल करो। तब भी उसके पाँव उस घायल कुत्ते के पास आकर रुक गए। उसकी साँस चल रही थी। तुषार ने अपनी पानी की बोतल का बचा हुआ पानी उसके मुँह पर छिड़क दिया। उसकी जीभ ने कुछ बूँदों को अंदर ले लिया। शायद उसे पानी की आवश्यकता थी।

उसकी गम्भीर हालत ने तुषार को विचलित कर दिया। मनुष्यों की तरह वह चीख नहीं पा रहा था। कराहते हुए भी थक गया था। उसे बहुत दर्द हो रहा होगा। यह दर्द कहाँ था, उसे नहीं पता। तुषार ने आसपास के लोगों से उसे उठाने में मदद करने को कहा। कुछ देर बाद गार्ड और एक व्यक्ति उसकी मदद के लिए आगे आए। तुषार सोच रहा था- हमारे बीच में अभी भी सम्वेदना जीवित है। जीवों के प्रति करुणा और दया अभी साँस ले रही है। वह उस कुत्ते को रिक्शा में डालकर पास के डॉग क्लीनिक में ले गया । डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसका इलाज करना शुरू कर दिया। उन्होंने तुषार को भरोसा दिलाया कि वह ठीक हो जाएगा, अब वह घर जाए। उसे वहाँ छोड़कर तुषार घर वापस आ गया। घर आकर तुषार ने माँ को सारी कहानी सुना दी। उसकी माँ खुश हुई और उसने उसे इस नेक काम के लिए बड़ी-सी चॉकलेट दी और शाबाशी के लिए उसकी पीठ थपथपाई। तुषार ने माँ से पूछा- 'माँ, आप तो कुत्तों से बचने के लिए कहती रहती थी, फिर आज आपमें यह बदलाव कैसे हुआ?' 'मैंने उनसे बचने के लिए कहा था, उन्हें बचाने के लिए मना नहीं किया था। वे भी हमारी तरह ही जीव हैं, सांस लेते हैं, खाना खाते हैं, उन्हें भी पीड़ा हो सकती है, उनकी सहायता हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा?' माँ ने उत्तर दिया।

माँ ने तुषार को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए समझाया- 'हमारा समाज बहुत आधुनिक हो गया है। हमारे पास अपने स्वयं के सम्बन्धों के लिए समय नहीं होता। लेकिन हम अपने वैभव का प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न नस्लों के कुत्तों का पालन-पोषण करते हैं। यह सही है कि हम जीव का ध्यान रखते हैं, उसे परिवार का सदस्य मानते हैं. लेकिन जब यही सदस्य दूसरों के लिए आक्रामक हो जाता है, उन्हें घायल कर देता है, तब हम बेचारे बनकर खड़े हो जाते हैं।' 'आप कहना क्या चाहती हैं माँ?' तुषार में फिर प्रश्न किया। 'मैं केवल तुम्हें यह समझाना चाहती हूँ कि ईश्वर ने प्रत्येक जीव का जीवन उसके अनुरूप वातावरण में तय किया है। अगर हम जबरदस्ती उनसे खिलवाड़ करेंगे तो परिणाम भयंकर ही होंगे। पशु-पक्षी सबका जीवन प्रकृति के अनुसार है। हमें उन्हें अपने मनोरंजन का साधन नहीं समझना चाहिए। उन्हें स्वतन्त्र रहने दें। मनुष्यता उन्हें बाँधने में नहीं है, अपितु आवश्यकता पड़ने पर उनकी मदद करने में है। जैसे तुमने उस कुत्ते की मदद की।' माँ ने तुषार के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा।

कुछ दिनों बाद तुषार ने फिर उस कुत्ते को गेट के पास देखा। वह गार्ड के पास बैठा था। तुषार के पास आते ही वह उसके पैरों को सूँघने लगा। अपनी दुम हिलाने लगा। अपना मुँह ऊंचा करके तुषार को देखने लगा। जैसे उसे उस दिन के लिए धन्यवाद कह रहा हो। तुषार ने अपना हाथ उसकी पीठ पर रखा और उसे धीरे-धीरे सहलाने लगा। उसके स्पर्श से वह उसके पैरों में ही बैठ गया। जैसे कह रहा हो, 'कुछ देर और बैठो, तुमने मुझे जीवनदान दिया है, मैं तुम्हारा कृतज्ञ हूँ...'।

आज उसे स्वस्थ देखकर तुषार बहुत प्रसन्न हुआ। गार्ड भैया ने बताया- यह कुछ दिन बाद ही यहाँ लौट आया था। ऐसा लगता था जैसे तुम्हें खोज रहा हो। हम भी इसके साथ घुल-मिल गए हैं। यह भी हमारे साथ कॉलोनी की चौकीदारी करता है। इधर-उधर घूमता है, फिर यहीं लौट आता है। हमने इसका नाम 'टोही' रख दिया है। हमने इसे बाँधा नहीं है। इसने स्वयं यह स्थान चुना है।

तुषार टोही की कृतज्ञता पर मुग्ध हो रहा था। उस दिन की उसकी मदद को वह भूल गया था, परन्तु यह नहीं भूला था। अपने इस सुखद

अनुभव को वह माँ को बताने के लिए व्याकुल हो उठा और घर की ओर दौड़ पड़ा। टोही उसे देखता रहा और प्रसन्नता में दुम हिलाता रहा, जैसे उसने उसका मन पढ़ लिया हो।

संस्कार

कहानी

राजेन्द्र कुमार सिंह

रमपिरता जब गाँव छोड़कर गया था, तब उसने जाते-जाते अपने बाबू से साफ कह दिया था- 'जब लौटूँगा तो कुछ बनकर लौटूँगा। यदि ऐसा न कर सका, तो जिस वेश में जा रहा हूँ, उसी वेश में कभी वापस नहीं आऊँगा। उससे पहले प्राण त्याग देना बेहतर समझूँगा।'

यह कोई साधारण बात नहीं थी। दृढ़ संकल्प और कटु वचन के साथ उसने गाँव छोड़ा था।

और सचमुच, जिसे गाँव वाले निकम्मा और निठल्ला समझते थे, वही रमपिरता आगे चलकर सबके लिए मिसाल बन गया। पड़ोसी गाँव के कुछ लड़कों के साथ वह दिल्ली चला गया। उसके पास किराए तक के पैसे नहीं थे। उसकी जमा-पूँजी बस इतनी थी कि मंगरा गाँव का रमकिशुन उसके साथ प्राथमिक विद्यालय तक पढ़ा था। बचपन की दोस्ती निभाते हुए रमकिशुन ने ही उसका किराया चुका दिया।

दिल्ली पहुँचने पर रमकिशुन ने अपने मालिक से कहकर उसे काम दिलवा दिया। काम बहुत कठिन था और रमपिरता जैसा आलसी युवक उसके लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था।किंतु पेट की आग और परिवार वालों द्वारा लगाए गए निठल्ले के ठप्पे ने उसे भीतर तक झकझोर दिया था। उसने अपने आलस्य को त्याग दिया और पूरी लगन तथा निष्ठा से काम में जुट गया। कहा भी गया है कि यदि मनुष्य किसी कार्य को ठान ले, तो उसके लिए कोई भी काम असंभव नहीं रहता। रमपिरता ने भी अपने भीतर के देहाती आवरण को उतार फेंका और बड़ा आदमी बनने के जुनून को जीवन का लक्ष्य बना लिया।

जिस मालिक के यहाँ वह काम करता था, उसकी खाड़ी देशों में कई फैक्ट्रियाँ थीं। वहाँ दक्ष मजदूरों को भेजा जाता था। रमपिरता ने अल्प समय में ही अपने कार्य में अद्भुत दक्षता प्राप्त कर ली। रमकिशुन भी कुशल था, किंतु पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण विदेश नहीं जाना चाहता था। दूसरी ओर, रमपिरता सारे बन्धनों से मुक्त हो चुका था। उसके मन में केवल एक ही धुन थी-पैसा कमाना, चाहे देश में रहकर या विदेश जाकर। मालिक ने उसके भीतर के इसी जुनून को पहचान लिया। एक दिन मन ही मन उसने कहा-

'मैं तुम्हें जरूर बड़ा आदमी बनाऊँगा, रामप्रीत।'

और वही हुआ।

खाड़ी देश पहुँचते ही उसके जीवन में मानो धन की वर्षा होने लगी। अब उसे लगने लगा था कि यदि यही गति बनी रही,तो वह गाँव के सबसे धनाढ्य व्यक्ति रामसिंगासन सिंह से भी आगे निकल जाएगा।

खाड़ी देश पहुँचते ही रामप्रीत के जीवन में जैसे नया सवेरा हो गया। मेहनत का फल उसे भरपूर मिलने लगा। तनख़्वाह हाथ में आते ही उसके मन में सबसे पहले अपने परिवार का ख्याल आया। उसने अपने बाबू परिखा सिंह के नाम एक लम्बा मनीऑर्डर भेजा।

मनीऑर्डर मिलते ही परिखा सिंह की वर्षों की चिंता जैसे दूर हो गई। गाँव में यह खबर आग की तरह फैल गई कि रमपिरता अब बड़ा आदमी बन गया है। लोग तरह-तरह की बातें करने लगे। कुछ तो उसकी आमदनी की तुलना गाँव के प्रतिष्ठित धनाढ्य रामसिंगासन सिंह से भी करने लगे।

हालाँकि यह तुलना वास्तविकता से बहुत दूर थी, लेकिन गाँव वालों के लिए रमपिरता की सफलता किसी चमत्कार से कम नहीं थी। जहाँ दीपक का प्रकाश उपलब्ध न हो, वहाँ जुगनू की रोशनी भी लोगों को असाधारण लगती है। कुछ ऐसा ही हाल गाँव वालों का था।

लोग कहते- 'पढ़ा-लिखा लड़का भला खेती-बारी में कब मन लगाता है? उसे तो कुछ बड़ा ही करना था।'

ऐसी बातें सुनकर परिखा सिंह का हृदय गर्व से भर उठता। उन्हें अब महसूस होने लगा था कि उनका बेटा निकम्मा या कामचोर नहीं था। दरअसल, पढ़ाई-लिखाई के बाद मनोनुकूल काम न मिलने के कारण वह दिशाहीन हो गया था। उसके भीतर क्षमता थी, जिसे अवसर मिलने पर उसने साबित कर दिया।

धीरे-धीरे पूरे गांव में रमपिरता के नाम का डंका बजने लगा। अब लोग उसे उसके पुराने नाम से कम और 'रामप्रीत' कहकर अधिक पुकारने लगे। उसकी सफलता की चर्चाएँ चौपालों, खेतों और चाय की दुकानों तक पहुँच गईं।

इसी बीच दूसरा मनीऑर्डर आया। इस बार राशि पहले से लगभग तीन गुना थी। परिखा सिंह की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

मनीऑर्डर के साथ रामप्रीत ने एक छोटा-सा संदेश भी भेजा था।

'बाबू, इस बार गाँव आऊँगा तो दोनों भइयों को भी अपने साथ ले जाऊँगा।'

बस, फिर क्या था! यह खबर पूरे गाँव में फैल गई। मोहल्लों से निकलकर पड़ोसी टोले और आस-पास के गाँवों तक इसकी चर्चा होने लगी। लोगों को लगने लगा कि यदि रामप्रीत की एक नजर उन पर पड़ जाए तो शायद उनकी किस्मत भी बदल जाए।

जहाँ अधिकांश लोग उसकी सफलता से प्रसन्न थे, वहीं कुछ ऐसे घर भी थे जिनके मन में ईर्ष्या की आग सुलगने लगी थी। इनमें सबसे प्रमुख नाम था- रामसिंगासन सिंह का।

रामसिंगासन सिंह वर्षों से गाँव के प्रभावशाली और सम्पन्न व्यक्तियों में गिने जाते थे। गरीब किसान और मजदूर आवश्यकता पड़ने पर उन्हीं के दरवाजे पर जाते थे। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदलने लगी थीं।

उधर, परिखा सिंह स्वभाव से पहले भी उदार थे। बेटे की बढ़ती आमदनी ने उनकी उदारता में और वृद्धि कर दी। वे जरूरतमंदों की सहायता खुलकर करने लगे। यही बात रामसिंगासन सिंह को सबसे अधिक अखरती थी।

वे अक्सर कहते- 'परिखवा नया-नया धनवान हुआ है, इसलिए पैसे का बहाव रोक नहीं पा रहा है। चार दिन की चाँदनी है, फिर अँधेरी रात आएगी। नौकरी का क्या भरोसा?आज है, कल नहीं। केवल मनीऑर्डर भेज देने से कोई बड़ा आदमी नहीं बन जाता।'

लेकिन भीतर-ही-भीतर उन्हें सबसे अधिक चिंता इस बात की थी कि रमपिरता आखिर इतनी जल्दी इतना पैसा कैसे कमा रहा है।

रामसिंगासन सिंह के मन में कई दिनों से एक ही प्रश्न भात के अदहन की तरह खौल रहा था-आखिर रमपिरता इतनी जल्दी इतना पैसा कैसे कमा रहा है?

उनकी बेचैनी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। ऊपर से गाँव में रामप्रीत की बढ़ती प्रतिष्ठा उन्हें भीतर तक कचोट रही थी। ऐसे में उनके कुछ खास चमचे,जो हर समय उनकी हाँ में हाँ मिलाते थे, आग में घी डालने का काम करने लगे।

धीरे-धीरे एक अफवाह फैलनी शुरू हुई।

कहा जाने लगा कि रमपिरता का सम्बन्ध किसी आतंकवादी गिरोह से है। विदेश में वह मजदूरी नहीं, बल्कि हफ्ता-वसूली का काम करता है। कुछ लोगों ने तो यह भी कहना शुरू कर दिया कि उसकी कमाई का स्त्रोत वैध नहीं है।

लेकिन गांव वालों ने इन बातों पर सहज विश्वास नहीं किया। कारण साफ था-अफवाह फैलाने वालों की पहचान किसी से छिपी नहीं थी। रामसिंगासन सिंह के चमचे गाँव में फूट डालने और लोगों को लड़ाने के लिए पहले से बदनाम थे।

लोग आपस में कहते- 'दूसरे का फलना-फूलना अब रामसिंगासन बाबू को फूटी आंख नहीं सुहा रहा है। तभी तो ऐसी-ऐसी बातें उड़ाई जा रही हैं।'

कुछेक लोग जरूर थे जो इन अफवाहों को हवा दे रहे थे। इनमें मूलर साव, रामखेलावन यादव, निहोरा चौधरी और सबसे ऊपर स्वयं रामसिंगासन सिंह शामिल थे। परंतु अधिकांश ग्रामीणों ने इन बातों को गंभीरता से लेना उचित नहीं समझा।

इसी बीच एक और मनीऑर्डर आया।

इस बार भेजी गई राशि ने पूरे गाँव में तहलका मचा दिया। रकम इतनी अधिक थी कि लोग अनुमान लगाने लगे कि यदि परिखा सिंह चाहें तो गाँव में सबसे बड़ा पक्का मकान खड़ा कर सकते हैं।

लेकिन परिखा सिंह की सोच कुछ और थी।

आषाढ़ का महीना आने वाला था। रोपनी और डोभनी का समय निकट था। किसान खाद, बीज और नकदी की व्यवस्था को लेकर चिंतित थे। हर वर्ष उन्हें मजबूरी में सूदखोरों के चंगुल में फँसना पड़ता था और फसल कटने के बाद मूलधन के साथ डेढ़ा-दूना ब्याज चुकाना पड़ता था।

परिखा सिंह स्वयं कभी इस पीड़ा से गुजर चुके थे। इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि इस बार गाँव के किसानों को उस शोषण का शिकार नहीं होने देंगे।

रामप्रीत द्वारा भेजी गई राशि से उन्होंने खाद, बीज और अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था शुरू कर दी। जरूरतमंद किसानों को सहायता दी जाने लगी। शर्त केवल इतनी थी कि फसल कटने के बाद मूलधन लौटा दिया जाए।

गाँव के किसानों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं था। जो किसान कल तक कर्ज और ब्याज के बोझ तले दबे रहते थे, उनके चेहरे पर पहली बार राहत दिखाई देने लगी। वे मन ही मन रामप्रीत को दुआएँ देते और परिखा सिंह के प्रति सम्मान से भर उठते।

उधर रामसिंगासन सिंह और उनके साथी यह सब देखते रहे। जिन किसानों की मजबूरी कभी उनकी ताकत हुआ करती थी, वही किसान अब धीरे-धीरे उनके प्रभाव-क्षेत्र से बाहर निकल रहे थे।

मुख्यमंत्री कौशल विकास केंद्र में कुक की गला रेतकर हत्या

देश प्राण संवाददाता

बोकारो, 19 जुलाई : जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र के भेलवाटांड में चल रहे मुख्यमंत्री कौशल विकास केंद्र में एक व्यक्ति की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गणेश कपरदार के रूप में हुई है, जो बंगाल के पुरलिया का रहने वाला था।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। कौशल विकास केंद्र में कार्यरत कैंप मैनेजर संजीत कुमार सिंह ने बताया कि गणेश कपरदार हमारे यहां दो साल से कुक का काम कर रहे थे। जब वह ब्रेकफास्ट का पता करने मेस में गए तो देखा कि कुक बेड के नीचे गिरा हुआ है। इसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अपने अधिकारी और पेटरवार थाना प्रभारी को दी। थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की, जिसमें आईईएल थाना प्रभारी, तेनुघाट ओपी प्रभारी, कसमार थाना प्रभारी और पेटरवार थाना प्रभारी शामिल थे। गोमिया के पूर्व विधायक डॉ। लंबोदर महतो भी मौके पर पहुंचे और एसडीपीओ रविंद्र कुमार सिंह से बात कर जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने की अपील की। साथ ही अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा देने की भी मांग की। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस हत्या की गुत्थी बहुत जल्द सुलझा ली जाएगी। पुलिस सबूत इकट्ठा करने के लिए बोकारो से डॉग स्क्वायड की मदद ले रही है। फॉरेंसिक टीम की भी मदद ली जा रही है। वहीं, बेरमो डीएसपी ने बताया कि गणेश कपरदार कौशल विकास केंद्र में कुक का काम करता था और बंगाल के पुरलिया का रहने वाला था। पुलिस हत्या की सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई।

कुएं में गिरने से राशन दुकान के कर्मचारी रघुवीर सिंह की मौत

पूर्वी सिंहभूम, 19 जुलाई : मानगो थाना क्षेत्र के मुंशी मोहल्ला पोस्ट ऑफिस रोड स्थित एक मकान परिसर में बने कुएं में गिरने से 45 वर्षीय रघुवीर सिंह की मौत हो गई। यह हादसा शनिवार देर रात उस समय हुआ, जब वह अपने घर लौट रहे थे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद उन्हें कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय निवासी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, रघुवीर सिंह कथित तौर पर नशे की हालत में घर लौट रहे थे। इसी दौरान घर के समीप गली में स्थित खुले कुएं के पास उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कुएं में जा गिरे। गिरने की आवाज सुनकर सबसे पहले निर्मल कौर मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक रघुवीर सिंह कुएं की गहराई में जा चुके थे। आसपास मौजूद लोगों को तैरना नहीं आता था।

खबरकोना

बिरहोर टोला में स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

कोडरमा, 19 जुलाई : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के विंडोमोह बिरहोर टोला में कुछ बिरहोर बच्चों एवं ग्रामीणों के अस्वस्थ होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन कोडरमा द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया, जहां पीड़ितों की जांच की गई।प्रखंड विकास पदाधिकारी डोमचांच भोला पांडेय एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान कुछ लोगों में बुखार एवं खांसी के लक्षण पाए गए, जिनका आवश्यक परीक्षण कर उन्हें दवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि यहां के लोगों का मासिक जांच कराया जाता था, लेकिन अब लोगों की साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पिछले दिनों भी बिरहोर परिवारों का हेल्थ चेकअप किया गया है और स्वास्थ्य विभाग की टीम सतत निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार आगे भी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ट्रेन से कटकर कन्द्रपडीह निवासी युवक की मौत

कोडरमा, 19 जुलाई : धनबाद गया के रेलखंड पर प्रखंड के ग्राम कन्द्रपडीह में बीती रात्रि ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कन्द्रपडीह निवासी 40 वर्षीय शिव शंकर जायसवाल उर्फ.शिबू के रूप में हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा अस्पताल भेज दिया है। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है, हालांकि अभी तक इस मामले में कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

झुमरीतिलैया में आज पहली बार निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

झुमरीतिलैया, 19 जुलाई : कोडरमा जिले के धार्मिक इतिहास में 20 जुलाई को पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं भव्य एवं आधुनिक रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगी। आयोजन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। इस्कॉन हजारीबाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. केशव आनंद दास ने बताया कि पहली बार कोडरमा की पावन धरती पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा रही है। इस अवसर पर लगभग 40 फीट ऊंचा अत्याधुनिक रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगा। आवश्यकता पड़ने पर इसकी ऊंचाई 16 फीट तक कम की जा सकती है। रिमोट ऑपरेटेड इस रथ की चौड़ाई करीब 12 फीट है तथा इसे जापानी सिल्क से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रथ के शीर्ष पर तीन फीट ऊंचा सुदर्शन चक्र स्थापित किया गया है, जबकि आगे चार घोड़ों की प्रतिकृति इसकी भव्यता में चार चांद लगाएगी। रथ के दोनों ओर 100 से 150 फीट लंबी रस्सियां लगाई गई हैं, जिन्हें हजारों श्रद्धालु खींचते हुए भगवान की रथयात्रा को आगे बढ़ाएंगे। यात्रा सुभाष चौक से प्रारंभ होकर झंडा चौक, महाराणा प्रताप चौक, मौसीबाड़ी होते हुए संकट मोचन मंदिर तक पहुंचेगी। पूरे मार्ग में हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक झांकियों से वातावरण भक्तिमय बना रहेगा।

अभिभावक संघ कोर कमिटी की बैठक

कोडरमा, 19 जुलाई : अभिभावक संघ कोडरमा की कोर कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक संघ के कार्यालय में अध्यक्ष संजय साजन की अध्यक्षता में हुई। संचालन सचिव भानू प्रताप सिंह ने किया जिसमें जिले में शिक्षा व्यवस्था, निजी विद्यालयों की कार्यप्रणाली तथा अभिभावकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) के हालिया स्थानांतरण को देखते हुए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में फेरबदल करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि नए जिला शिक्षा पदाधिकारी से शीघ्र मुलाकात कर उन्हें अभिभावक संघ की प्रमुख मांगों एवं समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। साथ ही उपायुक्त द्वारा पूर्व में निजी विद्यालयों की जांच के लिए दिए गए निर्देशों के आलोक में तैयार की गई जांच रिपोर्ट की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली जाएगी। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अभिभावकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की उम्मीद है और अब यह जानना आवश्यक है कि जांच रिपोर्ट किस स्तर पर है तथा उस पर आगे क्या कार्रवाई की जा रही है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण व दो लाख की ठगी का आरोपित कोडरमा से गिरफ्तार

देश प्राण संवाददाता

कोडरमा, 19 जुलाई : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के मोरियामा गांव से पश्चिम बंगाल पुलिस ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण और ठगी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोरियामा निवासी अजय राणा के 24 वर्षीय पुत्र विशाल राणा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले विशाल राणा की सोशल मीडिया के माध्यम से पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले की एक युवती से दोस्ती हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान विशाल कई बार युवती से मिला। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, विशाल ने अपने परिजनों की बीमारी का हवाला देकर अलग-अलग समय पर उससे करीब दो लाख रुपये ले लिए। रुपये लेने के बाद उसने युवती से संपर्क तोड़ दिया और शादी करने से भी इनकार कर दिया।

युवती ने वर्धमान थाने में विशाल राणा के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण और दो लाख रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया था। मामले की जांच के क्रम में पश्चिम बंगाल के वर्धमान थाना की पुलिस टीम शनिवार को कोडरमा पहुंची और तिलैया थाना पुलिस को सूचना देने के बाद मोरियामा स्थित उसके घर से आरोपित को देर रात गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस आरोपित को अपने साथ वर्धमान ले गई। तिलैया थाना पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तारी की सूचना स्थानीय थाने को विधिवत दी गई थी।

गढ़वा में युवक की गोली मारकर हत्या, जंगल से शव और बाइक बरामद

गढ़वा, 19 जुलाई : गढ़वा जिले के भंडरिया-बड़गढ़ मुख्य मार्ग स्थित सालों जंगल में रविवार सुबह अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही भंडरिया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुभाष कुमार और बड़गढ़ थाना प्रभारी दीपक मौर्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने खून से लथपथ शव को कब्जे में लेकर सीएचसी भंडरिया पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. संजय कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद की है, जिसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह करीब 10:30 बजे की है।

श्याम भजनों की मासिक अरदास ताली कीर्तन में झूम उठे श्रद्धालु

देश प्राण संवाददाता

झुमरीतिलैया, 19 जुलाई : श्याम शरण में आजा रे डोमचांच द्वारा डोमचांच में आयोजित 6वें मासिक अरदास ताली कीर्तन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए। मधुर भजनों और जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।

देर रात तक चले इस भजन संध्या में श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में भाव-विभोर होकर नृत्य करते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। इस अवसर पर लक्ष्मी देवी प्रेम मेहता यजमान के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर आकर्षक श्याम दरबार सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान आकर्षित किया। रंग-बिरंगी सजावट, मनोहारी श्रृंगार और भव्य दरबार ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। भजन संध्या की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। फिर एक से बढ़कर एक श्याम भजनों की प्रस्तुति ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय भजन गायक शिव कुमार पांडेय ने खाटू वाले, नीले घोड़े वाले, मोर मुकुट वाले, तू ना संभाले तो हमें कौन संभाले... तथा भोला राणा देना है तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ... जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं विनोद सोनी ने कलयुग के अवतारी, मोरछड़ी को घुमाओ ना... और धवल सिंह ने राधा रानी हमें भी बता दो जरा आदि जैसे भजनों की सुमधुर प्रस्तुति देकर भक्तों को भक्ति रस में डुबो दिया।

एसपी और डीडीसी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

देश प्राण संवाददाता

कोडरमा, 19 जुलाई : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग, रांची द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन कोडरमा जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर तीन पालियों में किया गया।

परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष एवं उप विकास आयुक्त रवि जैन ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेजे कॉलेज, कॉमर्स इंटर कॉलेज, सेक्रेड हार्ट स्कूल तथा सीएच प्लस टू उच्च विद्यालय, कोडरमा सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर परीक्षा संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त गश्ती दल दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी, परीक्षा ऑब्जर्वर, उड़नदस्ता दल दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों तथा महिला पुलिस बल सहित सभी पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

भारत फाइनेंस कंपनी में 6.10 लाख की धोखाधड़ी फील्ड एजेंट गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम, 19 जुलाई: पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र में भारत फाइनेंस कंपनी के 18 ग्राहकों से धोखाधड़ी कर 6 लाख 10 हजार रुपये के गबन के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित फील्ड एजेंट को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में कंपनी के ब्रांच मैनेजर अमित कुमार केसरी की शिकायत पर पोटका थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, भारत फाइनेंस कंपनी की आंतरिक जांच के दौरान वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि कंपनी में ऋण वितरण और ऋण वसूली का कार्य करने वाला फील्ड एजेंट भावेश लोहरा ग्राहकों को विभिन्न बहानों से झांसा देकर उनसे जमा कराए गए पैसे अपने पास रख लेता था। इस तरह उसने कंपनी के 18 सदस्यों से कुल 6 लाख 10 हजार रुपये की हेराफेरी कर ली। मामले का खुलासा होने के बाद ब्रांच मैनेजर ने इसकी सूचना पोटका थाना पुलिस को दी।

घर से महिला का शव बरामद, परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

देश प्राण संवाददाता

गिरिडीह, 19 जुलाई : जिले के देवरी थाना अंतर्गत नयासांखो गांव में एक 24 वर्षीय महिला शेंपू देवी की लाश उसके घर से बरामद हुआ है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के दो बच्चे चार वर्ष का पुत्र और एक वर्ष की पुत्री है। परिजनों का कहना है कि हत्या कर लाश को आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश की गई है।

मृतका के भाई आशीष चौबे ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी बहन शेंपू देवी की शादी तिलयडीह गांव के बसंत तिवारी के साथ हुई थी। विवाह के बाद सोने की चेन की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के द्वारा शेंपू देवी को प्रताड़ित किया जा रहा था। चेन की मांग पूरी करने के बाद पैसे की मांग की जाने लगी। इसे लेकर लगातार विवाद किया जा रहा था। इस बीच शेंपू के पति के द्वारा फोन पर बताया गया कि शेंपू देवी ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर तिलयडीह पहुंचने पर पता चला कि शेंपू देवी की हत्या कर शव आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई। आशीष चौबे ने कहा कि मृतका के पति बसंत कुमार तिवारी के उकसावे पर उसके घर के सदस्यों के द्वारा हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया है। इधर घटना की सूचना पर देवरी थाना के एएसआई राधेश्याम चौधरी मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया गया है। मौके पर मौजूद एएसआई राधेश्याम चौधरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, उसके बाद ही सही वजह सामने आएगी कि आखिर शेंपू देवी की मौत कैसे हुई। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वाले जो भी आवेदन देंगे, उसपर एफआईआर दर्ज होगी। हालांकि ससुराल पक्ष के लोग हत्या के आरोपों से इंकार कर रहे हैं।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर हुआ युवा संवाद, राष्ट्र निर्माण और पंच परिवर्तन पर हुआ मंथन

देश प्राण संवाददाता

धनबाद, 19 जुलाई : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को धनबाद में युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईटी (आईएसएम) के जीजेएलटी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में 20 से 35 वर्ष आयु वर्ग के 223 युवाओं ने हिस्सा लिया। विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े युवाओं के साथ राष्ट्र निर्माण, सामाजिक दायित्व और संघ के 'पंच परिवर्तन' विषय पर विस्तृत संवाद हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। आईआईटी (आईएसएम) के उपनिदेशक प्रो। धीरज कुमार ने स्वागत संबोधन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। इसके बाद आयोजित संवाद सत्र में युवाओं ने राष्ट्र, समाज और समकालीन चुनौतियों से जुड़े विषयों पर अपने प्रश्न रखे, जिनका मंचासीन वक्ताओं ने विस्तार से उत्तर दिया। मुख्य वक्ता एवं बिहार-झारखंड क्षेत्र के सामाजिक सद्भाव संयोजक राकेश लाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने 'पंच परिवर्तन' के तहत सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्यों के पालन जैसे विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभाव भी आवश्यक हैं, तभी आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का सपना साकार हो सकेगा। संगोष्ठी के दौरान परिवार प्रबोधन, समय प्रबंधन, स्वरोजगार, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी जीवनशैली जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। युवाओं से अपने परिवार और आसपास के समाज से सकारात्मक परिवर्तन की शुरूआत करने, जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी शक्ति युवा हैं और उनके व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से ही विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है।

ऑनर ऑफ अशोका अवार्ड 2026: आईआईटी आईएसएम धनबाद की डॉ अनीता कुमारी को मिला राष्ट्रीय सम्मान

देश प्राण संवाददाता

धनबाद, 19 जुलाई : आईआईटी आईएसएम धनबाद की शारीरिक शिक्षा एवं खेल अधिकारी डॉ. अनीता कुमारी को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। खेल, शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य जागरुकता और युवा सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ऑनर ऑफ अशोका अवार्ड-2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान चार्ल्स वॉल्टर्स काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च द्वारा प्रदान किया गया।

यह समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल एच.ई। शिव प्रताप शुक्ल, भारत सरकार के पूर्व सचिव विश्वपति त्रिवेदी (सेवानिवृत्त आईएएस) तथा उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश टंडन सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। वहीं, कार्यक्रम के साक्षी के रूप में भारत सरकार के पूर्व गृह एवं वाणिज्य सचिव गोपाल कृष्ण पिल्लई (सेवानिवृत्त आईएएस), हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक आर.सी। मिश्रा (सेवानिवृत्त आईपीएस) और महाराष्ट्र के जालना की उपायुक्त आशिमा मित्तल (आईएएस) भी उपस्थित रहीं। डॉ। अनीता कुमारी को यह सम्मान खेल एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में उनके दो दशक से अधिक लंबे समर्पित कार्य, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और युवाओं, विशेषकर छात्राओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के प्रयासों के लिए दिया गया है। करीब 22 वर्षों के अपने पेशेवर अनुभव के दौरान उन्होंने खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिला स्वास्थ्य, फिटनेस और शारीरिक सक्रियता से जुड़े विषयों पर उल्लेखनीय शोध भी किए हैं। उनके कई शोध-पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पीयर-रिव्यूड शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। शैक्षणिक दृष्टि से भी डॉ। अनीता कुमारी का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रख-रखाव के अभाव में फुटबॉल स्टेडियम की स्थिति जर्जर

पाकुड़ : हिरणपुर बाजार के जबरदहा स्थित फुटबॉल स्टेडियम रखरखाव के अभाव में इन दिनों जर्जर अवस्था मे है। वही स्टेडियम परिसर में प्रतिदिन जूहारियों और शराबियों का अड्डा बना रहता है। पाकुड़ द्वारा करीब 69 लाख की लागत से इस स्टेडियम का निर्माण किया गया था। जहां खिलाड़ियों की कक्ष, सीढ़ीनुमा दर्शक दीर्घा, चाहरदीवारी सहित अन्य कार्य किया गया था। पर वर्तमान समय मे स्टेडियम की अवस्था जर्जर बन गई है। बनाये गए भवन, कक्ष की दरवाजा, खिड़की टूटकर बिखर चुका है। दर्शक दीर्घा की स्थिति भी बदतर है। बनाये गए कमरों के अंदर गन्दगी फैली हुई है। गुरुवार साप्ताहिक हाट के दिन तो इस जगह पर शराब की बाजार लगा रहता है। जहां खुलेआम अवैध शराब की खरीद बिक्री होती है। वही अन्य दिनों में भी शराबियों का अड्डा बना रहता है। मैदान में जुआ का खेल भी होते आ रहा है। जिससे मैदान परिसर में गंदगियों की अम्बार लगा रहता है। सभ्य लोग इस ओर गुजरने से ही हिचकते है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

गोड्डा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर नहर चौक स्थित विवेकानंद क्लास में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण, सामाजिक दायित्व और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता भाजपा नेता सुभाषचंद्र यादव ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उन्हें हर कार्य में राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यक्रम में भारती, निदेशक मुकेश जी, चंदन जी, उत्तम जी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फर्जी पुलिस बनकर दो युवक को वसूली करते हुए पुलिस ने पकड़ा

दुमका : पाटनपुर गांव में फर्जी पुलिस बनकर एक किराना दुकानदार के घर वसूली करने पहुंचे दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ कर खंभे से बांध दिया और पुलिस के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी राजेश रंजन का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। दोनों युवक मसलिया थाना क्षेत्र के पाटनपुर गांव में किराना दुकान चलाने वाले निरंजन गोराई अपनी मां के साथ रहते हैं। दो युवक उनके घर पहुंच कर रुपए ऐंठने के इरादे से रौब जमाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने दो युवक को दबोच लिया।

11 गश्तीदल दंडाधिकारी रहे प्रतिनियुक्त

क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

देश प्राण संवाददाता

साहिबगंज, 19 जुलाई : झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा -2024 का आयोजन साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित 11 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा का संचालन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तीन पालियों में किया गया।

जिले में परीक्षा के लिए संध्या कॉलेज, संत जोसेफ अकेडमी, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पोखरिया, संत जेवियर विद्यालय (हिंदी माध्यम), अपग्रेड नगर पालिका गर्ल्स हाई स्कूल, संत जेवियर विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), पूर्व रेलवे हाई स्कूल, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, राजस्थान इंटर स्कूल, पब्लिक हाई स्कूल तथा साहिबगंज कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया।

परीक्षा के सफल एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसके अंतर्गत 25 परीक्षा पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर), 14 स्टैटिक दंडाधिकारी, 11 गश्ती दंडाधिकारी (पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट), 4 उड़नदस्ता दल तथा 2 स्ट्रांग रूम दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

सभी परीक्षा केंद्रों पर सतत निगरानी, विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई।परीक्षा के दौरान उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा संचालन में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए आयोग के नियमों का पूर्ण अनुपालन करते हुए संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा 2024 के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्रशासनिक पुलिस पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

50 साइबर अपराधी व फरार वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

साहिबगंज, 19 जुलाई : पुलिस कप्तान के निर्देश पर पुलिस ने जिले भर में अपराधियों और साइबर ठगों के खिलाफ एक बड़ा और व्यापक अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस मुख्यालय से मिले आदेश के आलोक में चलाए गए 24 घंटे के विशेष समकालीन अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थानों से कुल 50 अभियुक्तों, वारंटियों और फरार अपराधियों को दबोचा गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार आपराधिक कांडों में फरारअभियुक्तों, वारंटियों तथा अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक अभियान चलाया गया।

ब्रांडेड कंपनियों के नकली उत्पाद बनाने का पुलिस ने किया भंडाफोड़

देश प्राण संवाददाता

गोड्डा, 19 जुलाई : पथरगामा प्रखंड के तेतरिया गांव में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद तैयार करने वाले अवैध कारोबार का पुलिस ने पदार्फाश किया है।

शनिवार को पथरगामा पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नकली उत्पाद, पैकिंग सामग्री और निर्माण में प्रयुक्त अन्य सामान जब्त किया। कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। यह छापेमारी थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने मौके से बजाज आल्मंड ड्रॉप हेयर ऑयल, ऑल आउट और ग्लूकोन-डी जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के नाम पर तैयार किए जा रहे नकली उत्पाद बरामद किए। इसके अलावा विभिन्न कंपनियों के रैपर, पैकेजिंग सामग्री, लेबल, बोतलें एवं अन्य उपकरण भी जब्त किए गए, जिनका इस्तेमाल नकली सामान तैयार कर बाजार में खपाने के लिए किया जा रहा था।पुलिस के अनुसार, बजाज आल्मंड ड्रॉप कंपनी की ओर से कॉपीराइट उल्लंघन एवं ब्रांड के नाम पर नकली उत्पाद तैयार किए जाने की शिकायत पथरगामा थाना में दर्ज कराई गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और छापेमारी कर अवैध कारोबार का खुलासा किया। पुलिस ने जब्त सभी सामान को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कॉपीराइट उल्लंघन, धोखाधड़ी एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नकली उत्पादों का निर्माण और बिक्री न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि प्रतिष्ठित कंपनियों के ब्रांड की साख को भी नुकसान पहुंचाता है। मामले में आगे की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

एसआईआर में कोई पात्र मतदाता नहीं छूटे : हेमलाल

पाकुड़, 19 जुलाई : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) लिट्टीपाड़ा प्रखंड कमेटी की बैठक रविवार को प्रखंड के गुतु गलांग में प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि रक्क़ अभियान के दौरान कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ क्षेत्र में सक्रिय होकर लोगों को जागरूक करें तथा जरूरतमंदों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में विधायक ने संगठन विस्तार पर भी जोर देते हुए बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने, नए कार्यकताओं को जोड़ने और गांव-गांव में संगठन की सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने का माध्यम बनता है।

आरएस पैलेस में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

देश प्राण संवाददाता

पाकुड़, 19 जुलाई : जिले के अमड़ापाड़ा स्थित आरएस पैलेस में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा में संथाल परगना प्रमंडल (दुमका, पाकुड़ एवं साहेबगंज) के मंडल प्रवासी कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रणनीति तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संथाल परगना प्रभारी बाल मुकुंद सहाय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश संगठन एवं जिला स्तर के कई पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में पाकुड़, साहेबगंज और दुमका जिले के भाजपा पदाधिकारियों, मंडल प्रभारियों, मंडल प्रवासियों, मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों तथा वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रदेश नेतृत्व की ओर से संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। कार्यकताओं से गांव-गांव तक पार्टी की नीतियों और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया गया। साथ ही बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता विस्तार, आगामी चुनावी तैयारियों और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह एवं प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा के प्रस्तावित कार्यक्रम का भी उल्लेख किया गया। बैठक में नेताओं ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय बनाने की बात कही।

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत 'अभियान का शुभारंभ

देश प्राण संवाददाता

साहिबगंज, 19 जुलाई : माय भारत केंद्र साहिबगंज (युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तहत 'नशा मुक्ति युवा - विकसित भारत' अभियान का अगला चरण शुरू किया जा रहा है ।

इसका उद्देश्य युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से नशा मुक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनाना और विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ना है। मेरा युवा भारत साहिबगंज के जिला युवा अधिकारी सौरव पांडे ने बताया कि यह प्रतियोगिताएं जिला, राज्य और राष्ट्रीय ,तीन स्तरों पर आयोजित की जाएगी। इच्छुक युवा 21 जुलाई तक माय भारत पोर्टल www.myBharat.gov.in पर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। जिला स्तरीय पर 8 विधाओं - लोकगीत, फोक सॉन्ग, नृत्य, नुक्कड़ -नाटक, माइम एक्ट, पेंटिंग, वाद-विवाद, शॉर्ट फिल्म रील मेकिंग, स्लोगन लेखन और स्लैम कविता लेखन में प्रतियोगिताएं आयोजित होगी।

जिला स्तर के विजेता 28 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक , राज्य स्तरीय चयन में भाग लेंगे। जबकि राज्य स्तरीय के विजेताओं को 14 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपना प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस अभियान में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा व्यक्तिगत या समूह के रूप में भाग ले सकते हैं। प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति हिंदी, अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषा में दे सकते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक विधा में हिस्सा ले सकेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए माय भारत पोर्टल www.myBharat.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है तथा प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक प्रस्तुति पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

अभियान का उद्देश्य युवाओं को संस्कृति, संगीत, कहानी और डिजिटल रचनात्मक के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति भारत का संदेश हर राज्य और जिला में फैलाने के लिए प्रेरित करना मुख्य लक्ष्य है।

सांसद ने भरा एसआईआर गणना प्रपत्र, क्षेत्रवासियों से की अपील

देश प्राण संवाददाता

साहिबगंज, 19 जुलाई : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को राजमहल सांसद विजय हांसदा ने अपने निज आवास बरहरवा कालीत्ला में बीएलओ सुनीता कुमारी से एसआईआर गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ सुनीता कुमारी को सुरक्षित जमा किया है।

मौके पर वालंटियर इमदादुल इस्लाम, सुपरवाइजर सतीश कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान सांसद हांसदा ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदाता है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही एवं अद्यतन रूप से दर्ज होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाना है, इसलिए सभी नागरिकों को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी पात्र मतदाता अपना गणना प्रपत्र जल्द से जल्द भरकर संबंधित बीएलओ के पास ससमय जमा कर दें ताकि भविष्य में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से छूट न जाए और कोई भी नागरिक अपने संवैधानिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार के प्रत्येक पात्र सदस्य का फॉर्म समय पर भरवाना सुनिश्चित करें, अपने आसपास के लोगों को इस अभियान के प्रति जागरूक करें। गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित है।

खबर कोना

हाईवा की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

साहिबगंज, 19 जुलाई : कोटालपोखर थाना क्षेत्र के चौडा मोड़ के समीप शनिवार की देर संध्या तेज रफ्तार हाईवा रजिस्ट्रेशन संख्या डब्ल्यू बी 65 जी 3717 की चपेट में आने से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कोटालपोखर श्याम नगर निवासी राजकुमार बागती पिता स्वर्गीय रोविया बागती उम्र तकरीबन 50 वर्ष के रूप में किया गया। वहीं घटना की उपरांत आक्रोशित ग्रामीणों ने कोटालपोखर हिरणपुर मुख्य पथ को जाम कर दिया और उचित मुआवजा की मांग पर अढ गए। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार, बरहरवा प्रभाग पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार सदल बल मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के उपरांत ग्रामीणों को समझा बुझाकर सड़क को जाम से मुक्त कराया। वहीं स्थानीय की माने तो इस दौरान तकरीबन तीन से चार घंटा तक मुख्य सड़क जाम रहा और दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई। बताया जाता है कि हाईवा कोटालपोखर की ओर से चौड़ा मोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चौड़ा मोड़ के समीप राजकुमार बागती को अपने चपेट में लिया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वही मामले को लेकर थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को कब्जे में ले लिया है। मृतक का पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजन को सौंप दिया जाएगा। पुलिस अग्रेत्तर कार्रवाई में जुटी है।

जल निकासी के अभाव में घरों में घुसा वर्षा का पानी

साहिबगंज, 19 जुलाई : बरहरवा आसपास क्षेत्र में शनिवार की देर संध्या हुई मूसलधार बारिश ने जहां विकास कार्यों की पोल खोल दी है। वही बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में दर्जन से अधिक घरों में वर्षा का जल घुस कर जहां आम जनों का जीना मुहाल कर दिया, वही लोगों का लाखों का नुकसान भी हुआ है। बता दे की गत वर्ष से ही वार्ड संख्या 5 में बना रहे नाली निर्माण कार्य अब तक संवेदक के द्वारा पूर्ण नहीं किया गया है। जिसके कारण किसी जगह पर तो नाली निर्माण का कार्य हो रहा है, पर विकास कार्य की गति इतनी मंद है कि आज तक पूर्ण होने का नाम नहीं लिया है, जिसके कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है तो कई स्थानों पर अब तक नाली का फाउंडेशन भी नहीं तैयार किया गया है। वहीं शनिवार की देर संध्या हुई मूसलधार बारिश में हरिजन पाडा के तकरीबन एक दर्जन से अधिक घरों में बरसात का पानी जमा हो गया, वहीं शहर के विवेकानंद पथ, सिनेमा हॉल रोड, घोडाई पोखर, पोदो पोखर सहित इलाके में भी वर्षा का पानी लोगों के घरों में पहुंच गया। जबकि जल निकासी के आभाव में कई रास्ते जलमग्न हो गए। इतना ही नहीं रेलवे पुल के निचे बनाया गया अंडर बाईपास की हालत तो बद से बदतर हो गई। संध्या मुसलधार वर्षा में 1 घंटे के अंदर ही पूरा अंडर बाईपास जलमग्न हो गया और दोनों ओर की आवाजाही पूर्णतः बंद हो गई।

सोनम वांगचुक के समर्थन में 20 जुलाई को सीटू करेगा प्रदर्शन

साहिबगंज, 19 जुलाई :सीटू साहिबगंज जिला कमेटी के महासचिव सारीफुल इस्लाम ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम बांगचुक के बिगड़ते स्वस्थ हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त किये है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम बताया कि सोनम बांगचुक पिछले 20 दिन से नीट व अन्य प्रवेश परीक्षाओं में हो रही धांधली के खिलाफ दिल्ली जंतर मंतर पर भूख हड़ताल पर है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नीट परीक्षा रद्द होने और अन्य धांधलियों को लेकर काफी विद्यार्थी आत्महत्या कर चुके हैं। इस सब घोटाले में केंद्र सरकार और उसका शिक्षा विभाग और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान संलिप्त है। इसीलिए भूख हड़ताल के माध्यम उनके इस्तीफा की मांग की जा रही है। कहा कि सोनम वांगचुक को जबरदस्ती हॉस्पिटल में ले जाने और जंतर मंतर पर धरने को पुलिस द्वारा रातों रात को खाली करवाना तानाशाही का प्रतीक है। इसके खिलाफ सीटू देश भर में 20 जुलाई को प्रदर्शन की कार्यवाही करेगी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो। भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम बांगचुक को बचाओ। इसके लिए माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हस्तक्षेप करने का मांग किया है।

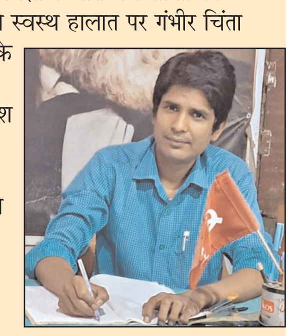

एफसी झारखंड डायनेमिक फुटबॉल टीम का हुआ गठन

साहिबगंज, 19 जुलाई : पतना प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत दुगार्पुर में रविवार को खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से 'एफसी झारखंड डायनेमिक फुटबॉल टीम' का गठन किया गया। टीम में क्षेत्र के विकास और खेल भावना को आगे बढ़ाने के लिए आसपास के विभिन्न गांवों से चुनकर बेहतरीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। नवनिर्धारित टीम में क्षेत्र के कई दिग्गज और होनहार खिलाड़ियों को जगह मिली है। जिसमें मुख्य रूप से सुरेंद्र सोरेन, इमाम अंसारी, हाफिज अंसारी, मोतिन अंसारी, समीउल रहमान, रमजान अंसारी, अमन अंसारी, परवेज आलम, तौफीक आलम, इस्तांबुल अंसारी, मुबारक मोमिन, मिराज अंसारी, सैदुल अंसारी को जोडा गया। बैठक के दौरान मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि अनुशासित तरीके से कुशल नेतृत्व का होना बेहद जरूरी है। इसके बिना मैदान पर और मैदान के बाहर टीम की सफलता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। टीम मैनेजर मोहम्मद शकील उर्फ टिंकू, कप्तान स्तामुल अंसारी एवं उप कप्तान सुरेंद्र सोरेन का चयन किया गया।

मंडलकारा में चिकित्सीय जांच शिविर का आयोजन किया गया

देश प्राण संवाददाता

पाकुड़, 19 जुलाई : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर सचिव रूपा बंदना की उपस्थिति में मंडलकारा पाकुड़ में जेल अदालत सह चिकित्सीय जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बंदियों के हित में विधिक जानकारी दी गई।

उक्त कार्यक्रम के तहत सचिव रूपा बंदना किरो ने बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, मुफ्त कानूनी सहायता और प्ली-बार्गेनिंग जैसे प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।इस कार्यकम के उद्देश्य विचाराधीन कैदियों को राहत प्रदान करना है। जिसके माध्यम से उनके वाद के पैरवी के लिए निःशुल्क अधिवक्ता मुहैया कराने समेत कानूनी सहायता प्रदान को लेकर जानकारी दी गई। इस शिविर का मकसद बंदियों को त्वरित न्याय दिलाने, उनके वाद की स्थिति बताने और उनके स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों के प्रति सजगता बढ़ाने को लेकर बंदियों के हित में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस दौरान उपस्थित सभी वक्ताओं ने संयुक्त रूप से बंदियों के हित में निःशुल्क कानूनी सहायता एवं मध्यस्थता के बारे में वाद का निष्पादन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बंदियों के वाद से संबंधित बातों और समस्या को सुना गया। एवं मेडिकल शिविर द्वारा बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो, लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार,डॉक्टर एस के झा, लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल, एलएडीसीएस के सहायक अजफर हुसैन विश्वास, गंगाराम टुडू समेत जेल के प्रशासनिक अधिकारियों डालसा कर्मी अन्य मौजूद रहे।

नियमित रखाव के अभाव में जल मीनार बनी शोभा की वस्तु

गोड्डा, 19 जुलाई : महागामा अनुमंडल क्षेत्र के नरोत्तमपुर चौक पर लाखों रुपये की लागत से स्थापित सोलर जलमीनार वर्षों से शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। मालूम हो कि उक्त जलमिनार राहगीरों और स्थानीय लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाई गई थी लेकिन यह योजना आज उपेक्षा का शिकार बन चुकी है। नियमित रखरखाव के अभाव में जलमीनार पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है और अब इसका उपयोग बकरियां बांधने के खूंटे के रूप में किया जा रहा है। इससे सरकारी योजनाओं के रखरखाव और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। नरोत्तमपुर चौक बिहार और झारखंड को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर स्थित है। इस सड़क से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ग्रामीणों के अलावा बड़ी संख्या में यात्री भी इस मार्ग से आवागमन करते हैं। पेयजल की सुविधा ठप रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कड़ी सुरक्षा में शांतिपूर्ण संपन्न हुई झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता परीक्षा

डीसी व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

देश प्राण संवाददाता

गोड्डा, 19 जुलाई : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 रविवार को जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई।

परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरे दिन सक्रिय रहा।उपायुक्त लोकेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने महिला महाविद्यालय, प्लस टू उच्च विद्यालय सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बैठने की व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, बिजली, सीसीटीवी निगरानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों और प्रतिनियुक्त अधिकारियों से परीक्षा संचालन की जानकारी लेते हुए आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी अभ्यर्थियों को सुरक्षित, निष्पक्ष और तनावमुक्त परीक्षा वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर प्रशासनिक व्यवस्था की गई थी।

मांगों को लेकर कर्मियों का 17 वें दिन आंदोलन जारी

गोड्डा, 19 जुलाई : महागामा नगर पंचायत के दैनिक कर्मियों द्वारा पिछले 17 दिनों से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना पर हैं। आंदोलनरत कर्मियों और श्रमिक संगठनों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा जारी दस्तावेज के माध्यम से कर्मचारियों के अधिकारों पर अनावश्यक शर्तें थोपी जा रही हैं।धरनास्थल पर मौजूद कर्मियों का कहना है कि वह पिछले आठ वर्षों से नगर पंचायत क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सहित विभिन्न कार्यों का नियमित रूप से निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद आज तक उन्हें न्यूनतम मजदूरी, ईपीएफ, बीमा तथा श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिला। इस पूरे मामले में नप अध्यक्ष प्रमोद सोरेन द्वारा मामले को सुलझाने की कोशिश की गई।

घेराबंदी के विरोध में ग्रामीणों ने डीसी को सौंपा आवेदन

गोड्डा, 19 जुलाई : बसंतराय प्रखंड अंतर्गत राहा कोरियाना के ग्रामीणों ने उपायुक्त लोकेश मिश्रा को आवेदन सौंपकर गौचर एवं कथित विवादित भूमि पर की जा रही घेराबंदी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित भूमि वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में रही है, जहां श्मशान घाट, माँ योगिनी का थान तथा ग्रामीणों के आवागमन का रास्ता मौजूद है।उपायुक्त को दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि वह लंबे समय से इसी स्थल पर अंतिम संस्कार, धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-पाठ करते आ रहे हैं तथा उक्त स्थान पूरे गांव की आस्था और सार्वजनिक उपयोग से जुड़ी हुई है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों द्वारा उक्त भूमि पर जबरन घेराबंदी की जा रही है। विरोध करने पर मारपीट की आशंका बनी हुई है।

मस्कट में पहली एफआईएच यूथ हॉकी 5 एस एशियाई चैम्पियनशिप आज से शुरू

भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमें की नजर खिताब पर, अब एशिया में दिखाएंगे दम

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.) : भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेंगी।

ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाला यह टूनार्मेंट उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी होगा। इस प्रतियोगिता में एशिया की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी और महाद्वीपीय खिताब के साथ विश्व कप का टिकट हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगी।

सरदार सिंह की कोचिंग में उतरेगी पुरुष टीम

सरदार सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम हाल ही में अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ टूनार्मेंट में उतर रही है। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है।

रानी के नेतृत्व में महिला टीम भी तैयार

पूर्व भारतीय कप्तान रानी की कोचिंग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेगी। यह टीम अंडर-18 महिला एशिया कप 2026 में कांस्य पदक जीत चुकी है। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 जुलाई को करेगा। महिला टीम पहले कजाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि पुरुष टीम शाम को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद पुरुष टीम 21 जुलाई को ओमान और पाकिस्तान का सामना करेगी तथा 23 और 24 जुलाई को इन्हीं टीमों के खिलाफ वापसी मुकाबले खेलेगी। महिला टीम 21 जुलाई को चीन और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 23 जुलाई को दोबारा कजाकिस्तान और 24 जुलाई को चीन तथा उज्बेकिस्तान के खिलाफ वापसी मैच खेलेगी। वर्गीकरण मुकाबले 25 जुलाई को होंगे। टूनार्मेंट में एलीट पूल के मुकाबले डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे। लीग चरण की शीर्ष दो टीमें सीधे स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई करेगी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच सरदार सिंह ने कहा, अंडर-18 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर खिलाड़ियों ने यह अवसर हासिल किया है। खिताब जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन हॉकी5एस तेज गति और त्वरित निर्णय लेने वाला प्रारूप है। खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है। हमारा लक्ष्य अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू करना, निरंतरता बनाए रखना और उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा टीमों के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने का इंतजार है। महिला टीम की मुख्य कोच रानी ने कहा, यह टूनार्मेंट हमारी युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर है। अंडर-18 एशिया कप से टीम को काफी अनुभव मिला है और हमने तेज गति वाले हॉकी5एस प्रारूप के अनुसार अच्छी तैयारी की है। खिलाड़ी पूरी तरह उत्साहित हैं और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। हमारा उद्देश्य निडर हॉकी खेलना, लगातार बेहतर प्रदर्शन करना और उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करते हुए देश का नाम रोशन करना है।

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

✦ अकाने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन 2026 का खिताब

टोक्यो, 19 जुलाई (हि.स.) : भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया। 31 वर्षीय सिंधु के लिए यह सिंगापुर ओपन सुपर 500 (2022) के बाद पहला बड़ा खिताब है। पिछले दो वर्षों में चोटों के कारण उन्हें कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा था और वह अपनी लय व निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। जापान ओपन का यह खिताब उनके शानदार वापसी का प्रमाण है। इस जीत के साथ सिंधु ने तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची के खिलाफ अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 16-14 कर लिया।

फाइनल से पहले मेसी की हुंकार, बोले- स्पेन के खिलाफ अपना सब कुछ झोंक देंगे

मियामी, 19 जुलाई (हि.स.) : फीफा विश्व कप 2026 के बहुप्रतीक्षित फाइनल से पहले अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने साफ कर दिया है कि उनकी टीम खिताबी मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल से पहले मेसी ने कहा कि टीम ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार है। फाइनल से पहले न्यूयॉर्क में आयोजित फैनेटिक्स फेस्ट में खेल जगत की कई दिग्गज हस्तियां एक मंच पर नजर आईं। इस कार्यक्रम में टॉम ब्रैडी, नोवाक जोकोविच, केविन ड्यूरेंट और लियोनल मेसी शामिल हुए। इसी दौरान मेसी ने फाइनल को लेकर अपना आत्मविश्वास जताया। स्पेन के कप्तान रोड्री ने मेसी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि मेसी सिर्फ अर्जेंटीना ही नहीं, बल्कि पूरे फुटबॉल जगत के लिए बेहद खास खिलाड़ी हैं। रोड्री के मुताबिक, उनकी नजर में लियोनल मेसी दुनिया के महानतम फुटबॉलर हैं। वहीं टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने मेसी से बड़े मुकाबलों के दबाव को लेकर सवाल किया। इसके जवाब में अर्जेंटीना के कप्तान ने कहा कि उन्होंने हमेशा यही सीखा है कि कभी हार नहीं माननी चाहिए और आखिरी क्षण तक संघर्ष करते रहना चाहिए।

असम प्रीमियर लीग नीलामी में दिनेश दास को 12.60 लाख रुपये में बारपेटा ब्रेव्स ने खरीदा

गुवाहाटी, 19 जुलाई (हि.स.): असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 की नीलामी में मार्की खिलाड़ी श्रेणी के दौरान दिनेश दास सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। रविवार को गुवाहाटी में हुई नीलामी में बारपेटा ब्रेव्स ने उन्हें 12.60 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। मार्की खिलाड़ियों की सूची में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी सुमित घाडीगांवकर रहे, जिन्हें चराइदेवो सनराइजर्स ने 12.20 लाख रुपये में खरीदा। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज सिबसंकर रॉय को बाराक लीजेंड्स ने 12 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। इसके अलावा आयुष्मान मलाकर और स्वरूपम पुरकायस्थ भी शीर्ष पांच महंगे खिलाड़ियों में शामिल रहे। तेजपुर टाइटंस ने आयुष्मान मलाकर को 11.80 लाख रुपये में खरीदा, जबकि जोरहाट स्टैलियंस ने स्वरूपम पुरकायस्थ को भी 11.80 लाख रुपये में अपनी टीम का हिस्सा बनाया। मार्की खिलाड़ी श्रेणी की नीलामी में फ्रेंचाइज़ियों के बीच असम के प्रमुख घरेलू क्रिकेटरों को अपने साथ जोड़ने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

फीफा विश्व कप 2026: इंग्लैंड ने फ्रांस को 6-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

मियामी, 19 जुलाई (हि.स.) : इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस को रोमांचक मुकाबले में 6-4 से हराकर 1966 में विश्व चैंपियन बनने के बाद विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

इंग्लैंड ने पहले हाफ में ही चार गोल दागकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली थी। हालांकि दूसरे हाफ में फ्रांस ने चार गोल कर जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक गोल दागा और जूद बेलिंगहैम ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर इंग्लैंड की जीत पर मुहर लगा दी। इंग्लैंड के लिए पहले हाफ में डेक्लान राइस और एजरी कॉन्सा ने भी गोल किए और टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने मुकाबले में दो गोल किए। इसके साथ ही वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल (10) करने वाले खिलाड़ी बन गए और गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। एम्बाप्पे ने विश्व कप में अपने कुल गोलों की संख्या 22 तक पहुंचा दी, जिससे उन्होंने अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी (21 गोल) को पीछे छोड़ते हुए विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में भी बढ़त हासिल कर ली।

ओलीसे ने तोड़ा पेले का रिकॉर्डफ्रांस के लिए ब्रैडली बारकोला और उस्मान डेम्बेले ने भी गोल किए, जबकि माइकल ओलीसे ने एम्बाप्पे के दोनों गोल में असिस्ट किया। इन दो असिस्ट के साथ ओलीसे के इस विश्व कप में कुल सात असिस्ट हो गए, जिससे उन्होंने एक ही विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक असिस्ट करने के पेले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

हॉकी झारखंड की नई कार्यकारिणी का ऐलान भोलानाथ सिंह लगातार चौथी बार अध्यक्ष निर्वाचित

देश प्राण संवाददाता

रांची, 19 जुलाई : मोरहाबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में रविवार को हॉकी झारखंड की 13वीं वार्षिक आमसभा आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026-30 के लिए नई 11 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अंजनी कुमार मिश्र ने घोषणा की कि सभी 11 पदों पर केवल एक-एक वैध नामांकन प्राप्त होने के कारण सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

भारतीय खेल नीति-2025 के प्रावधानों के तहत हॉकी इंडिया में पदाधिकारी होने के कारण भोलानाथ सिंह लगातार चौथी बार हॉकी झारखंड के अध्यक्ष बने। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, अशोक भगत और चंद्रयाणी मजूमदार, महासचिव मनोज कुमार प्रसाद (मनोज कोनबेगी), संयुक्त सचिव सुरजीत कुमार झा और दुलारी टोपनो, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा तथा कार्यकारिणी सदस्य जयदीप महाराणा, संजय कुमार गुप्ता और पल्लवी कच्छप शामिल हैं।

उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रतिनिधि के रूप में जयंत केरकेट्टा और बिगन सोय तथा एथलीट समिति में तारिणी कुमारी और नरबोट कुजूर का चयन हुआ। आमसभा में वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट, लेखा-जोखा, ऑडिट रिपोर्ट, सचिवीय प्रतिवेदन, लेखा परीक्षक की नियुक्ति, राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी, आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन और खिलाड़ियों के प्रदर्शन समेत आठों एजेंडों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में हॉकी झारखंड ने खेल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने की पहल के तहत 20 जिलों को 65-65 हजार रुपये मूल्य के खेल किट वितरित किए। पहले जिन चार जिलों को किट मिल चुकी थी, उन्हें छोड़कर शेष जिलों को हॉकी स्टिक और गेंद उपलब्ध कराई गई। निवर्तमान महासचिव विजय शंकर सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में झारखंड के 35 खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में राज्य के 15 खिलाड़ी भारतीय टीम में और 20 खिलाड़ी राष्ट्रीय कैंप में हैं।

खबरकोना

टीजी 20: हैदराबाद ई-चैंपियंस ने जीत का भव्य जश्न मनाया, रामोजी फिल्म सिटी में ट्रॉफी के साथ जुलूस निकाला

हैदराबाद, 19 जुलाई : टीजी20 लीग के पहले सीजन की विजेता टीम 'हैदराबाद ई-चैंपियंस' की जीत का जश्न मनाने के लिए यहां रामोजी फिल्म सिटी में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान टीम मैनेजमेंट ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को शानदार तरीके से सम्मानित किया। यूरेका के 'सबला' रेस्टोरेंट में पारंपरिक तरीके से खिलाड़ियों का स्वागत किया गया; उन्हें मोतियों की माला पहनाई गई। इस दौरान खिलाड़ियों को शुभ 'तिलक' लगाया गया और 'आरती' की रस्में निभाई गईं। इसके बाद, टीजी20 ट्रॉफी को रामोजी फिल्म सिटी की एक विंटेज कार में रखकर जुलूस के रूप में निकाला गया। खिलाड़ियों को एक विंटेज बस में बैठाया गया, और 'मीडिया स्ट्रीट' पर ट्रॉफी के साथ जुलूस निकाला गई, जिसमें पारंपरिक तेलंगाना 'डप्पू' (ड्रम) की धुन, डांस परफॉर्मेंस और डीजे म्यूजिक शामिल था। विजय जुलूस के दौरान, रामोजी ग्रुप की कंपनियों के सीनियर एग्जीक्यूटिव और स्टाफ ने झंडे लहराकर पूरे जोश के साथ खिलाड़ियों का स्वागत किया।

भारत बनाम इंग्लैंड : तीसरे वनडे में टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में हुए 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 19 जुलाई : भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। मेजबान टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। दोनों टीमों ने अपनी अपनी प्लेइंग-11 में बदलाव भी किया। जहां इंग्लैंड ने अपनी टीम में एक बदलाव करके तेज गेंदबाज साकिब महमूद की जगह जोश टंग को टीम में वापस लाए हैं वहीं भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में तीन बड़े बदलाव किए हैं। केएल राहुल, प्रिंस यादव और अर्शदीप सिंह की टीम में वापसी हुई है। जबकि जसप्रीत बुमराह, शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर को टीम से बाहर रखा गया है। **इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन:** बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम करन, विल जैक्स, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद, जोश टंग। **भारत की प्लेइंग इलेवन:** रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा। टॉस के समय भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हम पहले गेंदबाजी ही करना चाहते थे। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि बुमराह घुटने की चोट के कारण आज का मैच नहीं खेल रहे हैं। बुमराह की इंजरी को लेकर इउउक की तरफ से कहा गया है कि कार्डिफ में दूसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते समय जसप्रीत बुमराह के बाएं घुटने पर चोट लगी थी। जिसकी वजह से उनके घुटने में सूजन आ गई। इसी कारण वो तीसरे वनडे में सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

जिम्बाब्वे दौरे पर टीम इंडिया के साथ नहीं जाएंगे गौतम गंभीर, बीसीसीआई ने वीवीएस लक्ष्मण को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 19 जुलाई : भारत की अगली टी20 सीरीज जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली जाएगी, जिसकी कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे। टीम के अधिकांश खिलाड़ी दौरे के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा रहे खिलाड़ी तीसरे वनडे के बाद टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर टीम के साथ नहीं जाएंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत यह फैसला लिया है। बोर्ड ने इस दौरे के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को कार्यवाहक मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी है। हाल के टी20 मुकाबलों में टीम इंडिया को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद गौतम गंभीर की कोचिंग को लेकर चर्चाएं हुईं। हालांकि, बीसीसीआई का यह फैसला उन नतीजों से जोड़कर नहीं देखा जा रहा है। बोर्ड ने स्पष्ट रूप से व्यस्त कार्यक्रम और कोचिंग स्टाफ के कार्यभार को ध्यान में रखते हुए यह जिम्मेदारी वीवीएस लक्ष्मण को सौंपी है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच रहते हुए भी विदेशी दौरों पर वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया के साथ कोच की भूमिका निभा चुके हैं। वीवीएस लक्ष्मण लंबे समय से इउउक के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ जुड़े हैं और युवा खिलाड़ियों के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिम्बाब्वे दौरे पर वह मुख्य कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारत का टी20 स्क्वॉड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, यश ठाकुर, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, मयंक यादव, अशोक शर्मा, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

सुनील नरेन-जेसन होल्डर की गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

ओकलैंड, 19 जुलाई (हि.स.) : सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

इस जीत के साथ एमआई न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के दबदबे का भी अंत हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कॉलिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली।

वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, ओबस पीनार ने निचले क्रम में 24 गेंदों पर 53 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी गेंदों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अकेले दम पर वॉशिंगटन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन उनकी शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

वॉशिंगटन की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन ही बना सकी और उसे एक रन से हार का सामना करना पड़ा। एलए नाइट राइडर्स ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए पहली बार एमएलसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

'लर्निंग आउटकम के मामले में बिहार अन्य राज्यों से काफी आगे'

एक ही दिन 551 सरस्वती विद्या निकेतन का लोकार्पण ऐतिहासिक उपलब्धि: शिक्षा मंत्री

अंत्योदय को उन्नत शिक्षा देना सरकार का लक्ष्य

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति यानी अंत्योदय तक गुणवत्तापूर्ण और उन्नत शिक्षा पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की आधारभूत संरचना के मामले में बिहार अभी कई राज्यों से पीछे है, लेकिन सीखने के परिणाम (लर्निंग आउटकम) के मामले में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

शिक्षा मंत्री रविवार को बरौनी स्थित आईओसीएल स्टेडियम में आयोजित 551 सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालयों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सुधारों, शिक्षकों के प्रशिक्षण, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और मिशन आधारित कार्यक्रमों के कारण बच्चों की पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का प्रधानमंत्री का सपना साकार होगा और उसकी मजबूत नींव आज बिहार में रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में 551 सरस्वती विद्या निकेतन के नाम से मॉडल स्कूलों का लोकार्पण बिहार के शिक्षा जगत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीएम सम्राट चौधरी की दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज राज्य के प्रत्येक प्रखंड में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल स्कूल विकसित किए गए हैं।

लगभग 990 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इन विद्यालयों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। आने वाले समय में अन्य सरकारी विद्यालयों को भी मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मॉडल स्कूलों में अब तक चार लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन हो चुका है। इन विद्यालयों का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। यहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन और बेहतर सीखने का वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबही सरस्वती विद्या निकेतन में स्मार्ट कक्षाएं, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं तथा अन्य आधुनिक शैक्षणिक संसाधन विकसित किए गए हैं। इनके अलावा विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी भविष्य में चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सिविल सेवा और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में सफलता हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार ज्ञान और विज्ञान की भूमि रही है। नालंदा और तक्षशिला जैसी विश्वविख्यात शिक्षण संस्थान हमारी विरासत हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने जन्म भले ही अयोध्या में लिया हो, लेकिन ज्ञान प्राप्ति के लिए बिहार के बक्सर को चुना था। आज बिहार उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अपने संबोधन की शुरूआत में तिवारी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मस्थली को नमन किया और बेगूसराय को साहित्य, संस्कृति तथा क्रांति की धरती बताया। उन्होंने कहा कि 551 सरस्वती विद्या निकेतनों का लोकार्पण कर सीएम ने इस पुण्य भूमि का मान और बढ़ाया है। इससे पूर्व शिक्षा मंत्री तिवारी ने सीएम के साथ बेगूसराय में सरस्वती विद्या निकेतन के नाम से विकसित बीपी इंटर स्कूल का अवलोकन कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधुनिक सुविधाओं तथा शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया।

हुनर को मिलेगी नई उड़ान : तकनीकी दक्षता के लिए जीविका दीदियों को मिलेगी

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। इसमें सबसे अहम भूमिका निभाने वाली जीविका दीदियों को उनके कार्य कौशल में अधिक दक्ष बनाने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत के बलबूते अलग-अलग उत्पाद तैयार करने वाली दीदियों के हुनर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त पहचान दिलाने में खासा मदद मिलेगी। राज्य में सक्रिय करीब 13 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ 81 लाख से भी ज्यादा दीदियां जुड़ी हुई हैं। यानी प्रत्येक समूह से कम से कम 10-12 की

संख्या में यह दीदियां जुड़कर जीविकोपार्जन से संबंधित अलग-अलग गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इनमें मुख्य रूप से सिलाई-कढ़ाई, रसोई, लाइब्रेरी, नर्सरी आदि संचालन का पूरा कार्यभार इन दीदियों ने संभाल रखा है। ग्रामीण विकास के साथ दूसरे विभागों के आपसी सहयोग में आने वाले दिनों में राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायत में इन दीदियों को डेयरी संचालन की भी जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी की जा रही है।

जीविका दीदियों के द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद और उसकी उचित बाजार तक पहुंच सुनिश्चित कराने की मंशा से ग्रामीण विकास विभाग लगातार योजनाओं पर काम कर रहा है। हाल ही में विभागीय मंत्री श्री श्रवण कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीविका दीदियों को विशेष ट्रेनिंग दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। इधर, जीविका के अधिकारियों का कहना है कि माननीय मंत्री और प्रधान सचिव से प्राप्त निदेशों के अनुपालन में ही समूहों से जुड़ीं इन दीदियों के लिए अलग-अलग जिलों में विशेष ट्रेनिंग सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

देशभक्त चन्द्रशेखर आजाद की आदमकद प्रतिमा

सहरसा : देश की आजादी हेतु सर्वस्व न्यौछावर करने वाले पंडित चंद्रशेखर आजाद इतिहास के पन्नों सदैव अमर है और अनंतकाल तक बनें रहेगें। इन महान शहीद के स्वर्णिम इतिहास को आने वाला भावी पीढ़ियों को स्मरण कराने हेतु उनकी आदमकद प्रतिमा पूर्व विधायक आलोक रंजन ने बनवायें हैं। मकराना मार्वल में बनाएं गए इस स्टैच्यू का निर्माण जयपुर शैली में हुआ। इनकी शुद्धता की गारंटी है।इस प्रतिमा का निर्माण चैनपुर निवासी प्रसिद्ध चित्रकार अरविन्द ठाकुर ने की है।इनके द्वारा बनाये गये देवी देवताओ की मूर्ति सहित बिहार के कई शहरों में महापुरुषों की भी मूर्ति जयपुर निर्मित लगायें हैं। श्री ठाकुर ने बताया कि जयपुर से रवाना हुए आजाद जी की प्रतिमा शीध्र ही सहरसा में स्थापित होंगे।

बिहार के 369 नए छात्रावासों के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : बिहार सरकार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के माननीय मंत्री **लखेंद्र कुमार रौशन** ने नई दिल्ली में भारत सरकार के **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार** से शिष्टाचार मुलाकात कर बिहार में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव सौंपा। मुलाकात के दौरान माननीय मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन ने **प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना** के छात्रावास घटक के अंतर्गत बिहार के 369 प्रखंडों में अनुसूचित जाति छात्रावासों के निर्माण हेतु सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की नीति के अनुसार राज्य के 211 प्रखंड मुख्यालयों में डिग्री कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि प्रत्येक प्रखंड मुख्यालय में +2 स्तरीय मॉडल विद्यालय की स्थापना की जा रही है। ऐसे में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक प्रखंड में छात्रावास की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

माननीय मंत्री ने बताया कि राज्य के 534 प्रखंडों में वर्तमान में केवल 165 प्रखंडों में ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास संचालित हैं, जबकि 369 प्रखंड अभी भी इस सुविधा से वंचित हैं।

पर्यावरण अनुकूल परिवहन रोजगार योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली सब्सिडी

परिवहन विभाग ने जारी किया लिंक

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : राज्य सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल वाहनों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। बिहार इलेक्ट्रिक वाहन (संशोधन) नीति, 2026 को मंजूरी मिलने के बाद अब नए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले नागरिकों को सब्सिडी प्रदान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

परिवहन विभाग ने इसके लिए अपनी वेबसाइट पर एक विशेष लिंक जारी किया है, जिसके माध्यम से पात्र लाभार्थी आसानी से आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह सब्सिडी केवल उन इलेक्ट्रिक वाहनों पर उपलब्ध होगी, जिन्हें 15 मई 2026 या उसके बाद खरीदा गया है।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। इच्छुक वाहन स्वामियों को विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपने जिले का नाम, वाहन का पंजीकरण संख्या (आरसी), इंजन नंबर, चेसिस नंबर, खरीद की तिथि, पैन कार्ड नंबर, बैंक खाते का विवरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दर्ज करनी होगी।

मुख्यमंत्री बिहार पर्यावरण-अनुकूल परिवहन रोजगार योजना के तहत दोपहिया, तीनपहिया (वाणिज्यिक) तथा चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से नदी जोड़ परियोजना की परिकल्पना की गई : मुख्यमंत्री

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड के बेलवा में आयोजित समारोह में बागमती बूढ़ी गंडक नदी जोड़ परियोजना के अंतर्गत बेलवा (शिवहर जिला के पिपराही प्रखंड) मीनापुर (मुजफ्फरपुर जिला) लिंक चैनल (बेलवाधार) का लोकार्पण किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बेलवा (पिपराही)-मीनापुर लिंक चैनल (बेलवाधार) का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने शिवहर जिले के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत की 40 विकास योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके

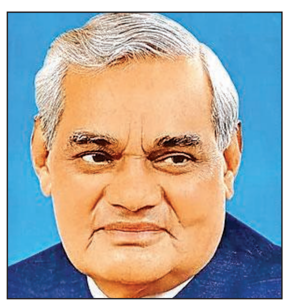

अंतर्गत 22 योजनाओं का उद्घाटन तथा 18 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगे जीविका, उद्योग विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग और बिहार पुलिस के (अभया ब्रिगेड एवं साइबर क्राइम) के स्टॉलों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने शिवहर जिला के 4550 जीविका स्वयं सहायता समूह को 25 करोड़ 35 लाख रूपए का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व० अटल बिहारी वाजपेयी जी के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से नदी जोड़ परियोजनाओं की परिकल्पना की गई थी।

आज प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बिहार में इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है, जिससे राज्य में समेकित जल संसाधन प्रबंधन को नई दिशा मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल बागमती नदी के अतिरिक्त जल को बूढ़ी गंडक नदी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस परियोजना के शुरू होने से बाढ़ के समय अतिरिक्त जल का प्रबंधन संभव होगा, बाढ़ की तीव्रता में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि लगभग 68.80 किलोमीटर लंबी इस लिंक चैनल परियोजना का निर्माण 130.88 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। यह परियोजना बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना का एक महत्वपूर्ण अंग है और इसके माध्यम से क्षेत्र के लाखों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, किसानों की आय में इजाफा होगा तथा मत्स्य पालन सहित अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

खबरकोना

कोपा एवं सम्होता गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

सारण, 19 जुलाई : सारण में जलालपुर प्रखंड के कोपा नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन रोड और सम्होता गांव में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। पहली घटना कोपा नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक की है, जहाँ पेशे से पेंटर ओम प्रकाश मांझी अपने पुत्र यश कुमार के साथ खेत में धान की रोपनी के लिए बिचड़ा लेकर गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम बिगड़ा और तेज बारिश के साथ वज्रपात हो गया, जिससे ओम प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई और उनका पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल यश को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है। दूसरी घटना सम्होता गांव की है, जहाँ खेत में धान की रोपनी करा रहा चंद्रदीप प्रसाद का पुत्र रोहित कुमार वज्रपात की चपेट में आ गया, जिससे उसकी भी जान चली गई। इस घटना से दोनों गांवों में मातमी सन्नाटा पसरा है। स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़ित परिवारों को आपदा राहत योजना के तहत अविलंब मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम करा रही है।

बांकीपुर उपचुनाव को लेकर एनडीए की हुई बैठक

पटना, 19 जुलाई : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर रविवार को ठाकुर प्रसाद कम्यूनिटी हॉल में एनडीए के घटक दलों के प्रमुख नेताओं एवं सभी वार्डों के कार्यकताओं की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य राजेश कुमार वर्मा विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक में आगामी चुनाव को लेकर जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा सभी घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के साथ चुनावी गतिविधियों को गति देने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकताओं से प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर केंद्र और बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया।

सारण में राहुल सांकृत्यायन के अपमान पर आक्रोश : जेडीयू एमएलसी प्रो वीरेंद्र नारायण यादव

सारण, 19 जुलाई : पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के रानीगंज क्षेत्र में बीती 15 जुलाई की रात असामाजिक तत्वों द्वारा राहुल सांकृत्यायन की आदमकद प्रतिमा को खंडित कर गायब करने की घटना के विरोध में आज छपरा में एक बैठक आयोजित की गई। सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य प्रो. डॉ वीरेंद्र नारायण यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में घटना की निंदा की गई। साथ ही, इस कृत्य में शामिल दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कठोरतम सजा देने की मांग की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. वीरेंद्र नारायण यादव ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन का छपरा से बेहद गहरा लगाव था और अविभाजित सारण जिला ही उनकी वास्तविक कर्मभूमि रहा है। वे सबसे पहले एकमा के परसागढ़ मठ में साधु रामोदार दास के रूप में आए थे। इसके बाद, वर्ष 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह करते हुए वे पहली बार गिरफ्तार हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 1939 के ऐतिहासिक आमवाड़ी किसान आंदोलन के दौरान राहुल सांकृत्यायन क्रूर जमींदारों की लाठियों के शिकार होकर लहूलुहान हुए और जेल गए, जिसकी भर्त्सना तत्कालीन देश भर के समाचार पत्रों ने की थी। इसके अलावा, उन्होंने छपरा के राजेंद्र कॉलेज के शासी निकाय में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् के रूप में हिंदी व भोजपुरी भाषा के प्राचार्यों की नियुक्ति में अमूल्य योगदान दिया था।

विधानसभा में प्रिय केलकर जी पर विशेष अभिवाचन कार्यक्रम का आयोजन

पटना, 19 जुलाई : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बिहार प्रदेश द्वारा परिषद के शिल्पकार, प्रखर शिक्षाविद् एवं राष्ट्रवादी चिंतक प्रो यशवंतराव केलकर की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रिय केलकर जी पर विशेष अभिवाचन

कार्यक्रम का आयोजन बिहार विधानसभा के विस्तारित सभागार में किया गया। मुख्य वक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रो. यशवंतराव केलकर ने विद्यार्थी परिषद को केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का प्रभावी माध्यम बनाया। उन्होंने विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व क्षमता के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके विचार आज भी देश के युवाओं के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने संगठन की स्थापना के समय थे। अपने प्रेरक उद्बोधन में गोविंद नायक ने कहा कि प्रो केलकर का चिंतन भारतीय शिक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं संगठनात्मक कार्यपद्धति का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार के बड़ी संख्या में पूर्व एवं वर्तमान कार्यकताओं, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों तथा गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में दक्षिण बिहार प्रदेश अध्यक्ष विनीत लाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रो. यशवंतराव केलकर का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, संगठन निर्माण एवं छात्रशक्ति के सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है।

सम्राट सरकार की बड़ी पहल : अब घर के पास ही विद्यार्थियों को मिलेगी प्लस टू तक की शिक्षा

उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य की संकल्पना को साकार करने में राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : राज्य सरकार विद्यार्थियों को घर के पास ही प्लस टू तक की बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराएगी। अब उन्हें अच्छी शिक्षा पाने के लिए किसी सुदूर स्थान नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही विद्यार्थियों को इन्हीं मॉडल विद्यालयों में नीट और जेईई की भी तैयारी कराई जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार सभी प्रखंडों में सरस्वती विद्या निकेतन के नाम से मॉडल स्कूल की शुरूआत कर दी है। सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सात निश्चय-3 (2025-30) के अंतर्गत उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की

है। सरकार की यह प्रतिबद्धता है कि प्रदेश का हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें, सरस्वती विद्या निकेतन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। बिहार सरकार की यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के पूर्णतः अनुरूप है।

इसके तहत राज्य सरकार के स्तर से बिहार के सभी जिला स्कूलों और प्रत्येक प्रखण्ड में अवस्थित एक-एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मिलाकर कुल 544 विद्यालयों को सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) के रूप में विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त पूर्व से संचालित 155 राजकीय एवं राजकीयकृत विद्यालयों को भी इसी योजना के अंतर्गत उन्नत किया जाएगा, जो राज्य की शिक्षा प्रणाली में एक नई क्रांति का सूत्रपात करेगा।

सरस्वती विद्या निकेतन योजना न केवल विद्यालयों के भौतिक उन्नयन की बात करती है, बल्कि शिक्षण की गुणवत्ता, डिजिटल एकीकरण एवं कौशल विकास को भी उतनी ही प्राथमिकता देती है। शिक्षा विभाग सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार को देश का शिक्षा मॉडल राज्य बनाने की ओर राज्य सरकार निरंतर अग्रसर है।

राज्य में मॉडल स्कूल बनाने का उद्देश्य आदर्श विद्यालय का उद्देश्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं नवाचार आधारित शिक्षा प्रदान करना है, ताकि राज्य में एक ऐसा सार्वजनिक विद्यालय विकसित किया जा सके, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता का मानक राज्य के साथ-साथ देश में स्थापित कर सके।

इन मॉडल स्कूलों में बेहतर शिक्षण के लिए विज्ञान प्रयोगशाला, आईसीटी लैब, पुस्तकालय, डिजिटल स्क्रीन सहित स्मार्ट कक्षा, कोचिंग की व्यवस्था, साप्ताहिक परीक्षण द्वारा प्रगति की सतत निगरानी, इच्छुक और जरूरतमंद छात्रों के लिए रिमेडियल कक्षाएं आदि की व्यवस्था की जायेगी।

करंट लगने से बिजली मिस्त्री की मौत, विभाग पर लापरवाही का आरोप

अररिया : जिले के बटुरबाड़ी गांव में बिजली मरम्मत के दौरान करंट लगने से रविवार को एक मिस्त्री की मौत हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। मृतक की पहचान अररिया सदर प्रखंड के किस्मत खवासपुर वार्ड संख्या 15 निवासी 42 वर्षीय मोहम्मद रुस्तम अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल रुस्तम अंसारी को सदर अस्पताल अररिया ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पंचायत के पूर्व मुखिया मोहम्मद शोएब आलम ने बताया कि रुस्तम अंसारी पिछले 15 वर्षों से बिजली मिस्त्री का काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि रविवार को रुस्तम बिजली के खंभे पर मरम्मत कार्य के लिए शटडाउन लेकर चढ़े थे। आरोप है कि काम के दौरान ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई, जिससे उन्हें करंट लगा और उनकी मौत हो गई।

पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कौशल विकास योजना के तहत 8 वर्षों में 5413 युवाओं को मिला प्रशिक्षण

प्लंबिंग, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, ब्यूटी कल्चर, फैशन डिजाइनिंग, मशीनरी ऑपरेशन समेत कई उद्योग-उन्मुखी ट्रेड्स शामिल

वर्तमान में राज्य के 9 प्रमुख केंद्रों पर 370 प्रशिक्षणार्थियों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

देश प्राण संवाददाता

पटना, 19 जुलाई : सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कौशल विकास योजना चलाई जा रही है। योजना के तहत वर्ष 2018 से अब तक 5 हजार 413 युवाओं ने विभिन्न आधुनिक ट्रेड्स में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। योजना का उद्देश्य

ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और ईबीसी (अतिपिछड़ा वर्ग) के युवा-युवतियों को रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्लंबिंग, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, ब्यूटी कल्चर, फैशन डिजाइनिंग, मशीनरी ऑपरेशन, वेल्डिंग, ड्राइविंग समेत कई उद्योग-उन्मुखी ट्रेड्स शामिल हैं।

वर्तमान में राज्य के 9 प्रमुख केंद्रों (भागलपुर, मुंगेर, गोपालगंज, पूर्णिया, रोहतास, कटिहार और दरभंगा) पर कुल 370 प्रशिक्षणार्थियों का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप का भी पूरा अवसर दिया जा रहा है, जिससे वे प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सीधे रोजगार प्राप्त कर सकें।

सरकार की इस पहल को युवाओं में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। योजना न केवल बेरोजगारी घटाने में मदद कर रही है, बल्कि समाज के पिछड़े तबके को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विभाग के अनुसार, योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भविष्य में प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी साथ ही नए ट्रेड्स को भी जोड़ा जायेगा।

पीएम ने बायोलॉजी व केमिस्ट्री ओलंपियाड के भारतीय मेडल विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लिथुआनिया के विल्नियस में आयोजित 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड और 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में पदक जीतने वाले भारतीय विद्यार्थियों को बधाई दी और उनकी उपलब्धि को देश के लिए गौरव का क्षण बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि विल्नियस में आयोजित 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में भारतीय टीम के सभी चार सदस्यों ने पदक हासिल किए हैं, जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। उन्होंने भव्य गुनवाल, सौमिल माइती, निशित कलानी और अनमोल कुमार को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय विद्यार्थियों ने मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री, एनिमल फिजियोलॉजी, एनिमल मॉर्फोलॉजी और सिस्टमैटिक्स सहित प्लांट कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन विद्यार्थियों की सफलता देश के अन्य युवाओं को भी विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

वहीं, इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारतीय टीम की सफलता पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। उन्होंने 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाले देबदत्ता प्रियदर्शी, हर्षित सिंघल, कबीर चिल्लर और संदीप कुची को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। विद्यार्थियों की प्रतिभा, कड़ी मेहनत, लगन और विज्ञान के प्रति उनके जुनून ने पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इन युवा वैज्ञानिकों की उपलब्धि से आने वाली पीढ़ियों के विद्यार्थी भी रसायन विज्ञान और अन्य वैज्ञानिक विषयों के अध्ययन के लिए प्रेरित होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय विद्यार्थियों की लगातार बेहतर होती भागीदारी देश में विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को दर्शाती है। युवा प्रतिभाओं की ऐसी उपलब्धियां विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करती हैं।

मप्र कैबिनेट ने समान नागरिक विधेयक-2026 के प्रस्ताव को दी मंजूरी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को भोपाल जिले के रियासतकालीन नगर जगदीशपुर में हुई कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) विधेयक-2026 के प्रारूप को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब सोमवार, 20 जुलाई से शुरू हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में इसे सदन के पटल पर पेश किया जाएगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस फैसले पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। विधानसभा में विधेयक पेश होने के बाद उस पर चर्चा होगी और सदन की मंजूरी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कोलकाता में देश के पहले 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन

भाषा हमारी संस्कृति व विरासत की पहचान : अमित शाह

कोलकाता, 19 जुलाई (हि.स.): केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में भारत के पहले 'शब्द संग्रहालय' (म्यूजियम ऑफ वर्ड) का उद्घाटन किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित यह संग्रहालय देश की भाषाई विरासत, लिपियों और साहित्यिक परंपराओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश की भाषा उसकी संस्कृति, इतिहास और विरासत की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि भाषा के माध्यम से किसी राष्ट्र की सभ्यता और उसके जीवन मूल्यों को समझा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी

मातृभाषा के साथ कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे भारत की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने पुस्तकालयों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि किसी राष्ट्र का भविष्य केवल महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि कितने लोग पुस्तकालयों का उपयोग कर ज्ञान अर्जित करते हैं। पढ़ने की संस्कृति ही समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध बनाती है।

अमित शाह ने बंगाल की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने देश को अनेक महान साहित्यकार, वैज्ञानिक, क्रांतिकारी और विद्वान दिए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल एक बार फिर देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही बहाल

✦ चारधाम मार्गों पर सतर्कता बढ़ी, दून में स्कूल बंद

देहरादून, 19 जुलाई (हि.स.): उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश का असर चारधाम यात्रा पर बना हुआ है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर यात्रियों की आवाजाही बहाल कर दी गई है, लेकिन भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ा दी है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में अब भी 96 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके मद्देनजर सरकार और जिला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव और आपदा प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे राज्य की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में तत्परता बरतने के निर्देश दिए हैं।

रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन के अनुसार, केदारनाथ पैदल मार्ग को फिलहाल पैदल यात्रियों के दोतरफा आवागमन के लिए खोल दिया गया है,जबकि घोड़ा-खच्चरों का संचालन एकतरफा व्यवस्था के तहत कराया जा रहा है। लगातार वर्षा के कारण मार्ग के कई संवेदनशील हिस्सों में पहाड़ियों से बोल्डर और पत्थर गिरने की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे स्थानों पर संबंधित विभाग लगातार निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मार्ग को सुरक्षित बनाने का कार्य किया जा रहा है।

श्री केदारनाथ धाम में पिछले 24 घंटे (18 जुलाई सायं 5 बजे से 19 जुलाई सायं 5 बजे तक) के दौरान कुल 1,097 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दर्शन करने वालों में 707 पुरुष, 374 महिलाएं और 16 बच्चे शामिल हैं। इस अवधि में कोई भी विदेशी श्रद्धालु दर्शन के लिए नहीं पहुंचा। इसके साथ ही इस यात्रा सत्र में अब तक कुल 14,09,668 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं।

नेपाल में लगातार बारिश से कोसी उफान पर

✦ बराज से 2.09 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

सुपौल, 19 जुलाई (हि.स.): नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब कोसी नदी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रविवार को कोसी बराज से पानी के बहाव में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। शाम चार बजे तक बराज से कुल 2,09,840 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जल संसाधन विभाग ने तटबंधों और संवेदनशील स्थलों पर निगरानी तेज कर दी है।

जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोसी बराज के डाउन स्ट्रीम में 2,06,440 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं, पूर्वी कोसी मुख्य नहर में पानी का प्रवाह शून्य रहा, जबकि पश्चिमी कोसी मुख्य नहर में 3,400 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इस प्रकार बराज से कुल 2,09,840 क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें लगातार वृद्धि की प्रवृत्ति बनी हुई है।

विभाग के अनुसार, नेपाल के बराह क्षेत्र (अपस्ट्रीम) में रविवार शाम चार बजे जलप्रवाह 1,56,000 क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया, जो लगातार बढ़ रहा है।

जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को तटबंधों, स्परों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीख : पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे

कोलकाता, 19 जुलाई (हि.स.): राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती को भारत के भविष्य की दो सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला बताते हुए पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने अपनी सामरिक क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए रक्षा तैयारियों को लगातार और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख कर कहा कि प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीख देता है।इनसे मिले अनुभवों के आधार पर सशस्त्र बलों की रणनीति को और सशक्त बनाया जाना चाहिए।

कोलकाता के फेयरफील्ड बाय मैरियट में व्याना जियो-इकोनॉमिक फोरम (वीजीईएफ) की ओर से रविवार देर शाम आयोजित उद्घाटन राष्ट्रीय सेमिनार उभरती वैश्विक व्यवस्था में राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन : विकसित भारत की सामरिक प्राथमिकताएं विषय पर देश के प्रमुख सैन्य अधिकारियों, रणनीतिक विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और पूंजी बाजार से जुड़े विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम में पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह, ब्रिगेडियर आदित्य सहाय सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

सेमिनार के समापन सत्र में जनरल मनोज पांडे ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली और अत्याधुनिक हथियारों ने युद्ध की पूरी प्रकृति बदल दी है। ऐसे समय में केवल पारंपरिक सैन्य ताकत पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि नई तकनीकों को तेजी से अपनाना और उन्हें सैन्य अभियानों का हिस्सा बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे, जिनमें जमीन, समुद्र और वायु के साथ-साथ साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए भारतीय सशस्त्र बलों को इन सभी क्षेत्रों में एकीकृत क्षमता विकसित करनी होगी।

खबरकोना

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान ओपन 2026 में जीत के लिए पीवी सिंधु को दी बधाई

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जापान ओपन 2026 में जीत हासिल करने के लिए भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "भारतीय बैडमिंटन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि! जापान ओपन 2026 में जीत हासिल करने के लिए पीवी सिंधु को बधाई। पूरे टूनामेंट के दौरान उनका दृढ़ संकल्प और बेहतरीन कौशल देखने को मिला। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास है क्योंकि वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह देश भर के अनगिनत युवा खिलाड़ियों को खेलने और शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।" उल्लेखनीय है कि भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ व राजौरी में बाढ़ व भूस्खलन के चलते 8 लोगों की मौत, 6 लोग लापता

राजौरी : जम्मू-कश्मीर के पुंछ व राजौरी में बाढ़ व भूस्खलन के चलते 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लापता लोगों की तलाश व बचाव अभियान चलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दो सीमावर्ती ज़िलों में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आई और जबरदस्त भूस्खलन हुआ है। इस दौरान मोबाइल टावरों को काफी नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते यहां का नेटवर्क भी बंद हो गया था, जिसे 5 घंटों के बाद बहाल किया गया है, लेकिन बिजली अभी तक बंद है। रात भर हुई लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ गई, जिससे रिहायशी मकान मलबे में दब गए और कई परिवार मलबे के नीचे फंस गए। सबसे ज्यादा तबाही पुंछ जिले के सुराकोट के लोअर मुर्रा इलाके में हुई है। मृतकों की पहचान नूर सफिया (59) पत्नी मोहम्मद लतीफ, सज्जाद अहमद (16) पुत्र मोहम्मद लतीफ, हकनवाज अहमद (10) पुत्र मोहम्मद लतीफ, शाहनवाज अहमद (10), पुत्र मोहम्मद लतीफ, खालिदा कौसर (25) पत्नी यासर इकबाल, सोफियान (2) पुत्र यासर इकबाल, बानो बी (60) पत्नी मोहम्मद हुसैन, मोहम्मद अकरम (7) पुत्र मोहम्मद लियाकत के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, एसडीआरएफ, नागरिक प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें उन छह लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चला रही हैं, जो बह गए थे या मलबे के नीचे फंस गए थे और अभी भी लापता हैं।

अहमदाबाद के पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले में तीन संचालक गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित मेहुल डोडिया समेत तीन संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है। अब प्रशासन अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। पुलिस ने अपनी जांच में खुलासा किया है कि आगामी गणेश विसर्जन के ऑर्डर पूरे करने और अधिक मुनाफा कमाने की लालच में फैक्टरी को अवैध रूप से दोबारा शुरू किया गया था। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके के रामोल गटराड रोड के एक खेत में संचालित इस अवैध पटाखा फैक्टरी में शनिवार को हुए भीषण विस्फोट 9 लोगों की मौत हो गई थी और 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हादसे में दाहोद जिले के संजेली तहसील स्थित इटाड़ी गांव के एक ही परिवार के रमीबेन भरतभाई चौरेस, रिंकू भरतभाई चौरेस, शिवानी भरतभाई चौरेस, रवीना भरतभाई चौरेस और विश्व भरतभाई चौरेस शामिल हैं। इसके अलावा दाहोद जिले के भेखड़ापुर गांव निवासी उमाबेन गोविंदभाई डामोर, अभ्यापुर निवासी सविताबेन सुरेशभाई डामोर, कपडवंज निवासी असरारअली ईस्कुलअंजली शेख तथा आनंद जिले के उमरेठ निवासी असरुद्दीन काकी की भी इस हादसे में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद सभी मृतकों के शव पुलिस सुरक्षा के बीच उनके गृह जिलों दाहोद के संजेली, कपडवंज, उमरेठ और अहमदाबाद के रामोल भेजे दिए गए थे। अहमदाबाद पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने आज रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फैक्टरी का लाइसेंस 4 मार्च को समाप्त हो गया था। इसके बाद प्रशासन ने इसे बंद करा दिया था। हालांकि पिछले 20 से 25 दिनों के दौरान पुलिस रथयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त थी। इसी का फायदा उठाकर संचालकों ने दाहोद से मजदूर बुलाकर अवैध रूप से फिर से पटाखे बनाने का शुरू कर दिया था।

राष्ट्रपित मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण के लिए माल्दोवा रवाना

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को अपने सात दिवसीय तीन देशों के राजकीय दौरे के पहले चरण के लिए मोल्दोवा रवाना हो गईं। वह 19 और 20 जुलाई को मोल्दोवा की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की मोल्दोवा की पहली यात्रा होगी। माल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु अपनी समकक्ष राष्ट्रपति मैया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी तथा मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के किसी राष्ट्रपति की मोल्दोवा और उत्तर मैसेडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है, जबकि रोमानिया की राष्ट्रपति स्तर की यात्रा तीन दशक बाद हो रही है।

विक्रम-1 मिशन की सफलता पर टीडीबी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को दी बधाई

बताया निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.): विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने विक्रम-1 मिशन की सफल उड़ान पर स्काईरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड को बधाई देते हुए इसे भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। बोर्ड ने कहा कि इस सफलता से स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान और नवाचार क्षमता को नई मजबूती मिली है।

टीडीबी ने अपने बयान में कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस की यह उपलब्धि स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की पहचान, प्रोत्साहन और व्यावसायीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बोर्ड ने वर्ष 2022 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर स्काईरूट

एयरोस्पेस को स्वदेशी प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप पुरस्कार से सम्मानित किया था। उस समय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह पुरस्कार प्रदान किया था। स्काईरूट को छोटे उपग्रह प्रक्षेपण बाजार के लिए स्वदेशी क्रायोजेनिक, लिक्विड और सॉलिड प्रोपल्शन तकनीकों के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। टीडीबी ने कहा कि विक्रम-1 मिशन की सफलता इस बात का प्रमाण है कि शुरूआती चरण में संभावनाशील भारतीय स्टार्टअप की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन देने की नीति दूरगामी और सकारात्मक परिणाम देती है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस की सफलता पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप पुरस्कार प्राप्त करने वाले एक उभरते स्टार्टअप से लेकर भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने तक का उसका सफर देश के सशक्त नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि स्काईरूट एयरोस्पेस ने अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) फंड के तहत टीडीबी को एक प्रस्ताव भी सौंपा है, जो वर्तमान में विचाराधीन है।

बोर्ड ने कहा कि वह एयरोस्पेस, रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीकों के विकास, व्यावसायीकरण तथा नवाचार आधारित उद्यमों को लगातार प्रोत्साहित कर रहा है।

बिना सहमति बिल में सर्विस चार्ज जोड़ने पर सीसीपीए की 41 रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.) : केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना रेस्तरां के बिल में डिफॉल्ट रूप से सर्विस चार्ज जोड़ने के मामले में देशभर के 41 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की है। यह कदम राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर उठाया गया है, जिनमें उपभोक्ताओं ने ऐसे बिल प्रस्तुत किए थे जिनमें उनकी सहमति के बिना सर्विस चार्ज जोड़ा गया था।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि सीसीपीए की जांच में यह पाया गया कि बिना सहमति सर्विस चार्ज जोड़ना उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन है। यह होटल एवं रेस्तरां में सर्विस चार्ज वसूली से संबंधित सीसीपीए के दिशा-निर्देशों तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है।

प्राधिकरण ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 मार्च 2025 के अपने फैसले में सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को वैध ठहराते हुए स्पष्ट किया था कि रेस्तरां द्वारा अनिवार्य

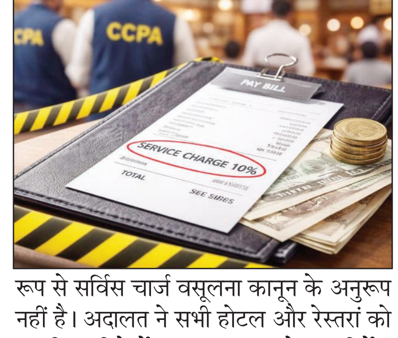

रूप से सर्विस चार्ज वसूलना कानून के अनुरूप नहीं है। अदालत ने सभी होटल और रेस्तरां को इन दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया था और सीसीपीए को इनके अनुपालन की निगरानी तथा आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार भी दिया था।

सीसीपीए ने एक मामले में चायोस (सनशाइन टीहाउस प्राइवेट लिमिटेड) पर उपभोक्ता की सहमति के बिना बिल में सर्विस चार्ज जोड़ने के लिए 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। साथ ही कंपनी को संबंधित उपभोक्ता से वसूली गई राशि वापस करने और अपने सभी आउटलेट्स की बिलिंग प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया गया है, ताकि भविष्य में बिल में स्वतः सर्विस चार्ज या इसी प्रकार का कोई अन्य शुल्क न जोड़ा जाए।

इसके अलावा प्राधिकरण ने कैफे ब्लू बॉटल (पटना), चाइना गेट रेस्तरां प्राइवेट लिमिटेड, फिएस्टा बारबेक्यू नेशन, एफओओ अहमदाबाद, एल'ओपेरा फ्रेंच बेकरी प्राइवेट लिमिटेड और जोरो-द लक्जरी नाइट क्लब सहित कई अन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी अंतिम आदेश जारी किए हैं। अन्य शिकायतों की जांच अभी जारी है।

सीसीपीए ने दोहराया कि उसके दिशा-निर्देशों के अनुसार कोई भी होटल या रेस्तरां उपभोक्ता के बिल में स्वतः सर्विस चार्ज नहीं जोड़ सकता। किसी अन्य नाम से भी इसकी वसूली नहीं की जा सकती। सर्विस चार्ज पूरी तरह स्वैच्छिक है और उपभोक्ता को इसे देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यदि कोई उपभोक्ता सर्विस चार्ज देने से इनकार करता है तो उसे सेवा देने से मना नहीं किया जा सकता और न ही उसके प्रवेश पर कोई रोक लगाई जा सकती है।

प्राधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि सर्विस चार्ज पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि यह कोई अनिवार्य शुल्क नहीं है।